{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
बुधवार 29 अक्टूबर 2025
कार्तिक शुक्ल 08 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 36
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स	~	84,628.16
निफ्टी	~	25,936.20
सोना	~	1,20,820
चांदी	~	1,51,000
डॉलर	~	88.22

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

साइक्लोन 'मोंथा' का खतरा बढ़ा

आंध्र तट पर हाई अलर्ट, 110 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलेंगी हवाएं

नई दिल्ली । तूफानी चक्रवात मोन्था आंध्र प्रदेश के मछलीपट्टनम तट से टकराना (लैंडफॉल प्रोसेस) शुरू हो गया है। यहां 100 kmph की स्पीड से हवा चल रही है। समुद्री लहरों से किनारों के घर गिर गए हैं। कई इलाकों में बिजली के तार टूट गए और पोल गिर गए हैं। इससे पूरे शहर की बिजली व्यवस्था ठप है।

मौसम विभाग के मुताबिक, तूफानी चक्रवात का केंद्र अगले 2 घंटों में मछलीपट्टनम तट से टकराएगा। इस दौरान हवा की रफ्तार 110 ਝ्द्वश्चद्ध तक जा सकती है। वहीं, समुद्र में 5 मीटर (16 फीट) तक ऊंची लहरें उठ सकती हैं।

मोंथा तूफान

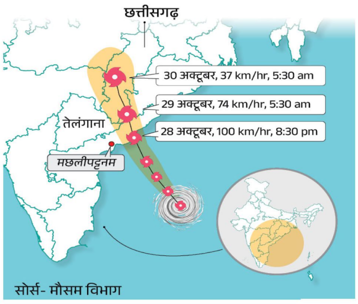

मछुआरे समुद्र में न जाने की हिदायत

चक्रवात के प्रभाव से तटीय इलाकों में भारी बारिश और तेज हवाओं की संभावना है। आईएमडी ने बताया कि तूफान के लैंडफॉल के समय आंध्र प्रदेश और यनम के निचले इलाकों में ज्वारीय स्तर से एक मीटर तक ऊंची लहरें उठ सकती हैं, जिससे जलभराव की स्थिति बनेगी। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे तटीय क्षेत्रों से दूर रहें, मछुआरे समुद्र में न जाएं और मौसम विभाग के निर्देशों का पालन करें। अगले 48 घंटे इस चक्रवात को लेकर बेहद संवेदनशील माने जा रहे हैं।

आंध्र प्रदेश, ओडिशा, तमिलनाडु और पुडुचेरी हाई अलर्ट जारी

इसके चलते आंध्र प्रदेश, ओडिशा, तमिलनाडु और पुडुचेरी में हाई अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि दक्षिण-पश्चिम और पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी में बना यह तूफान गंभीर चक्रवाती तूफान में तब्दील हो चुका है। इसके मछलीपट्टनम और कालिंगपट्टनम के बीच काकीनाडा के पास तट से टकराने की संभावना जताई गई है। इस दौरान समुद्र में 2 से 4.7 मीटर तक ऊंची लहरें उठ सकती हैं। शाम 5:30 बजे से रात 11:30 बजे तक ये लहरें तटीय इलाकों में कहर बरपा सकती हैं।

रेलवे और हवाई सेवाओं पर असर

साइक्लोन 'मोंथा' के कारण भारतीय रेलवे ने सुरक्षा को देखते हुए 65 ट्रेनों और कई फ्लाइट्स को रद्द कर दिया है। कई ट्रेनों के रूट बदले गए हैं। वहीं, तमिलनाडु के चेंगलपट्टू और कडलूर जिलों में भारी बारिश के चलते स्कूल और कॉलेज बंद कर दिए गए हैं।

एनडीआरएफऔर एसडीआरएफ तैनात

सरकार ने एहतियात के तौर पर आंध्र प्रदेश के नेल्लोर से श्रीकाकुलम तक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाना शुरू कर दिया है। एनडीआरएफ की 22 टीमें और एसडीआरएफ की यूनिट्स प्रभावित इलाकों में तैनात हैं। प्रशासन ने 24×7 कंट्रोल रूम और 74 राहत केंद्र स्थापित किए हैं। हेल्पलाइन नंबर जारी कर नागरिकों से सतर्क रहने की अपील की गई है।

विदर्भ में भी दिखेगा असर

तूफान का असर महाराष्ट्र तक पहुंच सकता है। आईएमडी ने विदर्भ के जिलों- चंद्रपुर, नागपुर, यवतमाल, गडचिरोली, वर्धा, वाशिम, भंडारा और गोंदिया में 30 अक्टूबर तक भारी बारिश और तेज हवाओं की संभावना जताई है।

खास खबर

राहुल गांधी की टिप्पणी मामले में सुनवाई पूरी

संभल। उत्तर प्रदेश के संभल जिले की एक अदालत ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की एक टिप्पणी को लेकर उनके खिलाफ दायर मामले में मंगलवार को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। फैसला सात नवंबर को सुनाया जाएगा। अतिरिक्त जिला न्यायाधीश (एडीजे) द्वितीय आरती फौजदार के समक्ष चंदौसी जिला न्यायालय में सुनवाई हुई, जहां दोनों पक्षों ने अपनी दलीलें पेश कीं। यह मामला हिंदू शक्ति दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष सिमरन गुप्ता ने दायर किया था, जिन्होंने आरोप लगाया था कि राहुल गांधी ने 15 जनवरी को दिल्ली में कांग्रेस दफ्तर के उद्घाटन के समय कहा था कि हमारी लड़ाई भाजपा या आरएसएस से नहीं, बल्कि इंडियन स्टेट (भारतीय राज व्यवस्था) से है।

हरियाणा प्रदेश में 1 नवबंर से पहली बार पेपरलेस रजिस्ट्री प्रणाली शुरू

पंचकूला। हरियाणा प्रदेश में पहली बार पेपरलेस रजिस्ट्री प्रणाली शुरू होने वाली है। एक नवंबर से लोगों को इसकी सुविधा मिलेगी। हालांकि, नई प्रणाली को लेकर अधिकारी, डाक्यूमेंट राइटरों और प्रापर्टी कंसल्टेंट्स असमंजस की स्थिति बनी हुई हैं। वजह यह सामने आ रही है कि अभी तक डाक्यूमेंट राइटरों की आइडी नहीं बनी है। तहसीलदार और नायब तहसीलदार भी सिस्टम को समझने में जुटे हुए हैं। पंचकूला की सबसे छोटी बरवाला उपतहसील से 30 अक्टूबर से पेपरलेस रजिस्ट्री शुरू होने वाली है। इसके लिए नायब तहसीलदार का डिजिटल सिग्नेचर और आरसी की आईडी-पासवर्ड तैयार कराया है।

दिल्ली एयरपोर्ट पर विमान के पास खड़ी एयर इंडिया की बस में लगी आग

नई दिल्ली। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट (आईजीआई) पर मंगलवार दोपहर एक बड़ा हादसा टल गया। दरअसल टर्मिनल-3 पर खड़ी एयर इंडिया की बस में अचानक आग लग गई, हालांकि राहत की बात यह रही कि उस वक्त बस में कोई यात्री मौजूद नहीं था। घटना 28 अक्टूबर मंगलवार की दोपहर करीब एक बजे की है। बस विमान के ठीक पास खड़ी थी और एयर इंडिया सेट्स एयरपोर्ट सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के संचालन में थी, जो एक थर्ड पार्टी ग्राउंड सर्विस प्रोवाइडर है। अचानक बस में धुआं उठता देख मौके पर मौजूद कर्मचारियों ने तुरंत फायर विभाग और सुरक्षा एजेंसियों को सूचना दी। कुछ ही देर में दमकल की गाड़ियां, स्थानीय पुलिस, सीआईएसएफ और एयरपोर्ट सुरक्षा टीम मौके पर पहुंच गईं और आग पर काबू पा लिया गया। गनीमत यह रही कि बस में न यात्री थे और न ही कोई सामान।

कई चरणों में पूरा होगा एसआईआर का काम, 103 दिन तक चलेगी प्रक्रिया

नई दिल्ली। निर्वाचन आयोग (ईसी) ने बिहार के अनुभवों के आधार पर देशभर में होने वाले विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में महत्वपूर्ण संशोधन किए हैं। अब गणना चरण में मतदाताओं से कोई दस्तावेज नहीं मांगा जाएगा, जिससे प्रक्रिया सरल बनेगी। हालांकि, पिछले एसआईआर से लिंक न हो पाने वाले मतदाताओं को निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ) नोटिस जारी करेंगे और उनकी पात्रता संविधान के अनुच्छेद 326 के मानकों से जांचेंगे।

ऐसे मतदाताओं को नागरिकता साबित करने के लिए 11 संकेतात्मक दस्तावेजों में से एक जमा करना अनिवार्य होगा, जो बिहार एसआईआर जैसे ही रहेंगे। आधार कार्ड केवल पहचान के लिए स्वीकार्य होगा, नागरिकता प्रमाण नहीं। ईआरओ अन्य वैकल्पिक दस्तावेज भी मंजूर कर सकेंगे, जैसा कि 9 सितंबर के निर्देशों में कहा गया है। गणना फॉर्म में नए कॉलम जोड़े गए हैं, जिसमें मतदाता या उसके अभिभावक/रिश्तेदार का नाम, ईपीआईसी नंबर, संबंध, जिला, राज्य और विधानसभा क्षेत्र का विवरण दर्ज होगा। यह डेटा 2002-04 के पिछले एसआईआर रिकॉर्ड से जोड़ा जाएगा, ताकि सटीकता सुनिश्चित हो।

फॉर्म न लौटाने वाले मतदाताओं के लिए बूथ स्तर अधिकारी (बीएलओ) पड़ोसियों से जानकारी लेकर कारण दर्ज करेंगे, जैसे अनुपस्थिति, स्थानांतरण, मृत्यु या दोहराव। ऐसी सूचियां पंचायत, निकाय या बीडीओ कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर लगेंगी और मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) की वेबसाइट पर अपलोड होंगी। घर-घर गणना के दौरान बीएलओ कम से कम 30 खाली फॉर्म-6 और घोषणा फॉर्म लेकर जाएंगे, ताकि नए मतदाता तुरंत आवेदन कर सकें। ईआरओ 1 अप्रैल, 1 जुलाई और 1 अक्टूबर 2026 की योग्यता तिथियों के लिए अग्रिम आवेदन स्वीकार करेंगे। दूसरे चरण में 51 करोड़ मतदाता शामिल होंगे। कुमार ने पश्चिम बंगाल सरकार से टकराव इनकार किया और कहा कि राज्य कर्मी उपलब्ध कराने बाध्य हैं। केरल में स्थानीय चुनावों के कारण स्थगन की मांग खारिज की, क्योंकि अधिसूचना जारी नहीं हुई। बिहार में 7.42 करोड़ मतदाताओं की सूची 30 सितंबर को प्रकाशित हुई, चुनाव 6 व 11 नवंबर को, मतगणना 14 नवंबर को। एसआईआर का उद्देश्य योग्य मतदाताओं को शामिल करना और अयोग्य, विशेषकर अवैध विदेशी प्रवासियों (बांग्लादेश, म्यांमार आदि) को हटाना है। राज्यों में पिछले एसआईआर को कट-ऑफ मानकर मानचित्रण पूरा हो रहा है।

सुप्रीम कोर्ट का अहम फैसला...

गवाह को धमकाने के मामले में पुलिस तुरंत ले एक्शन

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने अपने अहम फैसले में कहा कि भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 195ए के तहत गवाह को धमकाने का अपराध संज्ञेय है, इसके तहत पुलिस बिना अदालत की औपचारिक शिकायत की प्रतीक्षा किए सीधे एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर सकती है।

जस्टिस संजय कुमार की अगुवाई वाली बेंच ने केरल उच्च न्यायालय के उस फैसले को रद्द किया, जिसमें कहा गया था कि धारा 195ए के तहत गवाह को धमकाने के अपराध के लिए पुलिस एफआईआर दर्ज नहीं कर सकती और इसतरह के अपराधों की सुनवाई केवल संबंधित अदालत द्वारा दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 195 और 340 के तहत लिखित शिकायत के द्वारा हो सकती है।

सुप्रीम कोर्ट ने 28 अक्टूबर को दिए फैसले में हाई कोर्ट के नजरिये से असहमति जताकर कहा कि धारा 195ए आईपीसी को जानबूझकर एक अलग और विशिष्ट अपराध के रूप में तैयार किया गया है, जिसका प्रक्रिया और रास्ता अलग है। यह अपराध संज्ञेय श्रेणी में आता है, और इसलिए पुलिस को सीधे गवाह के बयान के आधार पर एफआईआर दर्ज करने का अधिकार है।

शीर्ष अदालत ने कहा कि धारा 195ए आईपीसी को इस उद्देश्य से लागू किया गया था कि यह धारा 193, 194, 195 और 196 आईपीसी के तहत आने वाले अपराधों से भिन्न रहे। वे सभी अपराध असंज्ञेय थे और केवल धारा 195(1)(बी)(आई) सीआरपीसी में उल्लिखित व्यक्तियों की शिकायत पर ही कार्रवाई की जा सकती थी। लेकिन धारा 195ए आईपीसी एक संज्ञेय अपराध है, जो किसी व्यक्ति को झूठा सबूत देने के लिए धमकी, चोट या उसकी प्रतिष्ठा या संपत्ति को नुकसान पहुँचाने के भय से प्रेरित करने से जुड़ी है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि किसी धमकाए गए गवाह से पहले अदालत में जाकर शिकायत दर्ज करने की अपेक्षा करना व्यावहारिक नहीं लगता है। अगर उस व्यक्ति को संबंधित अदालत के समक्ष जाकर धमकी की सूचना देनी पड़े और इसके लिए धारा 195(1)(बी)(आई) सीआरपीसी के तहत शिकायत तथा धारा 340 सीआरपीसी के तहत जांच की आवश्यकता हो, तब यह प्रक्रिया केवल न्यायिक प्रक्रिया को पंगु बना देगी। अदालत ने पुलिस की शक्ति को याद दिलाकर कहा कि धारा 195ए आईपीसी के तहत अपराध संज्ञेय है, और जब ऐसा है, तब सीआरपीसी की धारा 154 और 156 के तहत पुलिस की कार्रवाई करने की शक्ति पर कोई संदेह नहीं किया जा सकता।

गौरतलब है कि यह अपील केरल राज्य द्वारा दायर की गई थी, जो केरल उच्च न्यायालय के निर्णय के खिलाफ थी, जिसमें हत्या के एक मुकदमे में गवाह को धमकाने के आरोप में धारा 195ए आईपीसी के तहत आरोपी को जमानत दे दी गई थी। हाई कोर्ट ने कहा था कि पुलिस इस धारा के तहत एफआईआर दर्ज करने के लिए अधिकृत नहीं है, और केवल अदालत ही ऐसी शिकायत दर्ज कर सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने इस निर्णय को रद्द करते हुए स्पष्ट किया कि धारा 195ए आईपीसी के तहत एफआईआर दर्ज करने के लिए पुलिस को अधिकार प्राप्त है, और राज्य की अपील को स्वीकार कर आरोपी को निर्देश दिया कि वह दो सप्ताह के भीतर ट्रायल कोर्ट के समक्ष आत्मसमर्पण करे।

महागठबंधन ने जारी किया तेजस्वी प्रण पत्र

हर घर को सरकारी नौकरी, भूमिहीन परिवारों को 5 डिसमिल जमीन

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव के लिए महागठबंधन ने अपना साझा घोषणा पत्र, तेजस्वी प्रण पत्र, जारी किया है। इसमें हर घर को सरकारी नौकरी, भूमिहीन परिवारों को 5 डिसमिल जमीन और 200 यूनिट मुफ्त बिजली जैसे बड़े लोकलुभावन वादे किए गए हैं। यह घोषणा-पत्र राजद और कांग्रेस सहित सभी घटक दलों के नेताओं ने मिलकर जारी किया, इसमें मुख्य रूप से नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी के प्रण शामिल हैं।

इस घोषणा पत्र का नाम बिहार का तेजस्वी प्रण दिया गया है, इसमें तेजस्वी के 20 प्रण शामिल हैं। सबसे बड़ी घोषणा 20 महीने में हर परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने का ऐलान शामिल है। तेजस्वी ने लिखा है कि ये सरकारी नौकरी 20 महीने में दी जाएगी। इसके लिए 20 दिन में अधिनियम बनेगा। इतना ही नहीं घोषणा पत्र में युवाओं, महिलाओं, संविदा कर्मियों, पुराने पेंशनधारी, किसान और गरीब परिवारों को कुछ न कुछ देने की घोषणा की गई है। प्रेसवार्ता के

पोस्टर में राहुल गांधी की तस्वीर है।

इससे पहले महागठबंधन के सीएम कैंडिडेट और राजद नेता तेजस्वी यादव ने कहा, हमने सीएम का चेहरा भी घोषित किया है। आज हम तेजस्वी प्रण पत्र जारी करने जा रहे हैं कि हम अगले 5 साल कैसे काम करने जा रहे हैं। तेजस्वी पहले ही कई बार इस बात का जिक्र कर चुके हैं और अब इस औपचारिक रूप से घोषणापत्र में शामिल किया जा रहा है।

30 अक्टूबर को जारी हो सकता है एनडीए का घोषणापत्र

वहीं बिहार विधानसभा चुनाव के लिए एनडीए का घोषणापत्र 30 अक्टूबर को जारी किया जा सकता है। सूत्रों के अनुसार, एनडीए राज्य में घोषणापत्र को विकसित बिहार शीर्षक के साथ जारी करेगा। बिहार में एनडीए के घोषणापत्र में छात्र, स्वास्थ्य और कृषि क्षेत्र पर अधिक फोकस कर सकता है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की ओर से 25 अक्टूबर को खगड़िया में रैली के दौरान इसके संकेत दिए गए थे। उन्होंने कहा था, बिहार डबल इंजन से लैस होकर विकास के रास्ते पर आगे बढ़ चला है।

सीएम यादव कानून-व्यवस्था में पूरी तरह असफल- दिग्विजय सिंह

गुना । पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह सोमवार को गुना के दौरे पर रहे, जहाँ उन्होंने पत्रकारों से विभिन्न मुद्दों पर बातचीत की। इस दौरान उन्होंने कानून-व्यवस्था की स्थिति और हाल ही में गुना के फतेहगढ़ क्षेत्र में हुई निर्मम हत्या पर तीखी टिप्पणी की है। दिग्विजय सिंह ने गुना के फतेहगढ़ थाना क्षेत्र के गणेशपुरा में हुए

किसान की निर्मम हत्या की कड़ी निंदा की। उन्होंने मांग की कि इस जघन्य अपराध को अंजाम देने वाले सभी दोषियों को फांसी की सजा मिलनी चाहिए। उन्होंने घोषणा की कि वह और उनके पुत्र जयवर्धन सिंह पीड़ित परिवार से मुलाकात करने के लिए 28 अक्टूबर को गणेशपुरा जाएंगे। उन्होंने कहा कि पीड़ित परिवार के साथ उनकी पूरी सहानुभूति है। इंदौर में आस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम के साथ हुई घटना पर बोलते हुए दिग्विजय सिंह ने कहा कि मामले में सख्त कार्रवाई होनी चाहिए, लेकिन उन्होंने सवाल उठाया कि स्थानीय पुलिस ने खिलाड़ियों को पर्याप्त सुरक्षा क्यों नहीं दी? भाजपा नेता कैलाश विजयवर्गीय द्वारा यह कहने पर कि क्रिकेट टीम को उन्हें बताकर निकलना था, इस पर दिग्विजय सिंह ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह राज्य में कानून-व्यवस्था की लचर स्थिति को दशार्ता है। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव कानून-व्यवस्था बनाए रखने में पूरी तरह असफल रहे हैं। दिग्विजय सिंह ने एसआईआर और मतदाता सूची को लेकर कहा कि बिहार में 2003 में एसआईआर को लागू करने में दो साल लगे थे, लेकिन इस बार इसे केवल एक महीने के अंदर कैसे कर लिया गया, यह समझ से परे है।

गायक अदनान सामी पर धोखाधड़ी का आरोप, कोर्ट ने पुलिस से मांगी रिपोर्ट

ग्वालियर। मशहूर गायक अदनान सामी पर धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। उनके खिलाफ जिला न्यायालय में 27 अक्टूबर को परिवाद दायर किया गया है। अदालत ने इस मामले में इंदरगंज थाना पुलिस से स्टेटस रिपोर्ट तलब की है। अब सुनवाई 24 नवंबर को होगी।

अधिवक्ता अवधेश सिंह तोमर ने बताया कि ग्वालियर निवासी लावन्या सक्सेना ने 27 सितंबर 2022 को अदनान सामी का संगीत कार्यक्रम आयोजित करने के लिए उनकी टीम से अनुबंध किया था। कार्यक्रम की कुल राशि 33 लाख रुपए तय हुई थी, जिसमें से 17 लाख 62 हजार रुपए एडवांस दिए गए थे।

हालांकि, अदनान सामी की टीम ने कार्यक्रम रद्द कर दिया और बाद में आयोजन करने की बात कही, लेकिन एडवांस राशि लौटाने से इंकार कर दिया। इसके बाद पीड़िता ने 4 सितंबर 2025 को इंदरगंज थाने में शिकायत दर्ज कराई, पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। फिर उन्होंने 11 सितंबर को एसपी और 6 अक्टूबर को आईजी कार्यालय में भी आवेदन दिया, लेकिन समाधान न मिलने पर मामला जिला न्यायालय पहुंचा। अब कोर्ट ने पुलिस से रिपोर्ट मांगी है ताकि आगे की कार्रवाई तय की जा सके।

कुछ ना कहना

आरएसएस को लेकर सिद्धारमैया सरकार को कर्नाटक हाईकोर्ट से फटकार...उन्हें इसका संवैधानिक अधिकार कहां से मिला

बेंगलुरु। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के कार्यक्रमों पर रोक लगाने को लेकर कर्नाटक सरकार के आदेश पर अब हाईकोर्ट ने रोक लगा दी है। जस्टिस एम नागाप्रसन्ना की अध्यक्षता वाली बेंच ने कर्नाटक सरकार और हुबली पुलिस कमिश्नर के आदेश पर अंतरिम रोक लगाकर कहा है कि उन्हें इसका संवैधानिक अधिकार कहां से मिल गया। 18 अक्टूबर को राज्य सरकार ने कहा था कि बिना इजाजत के 10 से ज्यादा लोगों का इकट्ठा होना अपराध है। इसके अलावा पार्क, सड़कों और खेल के मैदान में ज्यादा लोगों के इकट्ठे होने पर कार्रवाई होगी।

हाई कोर्ट ने कहा कि संविधान के आर्टिकल 19 (1)(ए),19 (1)(बी) के तहत दिए गए अधिकारों पर सरकार रोक नहीं लगा सकती है। कोर्ट ने कहा कि सभी को अभिव्यक्ति का अधिकार और शांतिपूर्ण ढंग से सभा करने का अधिकार मिला है और इसमें सरकार देखल नहीं दे सकती। इस मामले में अभी आगे की सुनवाई होनी है। फिलहाल कोर्ट के इस आदेश से आरएसएस को अंतरिम राहत मिल गई है।

बीजेपी सांसद तेजस्वी सूर्या ने कहा था कि संघ के खिलाफ ये सारे कदम प्रियांक खरगे के इशारे पर उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा, आरएसएस अपनी गतिविधियां शांतिपूर्ण तरीके से करता है।

दिल्ली हाईकोर्ट की अहम टिप्पणी...

पत्नी-पति की प्रेमिका से शादी टूटने पर हर्जाना मांग सकती

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने बीते महीने व्यभिचार यानी एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर से जुड़े मामले पर कुछ ऐसी टिप्पणी की थी, जिससे देश में वैवाहिक विवादों के कानून को लेकर बहस छिड़ गई है। दिल्ली हाईकोर्ट के जस्टिस पुरुषेन्द्र कुमार कौरव ने कहा था, अगर किसी तीसरे व्यक्ति के कारण शादी टूटती है, या पत्नी को उसके अधिकारों से वंचित रखा जाता है, तब पत्नी उससे सिविल कोर्ट में हर्जाने की मांग कर सकती है।

न्यायमूर्ति कौरव ने टिप्पणी पिछले महीने एक महिला की याचिका पर की थी, जिसमें अपने पति का किसी अन्य महिला के साथ संबंध होने का आरोप लगाकर उसकी प्रेमिका से 4 करोड़ मुआवजे की मांग की। इसके बाद से देश भर में बहस छिड़ गई है कि एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर से जुड़े मामलों में क्या पीड़ित महिला अपने पति की प्रेमी से या कोई पुरुष अपनी पत्नी के प्रेमी से हर्जाना मांग सकता है

क्या है पूरा मामला, जिससे पैदा हुआ यह सवाल

दरअसल महिला ने आरोप लगाया कि साल 2012 में मेरी शादी हुई। 2018 में जुड़वा बच्चे हुए। पति कारोबार करते हैं। मेरी शादीशुदा जिंदगी अच्छी चल रही थी। लेकिन 2021 में मेरे पति के बिजनेस में एक अन्य महिला भी शामिल हुई। वहां दूसरी महिला पति के साथ यात्राओं पर जाती थी। इस दौरान दोनों बेहद करीब आ गए। 2023 में उसने पति और उसकी प्रेमिका की अंतरंग बातें सुनी। पति के लैपटॉप से रिश्ते के सबूत भी मिले। पति के परिवार के दखल के बावजूद यह सब जारी रहा। इसके बाद महिला ने तलाक के लिए अर्जी लगा दी।

याचिका दायर कर पत्नी का कहना है कि उस महिला ने जानबूझकर और दुर्भावनापूर्ण इरादे से उसकी शादी को तोड़ा, इससे मुझे मानसिक और भावनात्मक क्षति हुई। इसलिए याचिका दायर कर हर्जाने की मांग की।

वहीं पति ने कोर्ट में दलील दी कि वह एक स्वतंत्र इंसान है और अपने निजी जीवन के फैसले खुद लेने का अधिकार है। हर वयस्क व्यक्ति को इसकी आजादी होती है कि वह किससे रिश्ता रखे या किससे दोस्ती करे, जब तक वह कानूनन अपराध न हो। पति की कथित प्रेमिका ने दलील दी कि उसका उस शादी से कोई लेना-देना नहीं है, इसलिए पत्नी के प्रति उसकी कोई कानूनी जिम्मेदारी नहीं बनती। इसपर जस्टिस कौरव ने न केवल याचिका को स्वीकार किया, बल्कि पति और उसकी कथित प्रेमिका दोनों को नोटिस भी भेजने का निर्देश दिया।

देव नदी के कटाव क्षेत्र में बसे महेश को घर के लिये पट्टा देने के निर्देश

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनी 111 आवेदकों की समस्या

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।
प्रत्येक मंगलवार को होने वाली जनसुनवाई की कड़ी में 28 अक्टूबर को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। कलेक्टर मृणाल मीना की अध्यक्षता में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ, अपर कलेक्टर डीपी बर्मन, संयुक्त कलेक्टर राहुल नायक, एसडीएम गोपाल सोनी ने अन्य विभागों के अधिकारियों के साथ आवेदकों की समस्याओं को सुना और संबंधित विभाग को उनका निराकरण करने के निर्देश दिये। जनसुनवाई में 111 आवेदक अपनी समस्या लेकर आए थे।

जनसुनवाई में किरनापुर तहसील के ग्राम रट्टापायली का निवासी महेश भोण्डेकर प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ एवं भूमि आवंटन एवं पट्टा दिलाने की मांग लेकर आया था। महेश का कहना था कि वार्ड नं. 14 रट्टापायली ग्राम पंचायत बुढ़ी का निवासी है। महेश ने बताया कि उसका स्वयं का रहवासी मकान देव नदी के किनारे बसा हुआ है, जो प्रतिवर्ष बाढ़ के कारण हुई भूमि कटाव की वजह से नदी से करीब 20 फूट की दूरी पर रह गया है। उसने बताया कि आने वाले समय में बाढ़ की चपेट से उसका परिवार किसी घटना-दुर्घटना का शिकार हो सकता है। इस प्रकरण में किरनापुर जनपद सीईओ को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए।

नगरीय क्षेत्र बालाघाट के वार्ड नं. 03 की मोहनी हदगैया शिकायत लेकर आयी थी कि वह नगर पालिका में सफाई कर्मचारी के पद पर कार्यरत थी और 31 जुलाई 2025 को सेवानिवृत्त हो गई है। उसे सेवानिवृत्त होने के उपरांत मिलने वाली राशि का भुगतान अब तक नही किया गया है। इस पर मुख्य नगर पालिका अधिकारी बालाघाट को कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए। कटंगी तहसील के ग्राम आगरवाड़ा निवासी युवक नुरेंद्र देशमुख शिकायत लेकर आया था कि उसके द्वारा मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना के अंतर्गत इलेक्ट्रानिक्स व्यवसाय के लिए जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र में 05 लाख रुपए के ऋण का आवेदन प्रस्तुत किया गया था। उसका प्रकरण स्वीकृत होकर इंडियन बैंक जरामोहगांव को भिजवाया गया था, लेकिन 01 माह होने के बाद भी उसे अब तक ऋण राशि प्रदान नही की गई है। बैंक द्वारा ऋण राशि देने में टालमटोल किया जा रहा है, इसके कारण वह अपना व्यवसाय प्रारंभ नही कर पा रहा है। अतः उसे शीघ्र ऋण दिलाया जाए। इस प्रकरण में अग्रणी बैंक प्रबंधक को प्रकरण की जांच कर कार्यवाही करने कहा गया है।

लालबर्रा तहसील के ग्राम टेकाड़ी की निवासी कु.प्रीति कुराहा शिकायत लेकर आयी थी कि ग्राम टेकाड़ी के आंगनवाड़ी केंद्र क्रमांक

01 में कार्यकर्ता के लिए जारी चयन सूची में उसका नाम मेरिट के आधार पर प्रथम स्थान पर है। लेकिन उसे अब तक नियुक्ति प्रदान नही की गई है और न ही उसे कोई सूचना दी गई है। जबकि अन्य ग्रामों में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की नियुक्ति प्रदान की जा चुकी है। अतः उसे शीघ्र आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के पद पर नियुक्ति दी जाए। इस प्रकरण में महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी को कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

जनसुनवाई में वारासिवनी तहसील के अंतर्गत शासकीय माध्यमिक शाला टुईयापार के विद्यार्थी अपने पालकों के साथ शिकायत लेकर आए थे कि उनकी शाला में पदस्थ शिक्षक रामेंद्र राहंगडाले बच्चों को ठीक से पढ़ाते नही है और समय पर स्कूल भी नही आते है। अतः शिक्षक रामेंद्र राहंगडाले को उनकी शाला से हटाया जाए। इस पर कलेक्टर श्री मीना ने सर्व शिक्षा अभियान के जिला परियोजना समनव्यक को मौके पर जाकर जांच करने एवं आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए है। रिपुदमन नर्सिंग कॉलेज हुडकीटोला बुदबुदा की छात्रा शिकायत लेकर आयी थी कि वर्ष 2020-21 की छात्रवृत्ति की राशि उन्हें अब तक प्राप्त नही हुई है। इस पर सहायक संचालक पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग को प्रकरण की जांच कर कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

वारासिवनी तहसील के ग्राम दीनी का कृषक तेजलाल मर्सकोले स्थायी बिजली कनेक्शन, कुआँ या नलकूप खनन के लिए मदद करने की मांग लेकर आया था। तेजलाल का कहना था कि वर्ष 2018 में शासन की योजना के अंतर्गत उनके खेत में बिजली पहुंच गई है, लेकिन उनका कनेक्शन अस्थायी है। जिसके कारण उन्हें हर माह अधिक राशि देनी पड़ती है। अतः उनके खेत में स्थायी बिजली कनेक्शन दिलाया जाए। इस पर कलेक्टर श्री मीना ने विद्युत मंडल के अधीक्षण यंत्री को निर्देशित किया कि कृषक तेजलाल मर्सकोले के खेत में सोलर पंप लगवाने की व्यवस्था की जाए।

जनसुनवाई में किरनापुर विकासखंड के अंतर्गत ग्राम पंचायत मोहगांवकला के सरपंच शिकायत लेकर आए थे कि उनके गांव में स्थित प्राथमिक एवं माध्यमिक शाला के कक्ष तथा किचन शेड जीर्णशीर्ण अवस्था में है। जिनके कारण स्कूल एवं किचन शेड में कभी भी दुर्घटना हो सकती है। अतः उनके गांव के इन भवनों के स्थान पर नए भवन स्वीकृत किये जाए। सरपंच द्वारा शिकायत की गई कि गांव के माध्यमिक शाला में अतिरिक्त कक्ष निर्माण के लिए 08 लाख 82 हजार रुपए स्वीकृत किये गए थे, यह कार्य 30 माह से अधिक समय से पूर्ण कर लिया गया है, लेकिन ग्राम पंचायत को अब तक 07 लाख 49 हजार रुपए की राशि ही मिली है। इस राशि के नही मिलने से मजदूरी एवं सामग्री का भुगतान बकाया है। अतः शेष राशि उन्हें शीघ्र दिलायी जाए। इस पर सर्व शिक्षा अभियान के जिला परियोजना समन्वयक को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

जनसुनवाई में शिवधाम मोहल्ला वारासिवनी की सिंधु बाई रावत लाडली बहना योजना की राशि नही मिलने एवं किरनापुर तहसील के ग्राम पाथरी की संतकला खेड़कर 02 सितम्बर 2024 को सांप के काटने से पति दीपक खेड़कर की मृत्यु हो जाने पर अब तक शासन से राशि नही मिलने की शिकायत लेकर आयी थी। बिरसा तहसील के ग्राम देवरी मेटा के किसान माहू कीट से फसल क्षति होने पर क्षति का सर्वे कर मुआवजा दिलाने की मांग लेकर आए थे।

गोरेघाट के पंचायत भवन में घुसकर रोजगार सहायक से मारपीट

फौजी बेटे और पिता सहित एक अन्य पर अपराध पंजीबद्ध

पद्मेश न्यूज। कटंगी। बालाघाट जिले की जनपद पंचायत कटंगी की ग्राम पंचायत गोरेघाट के रोजगार सहायक के साथ मारपीट की घटना सामने आई है. यह घटना सोमवार की सुबह 11 बजकर 40 मिनट की है जो पंचायत भवन में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है. सीसीटीवी फुटेज में देखा जा रहा है कि रोजगार सहायक से मारपीट की जा रही है. गांव के ही तीन लोगों पर मारपीट करने का आरोप है. जिन पर यह आरोप लगा है उसमें एक फौजी, फौजी के पिता और उनका एक रिश्तेदार शामिल है. पीड़ित रोजगार सहायक कमलेश पिता गुलाबचंद सोनगढ़े ने रात्रि में 09 बजे के बाद रोजगार सहायक संघ ब्लॉक अध्यक्ष आशीष वासनिक और अपने कुछ साथियों के साथ तिरोड़ी थाने पहुंचकर अपने साथ हुई मारपीट और शासकीय कार्य में दखल देने की शिकायत दर्ज करवाई है।

पुलिस ने आरोपी मंगल टांडेकर, बंसत टांडेकर और बलेन्द्र के खिलाफ अपराध दर्ज कर भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 132, 121 (1), 296, 115 (2), 351 (3), 3 (5) की कार्रवाई की है. आरोपियों में शामिल बसंत टांडेकर फौज में है. रोजगार सहायक ने पुलिस को बताया कि आरोपियों ने खाद्यान्न पात्रता पर्ची से नाम विलोपित होने पर उसके साथ मारपीट की है. आरोपी मंगल ने पंचायत भवन में आकर विवाद की शुरुआत की और फिर अपने बेटे बसंत और बलेन्द्र को बुलाकर सभी ने मिलकर मारपीट की. रोजगार सहायक ने बताया कि बसंत शासकीय सेवा यानी फौज में तैनात है जिस कारण उनके परिवार को शासन के नियमानुसार सरकारी अनाज मिलना बंद हो गया है. मगर, यह लोग रोजगार सहायक को इसका दोषी मानकर मारपीट कर रहे है। मंगल, बसंत टांडेकर और बलेन्द्र के खिलाफ अपराध दर्ज होने के बाद बसंत टांडेकर की तरफ से भी थाने में रोजगार सहायक के खिलाफ जातिसूचक शब्दों से गाली-गलौज करने और मारपीट करने की शिकायत दर्ज करवाई गई है।

पुलिस ने शिकायत मिलते ही रोजगार सहायक के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता 296, 351 (3) और अनुसूचित जाति, जनजाति अधिनियम की धारा 3 (1), द 3, (1) घ, 3 (2), (वी-9) के तहत अपराध दर्ज किया है. पुलिस की यह कार्रवाई संदेहास्पद यानी दबाव में की गई कार्रवाई प्रतीत होती है. चूंकि रोजगार सहायक की शिकायत पर एफआईआर के बाद मंगल और बसंत थाने पहुंचे और फिर शिकायत दर्ज करवाई. पुलिस ने बिना किसी देरी किए अपराध पंजीबद्ध कर दिया. इस पूरे मामले को लेकर जब थाना प्रभारी कौशल कुमार सूर्या से दूरभाष पर चर्चा की गई तो उन्होंने बताया कि रोजगार सहायक ने पूर्व में भी मंगल से मारपीट कर जातिसूचक गाली-गलौज की थी लेकिन पूर्व की शिकायत दर्ज नहीं कराई गई. सोमवार को मंगल की तरफ से शिकायत प्राप्त हुई कि उसके साथ चौक में मारपीट और गाली-गलौज हुई है. पीड़ित की शिकायत पर अपराध दर्ज किया गया है।

बताना जरूरी है कि कमलेश सोनगढ़े का अभी दो माह पूर्व ही ग्राम पंचायत गोरेघाट में तबादला हुआ है. इस पूरी घटना के बाद रोजगार सहायक संगठन में आक्रोश दिखाई दे रहा है ब्लॉक अध्यक्ष आशीष वासनिक का कहना है कि पंचायत कर्मचारी होने के नाते जीआरएस शासन की योजनाओं पर कार्य करता है बावजूद इसके उनके साथ पंचायत के भीतर घुसकर मारपीट करना अनुचित है. उन्होंने आरोपियों पर कठोर कार्रवाई की मांग की गई है. आशीष वासनिक ने बताया कि बीते दिनों शासन ने एक आदेश जारी किया गया है जिसके अनुसार यह तय किया गया है कि शासकीय सेवाओं में तैनात व्यक्ति और आयकरदाता परिवारों को सरकारी अनाज नहीं मिलेगा और उनकी पात्रता पर्ची को रद्द कर दिया गया है. टांडेकर परिवार इसके लिए रोजगार सहायक को दोषी मानकर उसके साथ मारपीट करता है जो अनुचित है. अगर, आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं होती तो आंदोलन किया जाएगा। रोजगार सहायक के साथ हुई मारपीट की घटना के साक्षी पंचायत सचिव युवराज संग्रामे ने बताया कि सोमवार को मंगल, बसंत और बलेन्द्र पंचायत में आए जिन्होंने राशन मिलना बंद हो गया है इसकी जानकारी मांगी तो उन्हें जानकारी दी गई. जिसके बाद बसंत रोजगार सहायक के कमरे में जाकर गाली-गलौज कर धक्का मुक्की करने लगें. जब उसे ऐसा करने से रोका जा रहा था तो वह काफी आक्रोशित होकर उनसे भी धक्का-मुक्की करने लगा।

इनका कहना है

दोनों पक्षों की शिकायत प्राप्त हुई है दोनों की शिकायत पर अपराध दर्ज कर लिया गया है।

कौशल कुमार सूर्या
थाना प्रभारी तिरोड़ी

विद्युत करंट की चपेट में आने से गाय की मौत

पद्मेश न्यूज। लांजी।
क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति की स्थिति लगातार खराब बनी हुई है। हर रोज छोटी-बड़ी बिजली कटौती आम हो गई है। हल्की बारिश या तेज हवा चलते ही सप्लाई बाधित हो जाती है, क्योंकि तार, जंपर या अन्य उपकरण क्षतिग्रस्त हो जाते हैं। इनकी मरम्मत में 2-3 घंटे लग जाते हैं, जिससे सभी विद्युत उपकरण बेकार हो जाते हैं। मानसून पूर्व तैयारियों के नाम पर केवल खानापूर्ति की जाती प्रतीत होती है। इसी लापरवाही का नतीजा एक गाय की करंट लगने से मौत के रूप में सामने आया है।

विद्युत विभाग की लापरवाही से गाय की मौत

28 अक्टूबर को सुबह 9 बजे के लगभग क्षेत्र के कुछ युवाओं को सालेटेकरी रोड़ स्थित टेलीफोन एक्सचेंज ऑफिस के समीप झाड़ियों में से धुआं निकलता दिखाई दिया, जिसे देखने वे झाड़ियों के पास पंहुचे तो देखा कि एक गाय करंट से झुलकर तड़प रही है और बुरी तरह से घायल है, ऐसे में उन युवाओं के द्वारा तत्काल ही विद्युत विभाग लांजी को उक्ताशय की जानकारी दी गई, जिसके बाद विद्युत सप्लाई रोककर गाय को अलग किया गया और युवाओं के द्वारा संबंधित विभाग को सूचना देकर अंतिम संस्कार हेतु प्रयास किया गया।

सर्विस वायर बना घटना का कारण

जानकारी की माने तो टेलीफोन एक्सचेंज की बाउंड्रीवॉल से सटा हुआ सर्विस वायर टूटा हुआ था जिसे बार-बार जोड़कर काम चलाया जा रहा था, इस समस्या से विद्युत विभाग भी अवगत था लेकिन हर बार काम चलाकर सर्विस वायर बदलने का काम टाल दिया गया, ऐसे में सर्विस वायर जिसमें सप्लाई चालू थी वह अर्थिंग से जुड़ा और उसमें विद्युत सप्लाई होने लगी, जिससे गाय उक्त करंट की चपेट में आ गई और उसकी मौत हो गई।

आम ईस्तहार

आम जनता को सूचित किया जाता है कि मैं रतिराम पांचे जाति मरार ग्राम पंचायत पांढरवानी तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट का निवासी हूं। मेरी पत्नि स्व. जयवंता पांचे कि मृत्यु दिनांक २२.१२.१९९५ को हो चुकी है। मेरी पत्नि की मृत्यु के उपरांत मैं रतिराम पांचे व मेरे पुत्र अविनाश, विजय एवं पुत्री अनुसुईया पांचे व मीनाक्षी दांदरे वारसान है।

उपरोक्तानुसार हमें वारसान प्रमाण पत्र ग्राम पंचायत पांढरवानी से जारी किया जाना है।

अत: आम जनता सूचना दर्ज करे।

प्रकाशक
रतिराम पांचे
निवासी - ग्राम पंचायत पांढरवानी ला.
तहसील - लालबर्रा
जिला - बालाघाट

महज 600 रु पेंशन में नहीं होता गुजारा!!

दिव्यांग, विधवा और वृद्धो की बढ़ाई जाए पेंशन, चालान काटने के साथ-साथ हेलमेट भी प्रदान करें पुलिस प्रशासन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। एक ओर प्रदेश सरकार द्वारा दिव्यांगजनो, वृद्धो और विधवाओं के लिए अलग-अलग योजनाएं चलाकर उनका उत्थान किए जाने का दावा किया जा रहा है तो वहीं दूसरी ओर सरकार वृद्धो, दिव्यांगों और विधवा महिलाओ को मासिक पेंशन देकर उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार किए जाने की बात कह रही है। लेकिन मध्य प्रदेश सरकार द्वारा अलग-अलग योजनाओं के माध्यम से इन्हें महज 600 रु प्रति माह की पेंशन दी जा रही है जिसमें उनका आर्थिक उत्थान होना तो दूर की बात, उनकी गोली दवाई व उनके स्वयं का खर्च भी नहीं निकल पा रहे है जिस पर अपनी आपत्ति जताते हुए युवाओं ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय में एक ज्ञापन सौपकर दिव्यांगजनो, वृद्धो और विधवाओं को मिलने वाली पेंशन को दुगुना किए जाने के साथ साथ लाडली बहना योजना के अनुरूप दिव्यांगजनो, वृद्धो और विधवाओं की पेंशन 3 हजार रु तक बढाए जाने की मांग की है। तो वहीं उन्होंने नगर की लड़खड़ाई हुई यातायात व्यवस्था को सुधारने और लोगों को यातायात नियमों का पाठ प ?ाने के लिए पुलिस प्रशासन द्वारा रोजाना की गई कार्यवाही को उचित कार्यवाही ठहराते हुए,इसमे भी सुधार किए जाने की मांग की है।जिंसमे उन्होंने हेलमेट न पहनने वालों से

हजार रुपए का चालान वसूल कर, वाहन चालकों को चालान के साथ साथ हेलमेट भी दिए जाने की गुहार लगाई है।

दिव्यांगों के साथ छलावा कर रही सरकार- छात्र

उक्त मांग को लेकर कलेक्ट्रेट पहुंचे छात्र नेता ऋषभ सहारे और शुभम बंसोड़ सहित अन्य में संयुक्त रूप से बताया कि मध्य प्रदेश सरकार द्वारा लाडली बहना योजना के तहत महिलाओं को 1200 की आर्थिक सहायता दी जा रही है, इसमें हमें कोई आपत्ति नहीं है लेकिन दिव्यांगो, विधवाओ और वृद्धो को महज 600 रु पेंशन देकर सरकार उनके साथ छलावा कर रही है, जो कि गलत है। सरकार ने पेंशन की इस राशि को बढ़ाकर लाडली बहना योजना के अनुरूप करना चाहिए। ताकि दिव्यांगों बुजुर्गों और विधवाओं को इससे राहत मिल सके और उनकी आर्थिक तंगी दूर हो सके।क्योंकि वर्तमान समय में सरकार द्वारा जो 600 रु की पेंशन दी जा रही है, उसमे उनका बिजली बिल तक नहीं निकल पा रहा है, वही दवाइयां का खर्च पेंशन से कहीं अधिक महंगा है।इसीलिए इस पेंशन को बढ़ाना चाहिए जिसकी मांग बालाघाट जिले से उठ रही है। इसके अलावा प्रशासन द्वारा हैलमेंट नहीं पहनने पर वाहन चालकों पर कार्यवाही की जा रही है हमारी मांग है कि उनसे हजार रुपए का चालान वसूला जाए और साथ में उन्हें हेलमेट भी दिया जाए ताकि लोग हैलमेंट अनिवार्य नियम का पालन कर सके।

कार्यालय प्राचार्य, शासकीय एस.एस.पी. महाविद्यालय वारासिवनी, जिला-बालाघाट (म.प्र.)

निविदा सूचना

क्रमांक/1853/2025-26 वारासिवनी दिनांक 27/10/2025-26

महाविद्यालय में अध्ययनरत अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों को नि:शुल्क स्टेशनरी वितरित किये जाने के m.p. tender लिए के माध्यम से क्रय किया जाना है। इस हेतू खुली निविदा आमंत्रित की जाती है-

स. क्रं.	निविदा क्रमांक	विवरण	Pre Bid Date	निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	निविदा खोलने का दिनांक
1	[2025_HED_457193_1]	लांग रजिस्टर, बैग, पेन, स्टैप्लर, मिल्टन बॉटल, केलकुलेटर, हाई लाईटर	16-Oct-2025	19-Nov-2025	20-Nov-2025

उपरोक्त निविदा के नियम/शर्तों के विवरण https://mptenders.gov.in से डाउनलोड किये जा सकते है। निविदा में कोई भी संशोधन m.p. portal पर अपलोड किया जोगा, उसका पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं कराया जावेगा।

प्राचार्य
शा.महा. वारासिवनी

जमीने बिकाऊ है
सागौन प्लांटेशन
ढूटी रोड, लामता
जिला बालाघाट
- 3 एकड़ जमीन 800 पेड़ सहित सिंचाई विभाग से बिजली ऑफिस तक
- 2.5 एकड़ जमीन 600 पेड़ सहित सिचाई विभाग के सामने

संपर्क सूत्र
9412372530, 7974875239
9219659012, 9557122204

आवश्यकता है
- मैनेजर - 01 पद
- साफ-सफाई कर्मचारी-01 पद
- रूम सर्विस - 01 पद

(DAY/NIGHT DUTY)
(PART-TIME/FULL TIME)
सैलरी-योग्यतानुसार
होटल गौरव
मेन रोड, कालीपुतली चौक के पास बालाघाट
संपर्क-+91-9425138713
881-992-4499
(10:00AM - 05:00 PM)

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

राजनीतिक दल हर बूथ पर बीएलए नियुक्त करें

मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण को लेकर राजनीतिक दलों को दी जानकारी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।
भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार देश के 12 राज्यों में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का कार्यक्रम निर्धारित किया गया है। इसमें मध्यप्रदेश राज्य भी शामिल है। बालाघाट जिले में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम की जानकारी देने के लिए 28 अक्टूबर को कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री मृणाल मीना की अध्यक्षता में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों एवं मीडिया प्रतिनिधियों की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी जीएस धुर्वे, विधानसभा स्तर के मास्टर ट्रेनर आलोक मिश्रा भी उपस्थित थे।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री मीना ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों एवं मीडिया प्रतिनिधियों से कहा कि मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण कार्य में सहयोग प्रदान करे और जनता को इसके प्रति जागरूक करें, जिससे जिले की पुनरीक्षित मतदाता सूची त्रुटि रहित तैयार हो सके। सभी राजनीतिक दलों से कहा गया कि वे प्रत्येक मतदान केंद्र पर अपने बीएलए (बूथ लेवल एजेंट) शीघ्र नियुक्त करें।

बैठक में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों एवं मीडिया प्रतिनिधियों को बताया गया कि मतदाता सूची का गहन पुनरीक्षण 01 जनवरी 2026 की स्थिति में किया जाएगा। 01 जनवरी 2025 की पुनरीक्षित मतदाता सूची में एवं वर्ष 2003 की मतदाता सूची में जिनके नाम शामिल है, उन्हें मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण एसआईआर के दौरान कोई दस्तावेज नही देना है। 2025 की पुनरीक्षित मतदाता सूची में शामिल ऐसे मतदाता जिनके नाम 2003 की मतदाता सूची में शामिल नही है, लेकिन उनके माता पिता के नाम 2003 की सूची में शामिल है तो उन्हें भी मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण एसआईआर के दौरान कोई दस्तावेज नही देना है।

ऐसे मतदाता जिनके नाम 2025 की मतदाता सूची में शामिल है लेकिन 2003 की मतदाता सूची में शामिल नही है, और उनके माता पिता के नाम भी 2003 की सूची में शामिल नही है तो ऐसे लोगो को मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के दौरान केंद्रीय, राज्य सरकार या सार्वजनिक उपक्रम द्वारा जारी कर्मचारी या पेंशनर पहचान पत्र या पेंशन भुगतान आदेश, भारत में किसी सरकारी, स्थानीय निकाय, बैंक, डाकघर, एलआईसी या सार्वजनिक उपक्रम द्वारा 01 जुलाई 1987 से पूर्व जारी कोई पहचान पत्र, प्रमाण पत्र या दस्तावेज, सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी जन्म प्रमाण पत्र, पासपोर्ट, किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड या विश्वविद्यालय द्वारा जारी मेट्रिक या शैक्षणिक प्रमाण पत्र, सक्षम राज्य प्राधिकारी द्वारा जारी स्थायी निवास प्रमाण पत्र, वन अधिकार प्रमाण पत्र, ओबीसी, एससी, एसटी या अन्य जाति प्रमाण पत्र, राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर, राज्य या स्थानीय निकाय द्वारा तैयार पारिवारिक रजिस्टर या सरकार द्वारा जारी भूमि या मकान आवंटन प्रमाण मे से कोई एक दस्तावेज प्रस्तुत करना होगा।

बैठक में बताया गया कि मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के लिए ऐसे मतदाताओं के नाम चिन्हित कर लिये गए है, जिनके नाम 2025 और 2003 की मतदाता सूची में शामिल है और जिनके नाम 2025 की सूची में है लेकिन 2003 की सूची में नही है। यह सूची तैयार कर आयोग को भेज दी गई है। मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के लिए 28 अक्टूबर से 03 नवम्बर तक बीएलओ एवं बीएलए के प्रशिक्षण का कार्य किया जाएगा। इसके पश्चात 04 नवम्बर से 04 दिसम्बर तक घर-घर जाकर सर्वे का कार्य किया जाएगा और 09 दिसम्बर को प्रारूप मतदाता सूची का सभी मतदान केंद्रो पर प्रकाशन किया जाएगा। मतदाता सूची में नाम शामिल करने, मृत या पलायन कर चुके लोगो के नाम हटाने तथा नाम संसोधन के संबंध में दावें आपत्ति प्राप्त करने का कार्य 09 दिसम्बर से 08 जनवरी 2026 तक किया जाएगा। 09 दिसम्बर से 31 जनवरी 2026 तक नोटिस एवं दावों आपत्ति की सुनवाई का कार्य किया जाएगा। इसके पश्चात 07 फरवरी 2026 को अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा।

बैठक में सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से कहा गया कि मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण मे सहयोग के लिए वे प्रत्येक मतदान केंद्र पर अपने बीएलए नियुक्त करें। आवश्यक होने पर जिला निर्वाचन कार्यालय द्वारा बीएलए को प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। बैठक में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के श्री शफकत खान, बहुजन समाज पार्टी के दुर्गेश बिसेन, आम आदमी पार्टी के रजनीश नायडू, मस्तराम डहारे, अनिल कुमार ब्रम्हे, सीपीआईएम के वायआर कुरैशी, भारतीय जनता पार्टी के संजय अग्निहोत्री एवं मीडिया प्रतिनिधि उपस्थित थे।

धूमधाम से आस्थापूर्वक मनाई भगवान सहस्त्रबाहु की जयंती

हवन-पूजन व दीपदान कर वितरण किया महाप्रसाद

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।
कलार समाज द्वारा प्रति वर्षानुसार इस वर्ष भी कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि को अपने आराध्य भगवान सहस्त्रबाहु की जयंती 28 अक्टूबर को शहर मुख्यालय सहित पूरे जिले भर में धूमधाम से हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। शहर के वार्ड नंबर 33 गायखुरी में वैनगंगा नदी तट पर स्थित राज राजेश्वर भगवान सहस्त्रबाहु मंदिर में मंदिर समिति वार्ड नंबर 33 गायखुरी द्वारा भगवान सहस्त्रबाहु की जयंती धूमधाम से हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर दोपहर 12 बजे से रंगोली प्रतियोगिता व 2 बजे से पूजा अर्चना एवं हवन पूजन किया गया। शाम 4 बजे वैनगंगा नदी में दीपदान कर महाप्रसाद का वितरण किया गया। रांगोली प्रतियोगिता में युवतियों व महिलाओं द्वारा भाग लेकर एक से बढ़कर रांगोली उकेरी गई। जिसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत भी किया गया। इस अवसर पर आयोजन समिति के पदाधिकारियों व भगवान सहस्त्रबाहु मंदिर समिति के पदाधिकारियों व कार्यकर्ता सहित बड़ी संख्या में स्वजातीयजन उपस्थित रहे।

टुईयापार के माध्यमिक शाला से शिक्षक को हटाया नहीं तो शाला त्यागेंगे छात्र

टुईयापार स्कूल में पढ़ाई ठप्प, छात्रों और अभिभावकों ने की कलेक्टर से शिकायत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।
वारासिवनी क्षेत्र के ग्राम टुईयापार के लगभग दो दर्जन से अधिक छात्र और उनके परिजन जनसुनवाई में कलेक्टर कार्यालय पहुंचे। यहां उन्होंने स्कूल के एक अध्यापक की शिकायत की और बताया कि बीते कई वर्षों से स्कूल में पदस्थ शिक्षक बच्चों को कक्षा में जाकर पढ़ाता नहीं है। बल्कि उन्हें स्वयं ही पढ़ने को कहता है जिस कारण बच्चों का शिक्षण कार्य प्रभावित हो रहा है। इसी मांग को लेकर स्कूली बच्चे और उनके माता-पिता मुख्यालय पहुंचे और उन्होंने स्कूल से शिक्षक को हटाए जाने की मांग की हैं।

28 अक्टूबर को वारासिवनी तहसील के अंतर्गत शासकीय माध्यमिक शाला टुईयापार के विद्यार्थी अपने माता-पिता के साथ जनसुनवाई में शिकायत लेकर पहुंचे। उनका आरोप है कि स्कूल में पदस्थ शिक्षक डामेन्द्र राहगंडाले बच्चों को कक्षा में पढ़ाने का काम ठीक से नहीं कर रहे हैं और समय पर स्कूल भी नहीं आते। इस कारण बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है और उनका भविष्य खतरे में है। छात्र प्रणय और छात्रा विधि कटरे, तथा उनके परिजन जवाहर खंडाते ने बताया कि शिक्षक डामेन्द्र राहगंडाले अक्सर स्कूल में अनुपस्थित रहते हैं। जब स्कूल आते भी हैं ,तो केवल 2-3 दिन की अनुपस्थिति का आवेदन देकर चले जाते हैं और बाद में आकर पूरे दिन की हाजिरी भर लेते हैं। यह स्थिति शिक्षक पिछले लगभग 10 वर्षों से बनाए हुए हैं। उन्होंने आगे बताया कि इस तरह की शिकायत पहले भी दर्ज कराई गई थी। पहले बी.आर.सी. के निर्देश पर शिक्षक को दूसरी स्कूल में स्थानांतरित किया गया था। लेकिन इस सत्र में वह वापस विद्यालय में आने लगे और अब तक उनमें कोई सुधार नहीं हुआ। शिक्षक ने कभी भी बच्चों को कक्षा में जाकर पढ़ाई नहीं करवाई। विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों ने यह भी कहा कि उन्होंने सी.एम. हेल्पलाइन और चाइल्ड हेल्पलाइन के माध्यम से भी शिकायत दर्ज कराई, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। उनका आरोप है कि शिक्षक का यह रवैया उनकी राजनीतिक पकड़ के कारण संभव हो रहा है। बताया गया कि शिक्षक की पत्नी ग्राम सरपंच के साथ भाजपा मंडल अध्यक्ष भी हैं। छात्र और अभिभावकों ने चेतावनी दी कि अगर शिक्षक डामेन्द्र राहगंडाले के स्थान पर किसी और योग्य शिक्षक की नियुक्ति नहीं की गई, तो वे स्कूल जाना बंद कर देंगे। उनका कहना है कि बच्चों की पढ़ाई बाधित होने की पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। इस मामले ने स्कूल और स्थानीय प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि इस तरह के शिक्षक की उपस्थिति और पढ़ाई पर ध्यान न देने से बच्चों का भविष्य प्रभावित हो रहा है। छात्र और अभिभावक प्रशासन से शीघ्र कड़ा कदम उठाने की मांग कर रहे हैं।

पत्नि से विवाद के बाद दामाद ने की ससुर की हत्या

गला पकड़कर सीमेंट सड़क में पटका, ससुर की हुई मौत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। रूपझर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली उकवा पुलिस चौकी के ग्राम नारंगी में एक दामाद द्वारा अपने ही ससुर की निर्ममता से हत्या किए जाने का एक मामला सामने आया है।जहा किसी बात को लेकर पत्नी से हुए विवाद के बाद दामाद ने पहले बैल बांधने वाले खूटे से ससुर की बेरहमी से पिटाई कर दी। जिसके बाद उसका गला पकड़कर उसे सीमेंट रोड पर पटक दिया।जिससे ससुर की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद से आरोपी दामाद फरार हो गया था, जिसे मंगलवार को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उधर मृतक ससुर के शव का जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम कराकर अंतिम संस्कार के लिए शव उनके परिजनों के सुपुर्द किया गया है, तो वही मामले की जांच रूपझर पुलिस द्वारा शुरू कर दी गई है।

पत्नी की जानकारी नही देने पर पहले की मारपीट, फिर उठाकर पटक दिया

प्राप्त जानकारी के अनुसार मलाजखंड थाना क्षेत्र के ग्राम देवरी निवासी संजू राउत ने, 73 वर्षीय झाडूलाल उईके की तीसरी बेटी, मनीषा के साथ प्रेम विवाह किया था। जिसके बाद से वह ससुराल गांव में रहने लगा था।बीते 25 अक्टूबर को नारंगी में मंडई थी।इसी दिन संजू का अपनी पत्नी मनीषा से किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। जिसके बाद मनीषा, पति का घर छोड़कर, अन्य गांव चली गई थी।बताया गया कि सोमवार 27 अक्टूबर की शाम, जब संजू, उसे ढूंढते हुए ससुराल की ओर आ रहा था। इस दौरान ही उसे रास्ते में ससुर झाडुलाल मिला। जिससे, संजू ने पत्नी और सास के बारे में पूछा, लेकिन झाडुलाल के कोई जवाब नहीं दिया। जिससे नाराज संजू ने एक घर के सामने, बैल बांधने के गड़ा हुआ खूटा उखाड़कर, ससुर झाडुलाल पर हमला किया। जिसे देखकर, पड़ोसी दौड़े और दामाद की पिटाई से घायल हुए झाडुलाल को पानी पिलाया।जिसके बाद झाडुलाल थोड़ा होश में आया। जिसे देखकर संजू, झाडुलाल को जान से मारने की नियत से, उसका गला पकड़कर, उसे सीमेंट रोड पर पटक दिया। जिससे झाडुलाल की मौके पर ही मौत हो गई।जिसके तुरन्त बाद दामाद घटना स्थल से फरार हो था।

मामले की जांच में जुटी पुलिस

उधर घटना की जानकारी के बाद रूपझर थाना प्रभारी जी.डी. पटले, उकवा चौकी प्रभारी आकाश शर्मा, हमराह स्टॉफ के साथ, घटनास्थल पहुंचे और शव बरामद किया। मामले में शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपी दामाद संजू पिता राजेन्द्र राऊत 37 वर्ष ग्राम देवरी, थाना मलाजखंड, हाल मुकाम वार्ड नं 17 नारंगी के खिलाफ, ससुर की हत्या किए जाने पर धारा 103(1),और धारा 238 के तहत मामला दर्ज कर जांच में लिया है।

पीएम के बाद सौंपा गया शव

उधर शव को बरामदकर पुलिस ने परिजनों के बयान दर्ज किए, तो वही पोस्टमार्टम के लिए शव को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां मंगलवार को मृतक झाडुलाल का पीएम, जिला अस्पताल में कराकर, अंतिम संस्कार के लिए शव परिजनों के सुपुर्द किया है।तो वही मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

मामले की जांच जारी है- शर्मा

मामले को लेकर दूरभाष पर की गई चर्चा के दौरान उकवा चौकी प्रभारी आकाश शर्मा ने बताया कि मामले में दामाद के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर जांच में लिया गया है। मामले की जांच जारी है।

नाबालिग युवती के अपहरण और दुष्कर्म करने के मामले में

दो आरोपी को 20 वर्ष की कठोर कारावास

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।
लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम के विद्वान विशेष न्यायाधीश गौतम सिह मरकाम की अदालत ने एक नाबालिक का अपहरण और दुष्कर्म करने के मामले दो आरोपी को 20 वर्ष की सश्रम कारावास की सजा सुनाई। दोनों आरोपी दुर्गेश्वर उर्फ दुर्गेश पिता ईश्वरी सुलाखे 19 वर्ष और धर्मेंद्र उर्फ चिंटू पिता दीपक नगपुरे 28 वर्ष दोनों ग्राम सिवनी कला थाना किरनापुर निवासी है। विद्वान अदालत ने दोनों आरोपी को 20 वर्ष की सश्रम कारावास के अलावा प्रत्येक को पांच-पांच हजार रुपये अर्थदंड से भी दंडित किये है। इस मामले की पहली जिला अभियोजन अधिकारी कपिल कुमार डहेरिया के मार्गदर्शन में विशेष लोक अभियोजक श्रीमती आरती कपले द्वारा की गई थी।

अभियोजन के अनुसार यह नाबालिक लड़की अपने परिवार के साथ रहकर मजदूरी करती थी। 2 फरवरी 2023 को सुबह 10:00 बजे यह लड़की अपने ग्राम के टोले में भवन निर्माण में काम करने गई थी। तभी दुर्गेश और धर्मेंद्र दोनों मोटरसाइकिल से आए और इस लड़की को खींचते हुए मोटरसाइकिल में बैठाल कर बांध तरफ ले गए और दुर्गेश ने इस लड़की को गालियां देकर उसे जान से मार डालने की धमकी देकर उसके साथ दुष्कर्म किया था। इस मामले में किरनापुर पुलिस थाने में अभियुक्त दुर्गेश और धर्मेंद्र के विरुद्ध धारा 363,294,506,34,376,376 (2)(एन) भादवि और धारा 5(एल)/6 लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम के तहत अपराध दर्ज किया था और इस अपराध में दोनों आरोपी को गिरफ्तार करने के बाद विवेचना उपरांत अभियोग पत्र विद्वान अदालत में पेश किया गया था। लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम के विशेष न्यायाधीश गौतम सिंह मरकाम की अदालत में चलते इस मामले में अभियोजन पक्ष दोनों आरोपी के विरुद्ध आरोपित अपराध सिद्ध करने में सफल रहा। जिसके परिणाम स्वरुप विद्वान अदालत ने मामले की समस्त परिस्थितियों को देखते हुए और अभियोजन पक्ष द्वारा दिए गए तर्कों से सहमत होकर अपनी विवेचना निष्कर्ष और उपलब्ध साक्ष्य के आधार पर आरोपी दुर्गेश्वर उर्फ दुर्गेश सुलाखे धारा 366 भादवि के तहत अपराध में 7 वर्ष की कठोर कारावास और 2हजार रुपये अर्थदंड, धारा 5(एल)/6 लैंगिक अपराधों से बालकों संरक्षण अधिनियम 2012 और धारा 376 (2)(एन) के तहत अपराध में 20 वर्ष की कठोर कारावास और 3हजार रुपये अर्थदंड से दंडित किये। आरोपी धर्मेंद्र उर्फ चिंटू नगपुरे को धारा 366 भादवि के तहत अपराध में 7 वर्ष की कठोर कारावास और 2हजार रुपये अर्थ दंड, धारा 17 लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम 2012 के तहत अपराध में 20 वर्ष की कठोर कारावास और 3हजार रुपये अर्थदंड से दंडित किये।

सर्राटी नदी को कूड़ा-कचरा घर बनाया, पानी हुआ प्रदूषित!!

ग्रामीण एवं राहगीरों ने नदी में कुड़ा-कचरा फेंकने वालों पर कार्यवाही करने की मांग की

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत मानपुर के समीप से सर्राटी नदी गुजरी है और नदी से पानी बहते हुए वैनगंगा नदी में जाकर मिलती है। साथ ही नदी किनारे निवासरत लोगों के घरों में बने कुओं का जल स्तर भी इसी नदी के बनी के कारण बना हुआ है और ग्रामीणजन भी इस पानी का उपयोग करते है परन्तु बालाघाट रोड़ मानपुर स्थित सर्राटी नदी पुल के ऊपर से लालबर्रा, मानपुर के व्यापारियों के द्वारा दुकानों का कूड़ा-कचरा फेंका जा रहा है जिससे गंदगी हो रही है। साथ ही सर्राटी नदी का जल दूषित होने के साथ ही वातावरण भी प्रदूषित हो रहा है। वहीं पुल के नीचे फेंके जा रहे कुडा-कचरा भी हवा चलने पर उडकर सड़क में आ जाते है जिससे आने-जाने वालों को भी खासा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस तरह से सर्राटी नदी नगर का कचरा घर बन चुका है तभी तो दुकानदार दुकानों एवं ग्रामीणजन घरों का कुड़ा-कचरा एवं पॉलीथिन नदी में फेंक रहे। लेकिन प्रशासन के द्वारा इस ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिसके कारण प्रदूषण बढ़ रहा है जो पर्यावरण के लिए खतरा साबित हो सकता है। वहीं पुल के नीचे नदी में गंदगी होने से सभी को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसलिए जागरूक नागरिक एवं राहगीरों ने शासन-प्रशासन से सर्राटी नदी पुल के नीचे फेंके जा रहे कुड़ा-कचरा, पॉलीथिन पर प्रतिबंध लगाकर फेंकने वालों पर कड़ी कार्यवाही करने की मांग की है ताकि स्वच्छता बनी रहे और नदी का पानी दूषित न हो सके।

दुकानदार एवं व्यापारियों ने अपील नदी में न फेंके कचरा

आपकों बता दे कि लालबर्रा मुख्यालय से लगभग ८ किमी. दूर ग्राम पंचायत टेकाड़ी ला. स्थित सर्राटी जलाशय से निकली सर्राटी नदी मानपुर सहित दर्जनों ग्रामों के बीच से गुजरते हुए वैनगंगा नदी में मिलती है परन्तु सर्राटी नदी में दुकानदार व ग्रामीणजन कुड़ा-कचरा, पॉलीथिन फेंककर गंदगी कर रहे है।इसी तरह नगर मुख्यालय की ग्राम पंचायत मानपुर के समीप सर्राटी नदी में व्यापारी व दुकानदार अपने दुकानों का कुड़ा-कचरा, पॉलीथिन को रात्रि के समय एवं सुबह फेंक कर गंदगी कर रहे है। जिससे सर्राटी नदी का पानी दुषित हो रहा है। साथ ही जगह-जगह गंदगी होने से लोगों को परेशानियों का भी सामना करना पड़ता है। लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। जबकि सरकार के द्वारा स्वच्छता अभियान चलाकर लाखों रूपये खर्च कर लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक कर रही है।बावजूद उसके हाईवे रोड़ स्थित सर्राटी नदी पुल के नीचे कुड़ा-कचरा (पॉलीथिन) का ढेर लगा हुआ है यानि गंदगी का अंबार लगा हुआ है और उक्त स्थान पर कुड़ा-कचरा व पॉलीथन फेकने वाले लोग स्वच्छता अभियान को पलीता लगाते नजर आ रहे है।जबकि इस स्थान से रोजाना जिम्मेदार जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अधिकारी भी आना-जाना करते है। लेकिन उनके द्वारा भी इस समस्या की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। जिसके कारण सर्राटी नदी के पानी के साथ ही कूड़ा कचरा एवं पॉलीथिन भी बह रहा है। जिससे नदी का पानी दुषित हो रहा है और यह पानी विभिन्न ग्रामों से बहते हुए वैनगंगा नदी में मिलती है जिससे वैनगंगा नदी का भी पानी दुषित हो रहा है। जबकि सर्राटी नदी के पानी को मवेशी पीते है एवं ग्रामीणजन भी उपयोग करते है। किन्तु पानी दुषित होने से उनके स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ रहा है इसलिए सर्राटी नदी में कुड़ा-कचरा एवं पॉलीथिन फेंक कर गंदगी करने वालों पर प्रतिबंध लगाकर उन पर सख्त कार्यवाही करने की मांग जागरूक नागरिकों ने शासन-प्रशासन से की है।

नदी में कचरा फेंकने से बढ़ रहा है प्रदूषण - सिलेकर

डीपी सिलेकर ने बताया कि सर्राटी नदी के पुल के ऊपर से दुकानदार एवं कुछ लोग गठ्ठों में भरकर कूड़ा-कचरा एवं पॉलीथिन नदी में फेंकते है जिसके कारण गंदगी होने के साथ ही जल भी दूषित हो रहा है। जबकि सर्राटी नदी का पानी विभिन्न ग्रामों से बहते हुए वैनगंगा नदी में जाकर मिलती है जिसका उपयोग भी ग्रामीणजन करते है, पानी दुषित होने पर मवेशी सहित आमजनों के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ेगा। श्री सिलेकर ने बताया कि यह गंदा पानी वैनगंगा नदी में मिलकर व्यापक स्तर पर जल प्रदूषण फैला रहा है। जबकि सरकार स्वच्छता अभियान चलाकर

लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक कर रही है। लेकिन नगर मुख्यालय के हाईवे रोड़ स्थित मानपुर नदी में गंदगी कर स्वच्छता अभियान को पलीता लगा रहे है लेकिन जिम्मेदार मौन बैठे है। इसलिए पंचायत एवं प्रशासन से मांग है कि नदी में कुड़ा-कचरा फेंककर गंदगी करने वालों पर सख्त कार्यवाही करे एवं लालबर्रा के दुकानदार एवं व्यापारियों से भी अपील है कि नदी में कचरा न फेकें।

कचरा फेंकने वालों पर की जायेगी कार्यवाही - बलराम

मानपुर सरपंच बलराम गौतम ने बताया कि पंचायत के समीप से बहने वाली सर्राटी नदी के पुल के ऊपर से दुकानदार, व्यापारियों के द्वारा दुकानों से निकलने वाले कूड़ा-कचरा, पॉलीथिन को फेंक दिया जाता है। जिससे गंदगी फैल रही है और आमजनों को परेशानी होती है एवं नदी का पानी दूषित भी हो रहा है। श्री गौतम ने बताया कि पूर्व में मुनादी करवाकर व्यापारी, दुकानदारों से अपील भी की गई थी कि नदी में कुड़ा-कचरा एवं पॉलीथिन न फेंके उसके कुछ दिनों बाद पुन: प्रारंभ कर दिये है। जबकि ग्रामीणजन नदी के पानी में कपड़े धोने सहित घरेलु कार्य में उपयोग करते है। पानी के साथ कूड़ा-कचरा बहने से पानी दुषित हो रहा है इसलिए पुन: पंचायत के द्वारा मुनादी करवाकर कचरा न फेंकने की अपील लालबर्रा के व्यापारी एवं दुकानदारों से की जायेगी। उसके बाद भी कूड़ा-कचरा फेंकते पाये जाते है तो उनके खिलाफ वैधानिक कार्यवाही की जायेगी।

मकान से नीचे गिरने पर सुकचरण का हाथ हुआ फ्रेक्चर, उपचार जारी

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। मकान में टीनेशेड लगाते समय बल्ली टुटने से नीचे गिरने पर एक व्यक्ति का हाथ की नस कटने के साथ ही हाथ फ्रेक्चर हो गया है एवं शरीर में अंदुरूनी चोटे भी आई है। जिसे लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में भर्ती किया गया है जहां उपचार जारी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार दुरेन्दा (थाना उगली) निवासी ४५ वर्षीय सुकचरण वरकड़े कृषि कार्य करता है, मंगलवार को सुबह के समय परिवार के सभी लोग कृषि कार्य हेतु खेत चले गये थे एवं सुकचरण वरकड़े घर पर अकेला था। जो दोपहर में मकान में टीनशेड़ लगाने का कार्य कर रहा था तभी कज्चे मकान की बल्ली टुट जाने से वह टीनशेड सहित नीचे गिर गया और टीनशेड उसके ऊपर गिरने से उसके एक हाथ की नस कटने के साथ ही हाथ भी फ्रेक्चर हो गया है। जिसके बाद आसपास के लोग दौड़े और टीनशेड में दबे व्यक्ति को सुरिक्षत बाहर निकालकर उसके परिजनों को घटना की जानकारी दी। वहीं परिजनों के आने के बाद घायल सुकचरण वरकड़े को निजि वाहन से लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में लाकर भर्ती किया गया है। जहां उपचार किया जा रहा है, जो खतरे से बाहर है।

सड़क के किनारे खरपतवार होने से आवागमन में हो रही परेशानी

ग्रामीण एवं राहगीरों ने खरपतवार (झाड़ियों) की साफ-सफाई करवाने की प्रशासन से की मांग

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत अमोली के आगे वैनगंगा बड़ी नहर स्थित गाडर से आमाटोला ददिया पहुंच मार्ग के दोनों ओर खरपतवार (झाड़िया) उग जाने के कारण मार्ग से गुजरने वाले राहगीरों व ग्रामीणजनों को आने-जाने में खासा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं सड़क की मोड़ाई में दुर से आने वाली मोटरसाइकिल, साइकिल व लोग दिखाई नही देने से हर समय बड़ी दुर्घटना होने की संभावनाएं बनी हुई है और पूर्व में हादसे भी घटित हो चुके है। लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा इस समस्या की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। जिससे इस मार्ग से आने-जाने वाले लोगों में प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है। चर्चा में ग्रामीण एवं राहगीरों ने बताया कि अमोली से आमाटोला ददिया पहुंच मार्ग का लंबे समय से निर्माण करवाने की मांग की जा रही है लेकिन निर्माण अब तक नही किया गया है। साथ ही गाडर से लेकर

आमाटोला पहुंच मार्ग के दोनों ओर की झाड़ियों की लंबे समय से साफ-सफाई व कटाई नही करवाई गई है एवं मार्ग में मोडाई के साथ ही बीच से वैनगंगा बड़ी नहर गुजरी है और दुसरे साइड से सर्राटी नदी गुजरी है और गाडर भी स्थिति है। साथ ही घनी झाड़िया होने के कारण उक्त स्थानों से जब लोग आना-जाना करते है तो उन्हे खासा परेशानियां होती है और पूर्व में दुर्घटनाएं भी घटित हो चुकी है। जबकि इस मार्ग से रोजाना स्कूल, कालेज के विद्यार्थी व ग्रामीणजन लालबर्रा मुख्यालय आना-जाना करते है और मार्ग के दोनों ओर झाड़िया उग जाने के कारण सभी को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। साथ ही यह भी बताया कि घनी झाड़ियों के कारण शाम के बाद ऐसा लगता है कि झाड़ियों के अंदर वन्यप्राणी छुपे रहने का डर बना रहता है। जबकि लंबे समय से सड़क का निर्माण एवं झाड़ियों की साफ-सफाई करवाने की मांग कर रहे है लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जो समझ से परे लग रहा है। जल्द ही मार्ग के किनारे की झाड़ियों की साफ-सफाई व कटाई नही करवाई गई तो किसी भी समय बड़ा हादसा घटित हो सकता है। इसलिए शासन-प्रशासन से मांग है कि सड़क के दोनों साईड की लंबी-लंबी झाडियां (खरपतवार) की साफ-सफाई करवाये ताकि आने-जाने में हो रही परेशानियों से निजात मिल सके।

खमरिया क्षेत्र में बे-मौसम बारिश से किसान परेशान

हल्की प्रजाति की धान पककर तैयार, फसल को लेकर किसान चिंतित

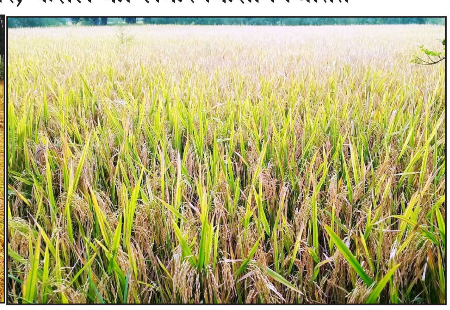

पद्मेश न्यूज। खमरिया/लालबर्रा। खरीफ सीजन में लगाई गई हल्की प्रजाति की धान पककर तैयार हो चुकी है एवं कुछ किसानों ने कटाई भी प्रारंभ कर दी है परन्तु गत दिवस अचानक मौसम परिवर्तन होने एवं रात्रि व दिन के समय बुंदाबांदी बारिश होने के साथ ही बदलीनुमा मौसम बना रहने के कारण खमरिया क्षेत्र के किसान फसल को लेकर काफी चिंतित नजर आ रहे है और कटी हुई फसल को सुरक्षित करने में लगे हुए है। लेकिन बार-बार मौसम परिवर्तन होने एवं तेज बारिश के आसार बन जाने के कारण किसानों की धान कटाई सहित कृषि कार्य प्रभावित हो रहा है जिससे वे खासा परेशान है। वहीं जिन किसानों ने हल्की प्रजाति की धान की कटाई कर चुके है उन्हे तेज बारिश होने पर कड़पे गीली होने की चिंता सता रही है और क्षेत्र में तेज बारिश होती है तो किसानों को काफी नुकसान हो सकता है। जिससे किसानों को आर्थिक परेशानियों से जुझना पड़ेगा। किसानों ने बताया कि हल्की प्रजाति की धान पककर तैयार हो चुकी है एवं कुछ किसानों ने कटाई भी प्रारंभ कर दिये है परन्तु गत दो दिवस से अचानक मौसम परिवर्तन होने के साथ ही बूंदाबांदी बारिश हो रही है जिसे पकी फसल को नुकसान पहुंच रहा है। साथ ही आसमान पर बादल छाये रहने के कारण माहू, करपा सहित अन्य बीमारी होने का प्रकोप बढ़ सकता है। आगे बताया कि जिन किसानों की फसल पककर तैयार हो चुकी है ऐसे किसान मौसम साफ होने का इंतेजार कर रहे है परन्तु मौसम बार-बार बदलने के कारण किसान फसल की कटाई भी नही कर पा रहे है और फसल को लेकर किसान काफी चिंतित नजर आ रहे है।

अजय शर्मा पंचतत्व में अजय हुए

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय की ग्राम पंचायत पांढरवानी निवासी म.प्र. शासन के पूर्व गृह मंत्री, पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष, पूर्व सांसद, पूर्व विधायक स्व. नंदकिशोर शर्मा जी के नाती एवं वरिष्ठ कांग्रेसी ज्ञानचंद शर्मा के ३५ वर्षीय सुपुत्र अजय (नन्हे) शर्मा का २७ अक्टूबर को हद्यगति रूक जाने से दु:खद निधन हो गया था। जिनका अंतिम संस्कार २८ अक्टूबर को स्थानीय मोक्षधाम में शोकाकुल माहौल में किया गया। इस तरह से अजय शर्मा पंचतत्व में अजय हो गये है। जिन्हे उनके छोटे भाई यश (बिट्टु) शर्मा ने मुखाग्नि दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार म.प्र. शासन के पूर्व गृह मंत्री, पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष, पूर्व सांसद, पूर्व विधायक स्व. नंदकिशोर शर्मा जी के नाती एवं वरिष्ठ कांग्रेसी ज्ञानचंद शर्मा के ३५ वर्षीय सुपुत्र अजय (नन्हे) शर्मा की अचानक तबियत खराब होने एवं हद्यगति रूक जाने से २७ अक्टूबर की सुबह दु:खद निधन हो गया था। जिसकी जानकारी लगते ही चित-परिचितों में शोक की लहर व्याप्त हो गई थी। स्व. अजय (नन्हे) शर्मा सरल, स्वभाव एवं मृदुभाषी के धनी थे एवं सामाजिक कार्यों में बढ़कर हिस्सा लेते थे जो अपने पीछे भरापूरा परिवार छोड़ गये है। जिनका अंतिम संस्कार मंगलवार को प्रात: ९ बजे लालबर्रा स्थित मोक्षधाम में शोकाकुल माहौल में किया गया। वहीं श्रध्दांजली सभा को पूर्व केबिनेट मंत्री गौरीशंकर बिसेन ने संबोधित करते हुए ईश्वर से दिव्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने एवं परिवारजनों को इस दु:ख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की। जिसके बाद उपस्थितजनों ने दो मिनट का मौन धारण कर मृतात्मा की शांति एवं परिवार को दु:ख सहन करने की शक्ति प्रदान करने ईश्वर से कामना की है। इस अवसर पर पूर्व केबिनेट मंत्री गौरीशंकर बिसेन, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रेखा बिसेन, पूर्व सांसद कंकर मुंजारे, विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे, जिला पंचायत सभापति डुलेन्द्र ठाकरे, झामसिंह नागेश्वर, ब्लाक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष भाऊराम गाड़ेश्वर, खमरिया मंडल अध्यक्ष दमनसिंह रहांगडाले, कांग्रेस कमेटी प्रदेश महासचिव श्रीमती लक्ष्मी वाघाड़े, जनपद उपाध्यक्ष किशोर पालीवाल, पूर्व उपाध्यक्ष अशोक जायसवाल, पांढरवानी सरपंच अनीस खान, बालकृष्ण बिसेन सहित व्यापारीगण, जनप्रतिनिधि, युवा, गणमान्य नागरिक एवं नाते-रिस्तेदार बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

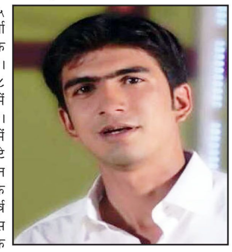

29 अक्टूबर को जिले के कुछ स्थानों पर भारी बारिश की संभावना

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भारत मौसम विज्ञान विभाग नई दिल्ली के क्षेत्रीय कार्यालय भोपाल से कृषि विज्ञान केंद्र बड़गांव को प्राप्त सूचना के अनुसार 29 अक्टूबर को बालाघाट जिले में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। किसानों को सलाह दी गई है कि मौसम को देखते हुए धान की कटाई करें।

अतरी में छत्तीसगढ़ी सांस्कृतिक कार्यक्रम आज

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग ४ किमी. दूर ग्राम पंचायत अतरी में आठवीं मंडई के अवसर पर २९ अक्टूबर को रात ९ बजे से लोक परब छत्तीसगढ़ी सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। चर्चा में सार्वजनिक मंडई उत्सव समिति अतरी के पदाधिकारी, सरपंच प्रतिनिधि हुकुमचंद पंचेश्वर ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी दिन-रात की मंडई के अवसर पर ग्रामीणजनों के रात्रिकालीन मनोरंजन के लिए २९ अक्टूबर को रात ९ बजे से लोक कला मंच 'लोक परब' जंगलपुर, पाडादाह संगीत नगरी खैरागढ़ (छ.ग.) का छत्तीसगढ़ी सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। जिसके गायक-गायिका के द्वारा अपनी सुमधुर स्वरों में छत्तीसगढ़ी गीतों की प्रस्तुती दी जायेगी। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील सार्वजनिक मंडई उत्सव समिति के पदाधिकारी एवं ग्रामीणजनों ने की है।

बेहरई में दो शायरों का महामुकाबला ३० को

पद्मेश न्यूज। बेहरई/लालबर्रा। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत बेहरई (मशीनटोला) में सार्वजनिक मंडई उत्सव समिति के तत्वाधान में ३० अक्टूबर को दिन-रात की मंडई का आयोजन किया गया है। चर्चा में सार्वजनिक मंडई उत्सव समिति के अध्यक्ष साहुलाल भगत ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी वर्षों पुरानी परंपरा का निर्वहन करते हुए नवमीं मंडई के अवसर पर ग्रामीणजनों के रात्रिकालीन मनोरंजन के लिए ३० अक्टूबर को रात ९ बजे से दो शायरों का महामुकाबला का आयोजन किया गया है। जिसमें मुडरई (जिला-सिवनी) के शायर राजाराम ठाकरे, नांदी महाराष्ट्र के शायर मोहनलाल उके के बीच जंगी मुकाबला संपन्न होगा। जो अपने-अपने कलाकार साथियों के साथ अपनी शायरी की प्रस्तुती देगें। श्री भगत ने बताया कि यह मंडई बेहरई सर्वसमाज की एकता और प्रेम को दर्शाता है एवं सभी के सहयोग से कार्यक्रम आयोजित किया गया है। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील सार्वजनिक मंडई उत्सव समिति अध्यक्ष साहुलाल भगत, रामप्रसाद बघेले स्थाई पटेल, सी एल पटले शिक्षक, चैनलाल पटले, डालीचंद पटले, देवनलाल बघेले, रामचंद पारधी, रामदयाल पटले, भीकम पारधी, इंद्रेश बघेले सहित ग्रामीणजनों ने की है।

49 लाख की लागत से बनी टंकी 3 साल भी नहीं टिकी!!

3 साल पहले बनी टंकी 4 जगहों से रिस रही, थानेगांव नल जल योजना की पानी टंकी खस्ताहाल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत थानेगांव स्थित नल जल योजना की पानी की टंकी खस्ताहाल हो गई है। जहां निर्माण के ३ साल बाद ही विभिन्न स्थानों से पानी झरना प्रारंभ हो गया है। जिसके माध्यम से पंचायत के द्वारा ग्राम में हर घर नल जल योजना के माध्यम से पानी पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है। किंतु टंकी में पानी रिसाव के कारण पर्याप्त मकान तक पानी नहीं पहुंच पा रहा है। जिसको लेकर ग्रामीणों के अंदर आक्रोश व्याप्त है ,ऐसे में ग्रामीणों के द्वारा टंकी निर्माण में अनियमितता का आरोप कार्य एजेंसी पर लगाया जा रहा है। तो वहीं विभाग से मामले में कार्यवाही कर मरम्मत करवाने की मांग की जा रही है।

२०२२ में बनकर तैयार हुई थी ग्राम में पानी टंकी

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत थानेगांव में लोगों के द्वारा ग्राम में उपस्थित विभिन्न साधनों से पानी प्राप्त कर अपना जीवन व्यापन किया जा रहा था। जहां लोगों के द्वारा लगातार नल जल योजना की मांग की जा रही थी। ऐसे में मध्य प्रदेश शासन लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के द्वारा जल जीवन मिशन के अंतर्गत ग्रामीण नल जल प्रदाय योजना के अंतर्गत योजना स्वीकृत की गई थी। यह ४९.९९ लाख रुपये की लागत से नल जल योजना ग्राम में स्वीकृत हुई थी। जिसका कार्य संबंधित एजेंसी के द्वारा दिसंबर २०२० को प्रारंभ कर पूर्ण निर्माण अगस्त २०२२ को कर दिया गया था। जिसके बाद से युक्त नल जल योजना के माध्यम से थानेगांव बस्ती में पानी का वितरण प्रत्येक घर में प्रारंभ किया गया। इसी योजना के माध्यम से आज भी ग्राम में पानी वितरण की बात कही जा रही है। परंतु पानी टंकी की स्थिति बहुत ज्यादा जर्जर हो गई है जिसमें टंकी में चार स्थानों से पानी का बड़ी मात्रा में रिसाव हो रहा है। जहां पर काई और जंग के गहरे निशान देखने को मिल रही है। तो वहीं पानी टंकी को पूरा भरना असंभव बना हुआ है क्योंकि लगातार पानी का रिसाव होता रहता है। हालांकि उक्त पानी टंकी की पूर्व में मरम्मत की बात कही जा रही है किंतु वह भी बेअसर समझ आ रही है। ऐसे में यह नल जल योजना निर्माण कार्य में अनियमित्ता बरतने और व्यवस्थित रूप से टंकी का निर्माण नहीं करने का आरोप ग्रामीणों के द्वारा लगाया जा रहा है। वहीं पंचायत और विभाग से जल्द उक्त टंकी की जल्द मरम्मत करने की मांग की जा रही है।

टंकी में चार स्थानो से झरता है पानी - मूलचंद बोपचे

ग्रामीण मूलचंद बोपचे ने बताया कि मेरे घर के सामने पानी की टंकी है इसकी स्थिति बहुत गड़बड़ है। टंकी में चार स्थान से पानी झरता है २०२२ करीब में यह टंकी बनी है। इसकी व्यवस्थित रूप से तराई नहीं की गई है जिस कारण से यह दिक्कत आना हमें लग रहा है। बड़ी मात्रा में इसमें पानी झरता है अभी खाली टंकी है तो कम पानी झर रहा है। इसकी मरम्मत बीच में की गई थी परंतु कैसा क्या हुआ पता नहीं करीब २ वर्ष से यह झर रही है। इसी कारण से पानी टाइम पर पर्याप्त पानी लोगों को मिलता नहीं है।

ठेकेदार ने पानी टंकी बनाते समय की है अनियमितता-केशव बैस

ग्रामीण केशव बैस ने बताया कि हम लोग आते जाते देखे हैं हमारे थानेगांव पंचायत के अंतर्गत नल जल योजना की पानी की टंकी बनी है। उसमें बहुत ज्यादा रिसाव हो रहा है शासन की योजना हर घर नल हर घर जल पहुंचने की है हर परिवार को लाभ मिल रहा है। पर इसके निर्माण में खराब सामग्री का उपयोग किया गया है इस पर शासन प्रशासन को संज्ञान लेना चाहिए। कार्यवाही करना चाहिए टंकी करीब ५ वर्ष पहले निर्माण की गई थी पहले ठेकेदार एजेंसी थी फिर पंचायत को हैंडोवर कर दी गई। बनाने में अनियमितता बरती गई है ऊपर जो टंकी है उसमें बीच से थोड़ा नहीं बहुत पानी रिस रहा है। अब पानी झरेगा तो असर पड़ेगा किसी को पानी कब मिलेगा ठेकेदार से टंकी दुरुस्त करवायी जानी चाहिए।

इनका कहना हैं

दूरभाष पर चर्चा में बताया कि थानेगांव की पानी टंकी से पानी का रिसाव हो रहा है। इसकी मरम्मत करने के लिए एस्टीमेट तैयार कर लिया गया है जल्द पानी टंकी की मरम्मत कर दी जायेगी।

लक्ष्मीकांत बैस
सरपंच ग्राम थानेगांव

दूरभाष पर चर्चा में बताया कि यह पानी टंकी मेरे संज्ञान में है किंतु उसकी स्थिति की जानकारी नहीं हैं। मौका स्थल निरीक्षण कर टंकी का जायजा लिया जाएगा।

विजय तिवारी
प्रभारी एसडीओ पीएचई वारासिवनी

विद्युत विभाग ने बकायादारों पर की कार्यवाही

बकाया विद्युत उपभोक्ताओं के बैंक खाता किये सीज

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

मध्य प्रदेश विद्युत वितरण कंपनी संभाग वारासिवनी के द्वारा बकायादार विद्युत उपभोक्ताओं पर कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है। जिसमें विद्युत कंपनी से प्राप्त निर्देशानुसार बकायादार पर सख्त कार्यवाही करते हुए उपभोक्ताओं के बैंक खाता सीज कर दिए गए हैं। यह बकायादार के खातों को सीज करने की कार्यवाही बैंक के द्वारा करवाई गई है। जिसमें २१ नंबर उपभोक्ताओं के राशि १८२२६४ के लिए बैंक खाता सीज करवाए गए हैं। इसमें चार उपभोक्ताओं के द्वारा राशि जमा कर दी गई है। वारासिवनी संभाग के विभिन्न वितरण केन्द्रो में अभी भी विभिन्न श्रेणी के राशि ५००० रुपये से अधिक बकाया वाले ४४८ नंबर उपभोक्ता ऐसे जिन पर ५५ लाख ४० हजार वसूली शेष है। इस संबंध में वारासिवनी संभाग के कार्यपालन अभियंता बी एल भैना ने बताया कि सभी बकायदारों से वसूली हेतु संघन संपर्क कर लाइन विच्छेदन किया जा रहा है। बैंक खाता भी सीज करने हेतु बैंकों से पत्राचार किया जा रहा है। असुविधा से बचने हेतु अपनी बकाया राशि का भुगतान बकायादार तत्काल करें।

मधुमक्खी के हमले से चार व्यक्ति घायल अस्पताल में उपचार जारी

खेती कार्य के दौरान मधुमक्खियों ने किया हमला

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत महेदोली में खेती कार्य कर रहे चार व्यक्तियों को मधुमक्खी ने हमला कर गंभीर घायल कर दिया। इसमें घायल सुमित भगत ,चंदनलाल भगत ,इमला बाई भगत ,छोटे लाल पटले को उपचार के लिए सिविल अस्पताल में भर्ती किया गया है जहां उनका उपचार जारी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार वर्तमान में खरीफ की फसल कटाई का दौर चल रहा है। ऐसे में किसानों के द्वारा खेतों में धान की फसल काटकर बोझा उठाए जा रहा है। ऐसे ही महेदोली के किसान चंदनलाल पिता बिरजलाल भगत उम्र ६० वर्ष अपने पुत्र सुमित पिता चन्दनलाल भगत उम्र ३५ वर्ष एवं पत्नी इमलाबाई पति चन्दनलाल भगत ५५ वर्ष के साथ खेत में गए हुए थे। जहां पर फसल कटाई के बाद उसे एकत्रित कर बोझे बांधने का कार्य उनके द्वारा किया जा रहा था। वहीं खेत पड़ोसी छोटेलाल पिता जियालाल पटले उम्र ६५ वर्ष के द्वारा भी अपने खेत में कार्य किया जा रहा था। इसी दौरान कहीं से अचानक मधुमक्खी का झुंड आया और खेत में काम कर रहे उक्त चारों व्यक्तियों पर अचानक हमला कर दिया। जिसमें वह मौका देख खेत से भागने लगे परंतु इस दौरान मधुमक्खी के झुंड के द्वारा उन्हें शरीर के विभिन्न स्थान पर काटकर गंभीर घायल कर दिया गया। जिसके बाद उक्त व्यक्तियों के द्वारा जान बचाकर घर आए जहां से परिजनों के द्वारा उन्हें तत्काल सिविल अस्पताल में लाकर भर्ती किया गया है। जहां उनका उपचार जारी है मधुमक्खी के द्वारा काटने के निशान उक्त व्यक्तियों के हाथ पैर सर सहित अन्य हिस्सों में उभरने लगे हैं। घायल सुमित भगत ने बताया कि हम सभी महेदोली निवासी है मेरे माता.पिता मेरे साथ अपने खेत में काम कर रहे थे और पड़ोस में खेत पड़ोसी भी काम कर रहा था। इस दौरान पता नहीं कहां से मधुमक्खी का झुंड आया हमें वह कटने लगी मौके से हम भागे और अस्पताल में आकर भर्ती हुए हैं। हम सभी खेत में सुबह १० बजे बोझा बांधने गये थे ४ बजे करीब कि यह घटना है शरीर में बहुत दर्द हो रहा है और सूजन भी आ गई है।

खैरलांजी क्षेत्र में नही हुई विकास की कमी- प्रदीप

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम कटंगटोला के रामपायली, खैरलांजी, देवगांव, थानेगांव व सिकन्द्रा में मंडई का आयोजन किया गया। पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कहा कि खंडवा से लेकर घोटी तक बनने वाले पुलो की वर्तमान में निर्माणाधीन जानकारी देकर इससे मिलने वाले प्रत्यक्ष फायदो का भी जिक्र किया। रामपायली के कटंगटोला में निर्माणाधीन पेयजल टँकी की जानकारी देकर देंवगांव से सिंगोड़ी और मेहँदीवाड़ा से सिकंद्रा पुल बनाने के पूर्व प्रदीप जायसवाल ने कहा की विधानसभा चुनाव के परिणाम ने भले ही विलम्ब किया है। किंतु हमारी सोच को लेकर हम आज भी आशान्वित है। इस दौरान श्रीमती पुष्पा अमूले,जानाजी गौतम,श्रीमती एमकला बोपचे,सुभाष झाड़े, देवनाथ बोपचे,तरुण बिसेन,कोमल बिसेन,प्रभा सहारे, घनश्याम सहारे,आलोक पटले,मनोज दांदरे,भैय्यू त्रिवेदी,यश ठाकरे ,श्रीमती मधु शुक्ला जिला पंचायत सदस्य, मानसिंह बहेटवार,नरेन्द्र साहू,विनोद लिल्हारे,बलराम लोधी,जयेंद्र लोधी,सोनू लोधी,राहुल लोधी,उमेश चौहान , भिवराम गौतम,युगल किशोर पंडा सुलकिया,नरेंद्र सुलकिया,विनोद पटले ,श्रीराम ठाकरे,देवेंद्र चौधरी, संतलाल मात्रे,डेलीराम ठाकरे, प्रकाश मात्रे , कन्हैया खैरवार,सुभाष पारधी, शुभम शर्मा, परशुराम पंचेश्वर सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

भगवान सहस्त्रबाहु का इतिहास गौरवशाली रहा है-प्रदीप

भगवान सहस्त्रबाहु की मनाई गई जंयती

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

प्रगति कलार समाज के भवन में भगवान सहस्त्रबाहु की जंयती मनाई गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुये पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कहा की वर्तमान में समाज को एकजुट होने की आवश्यकता है। सहस्त्रबाहु का ईतिहास बड़ा ही गौरवशाली रहा है। उन्होने हमेशा लोक कल्याण का कार्य किया है समाज का प्रत्येक व्यक्ति पुरूषार्थ का प्रतिक है। हम जल्द वारासिवनी में समाज का भव्य सम्मेलन आयोजित कर रहे है। जिसकी जानकारी सभी लोगो तक पहुंचाने की जिम्मेदारी का निर्वहन आप सभी लोगो को करना है। समाज अध्यक्ष सुनील पिपरेवार ने कहा की भगवान सहस्त्रबाहु ने भगवान श्रीविष्णु को प्रसन्न कर वरदान में एक हजार भुजाओं का बल प्राप्त किया था। श्री पिपरेवार ने समाज के भवन के आधुनिक स्वरूप के विषय में भी विस्तार से कार्ययोजना से अवगत कराकर सभी सदस्यों को अपनी अपनी जवाबदेही का पालन करने के लिये प्रोत्साहित भी किया। इस दौरान अशोक शिवणे, एस के दहीकर,डी सी डहरवाल, श्रीमती स्मिता जायसवाल,श्रीति पालेवार, विजेता सोनेकर, आशालता शेंडे, मनीषा पिपरेवार, कल्पना कावडे, रीना चापुकर, सोनू जायसवाल, श्रीमती पुष्पा विजयवार, गंगा डहरवाल, उमेद पालेवार, ओमप्रकाश बारेवार, संजय साकरे, दशरथ डहरवाल, सुरेश डोहरे, धनेन्द्र सोनेकर,रिंकू चापूकर, संतोष शिवणे अन्य लोग मौजूद रहे।

बालाघाट जिला हुआ क्लब फुट मुक्त जिला

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत 0 से 18 वर्ष तक के क्लब फुट से ग्रसित शत प्रतिशत बच्चों की सर्जरी कराकर बालाघाट जिला क्लब फुट मुक्त जिला बन गया है। इस उपलब्धि के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की संचालक डॉ.सलोनी सिडाना ने कलेक्टर मृणाल मीना की व्यक्तिगत रूप से तथा विभाग की ओर से प्रशंसा की है और अपेक्षा की है कि इस प्रकार की पहल बालाघाट जिले में निरंतर जारी रहेगी। इस उपलब्धि के लिए उन्होंने बालाघाट जिले की पूरी टीम को बधाई और शुभकामना दी है और कहा है कि राज्य स्तर पर सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूत करने की दिशा में यह एक उल्लेखनीय योगदान है। बालाघाट जिले का यह प्रयास अन्य जिलों के लिए प्रेरणास्त्रोत बनेगा। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत बालाघाट जिले में 0 से 18 वर्ष तक के बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण ग्राम स्तर पर आंगनवाड़ी केंद्रो, शासकीय एवं शासन द्वारा अनुदान प्राप्त स्कूलों में, मोबाईल हेल्थ टीम द्वारा किया जा रहा है। बालाघाट जिले में 31 मार्च 2025 तक 02 से 18 वर्ष तक की आयु के क्लब फुट अर्थात जन्मजात विकृति, बाल्यावस्था रोग, कमियाँ, विकासात्मक विलंब सहित विकास में देरी से पीड़ित बच्चों को चिन्हित कर उनका उपचार एवं सर्जरी कराकर बालाघाट जिले को क्लब फुट से मुक्त कर दिया गया है।

संपादकीय

सभी सवालों के ज़वाब और पारदर्शिता का तकाजा

निर्वाचन आयोग की ओर से हाल ही में बिहार में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण यानी एसआइआर के बाद अब दूसरे चरण के तहत बारह राज्यों में यही प्रक्रिया शुरू करने की घोषणा की अपनी अहमियत है। दरअसल, बिहार में यह सवाल उठाया गया था कि जब चुनाव के लिए बहुत कम वक्त बचा था, तब आयोग ने अचानक एसआइआर की शुरुआत क्यों कर दी और ऐसा केवल बिहार में क्यों किया गया। तब यह भी कहा गया कि जिन राज्यों में विधानसभा चुनाव होने में पर्याप्त वक्त है, अगर वहां पहले एसआइआर कराया जाए तो बेहतर हो। मगर निर्वाचन आयोग शायद बिहार विधानसभा के लिए इसी चुनाव में मतदाता सूची को %शुद्ध% करने की इच्छा रखता था, इसलिए काफी सवाल उठने के बावजूद आखिर एसआइआर को अंजाम दिया गया। अब अंडमान और निकोबार, छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, केरल, लक्षद्वीप, मध्य प्रदेश, पुदुचेरी, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु में एसआइआर होगा, जिसके बाद आयोग का मानना है कि इसके जरिए संबंधित राज्यों की मतदाता सूची को त्रुटिहीन बनाया जा सकेगा। ऐसी शिकायतें आती रही हैं कि चुनाव में कुछ लोगों ने फर्जी तरीके से या फिर किसी का नाम एक से ज्यादा जगहों पर दर्ज था। इस तरह के कई अन्य मामलों के आधार पर मतदाता सूची में अपात्र लोगों के नाम हटाए जाने को लेकर आवाज उठती रही है। मगर बिहार में एसआइआर के क्रम में जिस तरह लाखों लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाए गए, उसे लेकर एक बड़ा विवाद खड़ा हो गया था। कई राजनीतिक दलों ने आरोप लगाया कि एसआइआर के बहाने बड़ी संख्या में वैसे मतदाताओं के नाम भी सूची से हटा दिए गए, जो पात्र थे। आयोग की इस दलील से किसी को भी इनकार नहीं होगा कि किसी भी चुनाव में केवल वैध और पात्र मतदाताओं को मतदान करने का अधिकार हो। जिन लोगों का निधन हो गया है, जिनका नाम एक से ज्यादा जगहों पर मौजूद है या फिर जो स्थायी रूप से एक से दूसरे शहर में विस्थापित हो गए हैं, उनका नाम मतदाता सूची से हटा दिया जाए। मगर यह सवाल बना रहेगा कि मतदाता सूची में से किसी भी ऐसे व्यक्ति का नाम क्यों हटे, जो वैधता की कसौटी पर अपनी पूरी पात्रता रखते हैं।

> अब जिन राज्यों में एसआइआर की घोषणा हुई है, उसमें खबरों के मुताबिक, कोई कागज दिखाने की जरूरत नहीं होगी। मुख्य रूप से यह एक बड़ा बिंदु था, जिस पर बिहार में हुए एसआइआर के दौरान काफी सवाल उठाए गए थे।

अब जिन राज्यों में एसआइआर की घोषणा हुई है, उसमें खबरों के मुताबिक, कोई कागज दिखाने की जरूरत नहीं होगी। मुख्य रूप से यह एक बड़ा बिंदु था, जिस पर बिहार में हुए एसआइआर के दौरान काफी सवाल उठाए गए थे। दरअसल, बिहार में एसआइआर के तहत मतदाता सूची में नाम कायम रखने के लिए आयोग ने कुछ दस्तावेज जमा करना अनिवार्य बना दिया था, जिसमें आधार को मान्य नहीं बताया गया। हालांकि इस मसले पर सर्वोच्च न्यायालय के दखल के बाद निर्वाचन आयोग को एसआइआर की प्रक्रिया में दस्तावेज और प्रक्रिया संबंधी शर्तों में बदलाव करने पड़े। इस सबके मद्देनजर आगे यह ध्यान रखने की जरूरत होगी कि एसआइआर की समूची प्रक्रिया में पूरी पारदर्शिता रखी जाए। इस संबंध में बिहार में हुए एसआइआर के संदर्भ में सुप्रीम कोर्ट में हुई सुनवाई में जो सवाल उठे और उस अदालत की ओर से जो सुझाव या निर्देश सामने आए, उसे देखते हुए निर्वाचन आयोग अब एक ऐसे प्रारूप में एसआइआर की प्रक्रिया को संपन्न करा सकता है, जो पूरी तरह विवादरहित हो और जिससे किसी भी राजनीतिक दल को आपत्ति न हो।

भारत की नई अफगान नीति और कूटनीति के नए दौर का निहितार्थ

काबुलीवाला के देश से दोस्ती

तालिबान शासित अफगानिस्तान में भारत के तकनीकी मिशन को दूतावास में बदलने के निर्णय से स्पष्ट है कि बदलते वैश्विक परिदृश्य में कूटनीति अपेक्षाकृत ज्यादा व्यावहारिक और यथार्थवादी हो गई है। यही वजह है कि भारत पहले की तरह अफगानिस्तान तक अपनी पहुंच सुनिश्चित करना चाहता है।

कूटनीति एक गतिशील और बहुआयामी प्रक्रिया है। तालिबान शासित अफगानिस्तान में भारत के तकनीकी मिशन की दुतावास में बदलने के निर्णय से यह स्पष्ट है कि बदलते वैश्विक परिदृश्य में कूटनीति अपेक्षाकृत ज्यादा व्यावहारिक और यथार्थवादी हो गई है तथा भारत ने भी इसे स्वीकार कर लिया है। अफगानिस्तान दक्षिण एशिया, मध्य एशिया और पतिमी एशिया को जोड़ने वाला एक महत्त्वपूर्ण सेतु है। इसी कारण क्षेत्रीय संपर्क, व्यापार मार्यों और सामरिक संतुलन में इसकी विशेष भूमिका है। यही वजह है कि भारत पहले की तरह अफगानिस्तान तक अपनी पहुंच सुनिश्चित करना चाहता है। वर्ष 2021 में अफगानिस्तान में जब तालिबान सत्ता में आया था तो इसे पाकिस्तान के लिए बेहतर स्थिति माना गया था। मगर भारत ने कूटनीतिक दूरदर्शिता दिखाते हुए तालिबान से सीमित संवाद रखा और पहले की तरह अफगानिस्तान को मानवीय सहायता देना जारी रखा। भारत और तालिबान के बीच बढ़ते राजनयिक संबंधों तथा अफगानिस्तान और पाकिस्तान की सेना के बीच डूरंड रेखा पर भीषण संघर्ष से उपजे हालात को भारत के लिए रणनीतिक बढ़त और पाकिस्तान के लिए एक बड़ी चुनौती की तरह देखा जा रहा है।

भारत और अफगानिस्तान के आपसी संबंध ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और रणनीतिक रूप से काफी घनिष्ठ रहे हैं। अफगानिस्तान की राजनीति में भारत की भूमिका शांति, पुनर्निर्माण और स्थायित्व को केंद्र में रखकर रही है। भारत ने अफगानिस्तान में कई विकास परियोजनाएं चलाई है, जिनमें संसद भवन, सलमा बांध और जरांज दिलाराम उच्चमार्ग प्रमुख है। ये परियोजनाएं अफगान जनता के बीच भारत की सकारात्मक छवि बनाती हैं। हालांकि भारत का तालिबान के साथ संबंध कभी भी सीधे और स्पष्ट नहीं रहा, लेकिन वर्तमान में यह संबंध राजनयिक संतुलन, सुरक्षा चिंताओं और रणनीतिक दूरदर्शिता पर आधारित है। यह माना जाता है कि अफगानिस्तान में मजबूत दिखने वाला देश मध्य एशिया से दक्षिण एशिया तक के व्यापार मागों पर प्रभाव डाल सकता है। यह क्षेत्र भारत-मध्य एशिया संपर्क योजनाओं के लिए भी अहम है। अफगानिस्तान की स्थिरता भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा हितों से जुड़ी है। भारत को यह आशंका रही है कि अगर अफगानिस्तान अस्थिर रहता है तो पाकिस्तान प्रायोजित आतंकी संगठन वहां से भारत विरोधी गतिविधियां संचालित कर सकते हैं। तालिबान से बेहतर संबंध कायम होने से भारत की सुरक्षा चिंताएं कम हो सकती है।

भारत के लिए अफगानिस्तान एक रणनीतिक साझेदार, सुरक्षा और संपर्क मार्ग, इन तीनों भूमिकाओं में महत्त्वपूर्ण है। दक्षिण और पूर्व में अफगानिस्तान की सीमा पाकिस्तान से लगती है। पश्चिम में ईरान से तथा इसकी उत्तरी सीमा मध्य एशियाई देशी तुर्कमेनिस्तान, उज्बेकिस्तान और ताजिकिस्तान से लगती है। अफगानिस्तान सुदूर उत्तर-पूर्व में चीन से सीमा साझा करता है। तुर्कमेनिस्तान और ईरान, दोनों की सीमाएं अफगानिस्तान से लगती है और ये अजरबैजान की सीमा के भी करीच हैं। भारत की सामरिक सुरक्षा के लिए पाकिस्तान, चीन और अजरबैजान की ओर से चुनौतियां बढ़ी हैं। ऐसे में इन देशों पर रणनीतिक बहुत लेने के लिए भारत का अफगानिस्तान से बेहतर संबंध और प्रभावशाली भूमिका में होना आवश्यक है। अफगानिस्तान के एक और पड़ोसी देश ताजिकिस्तान तथा भारत के बीच राजनयिक, आर्थिक और रणनीतिक संबंध हैं। इसी के परिणामस्वरूप भारत ने फरखोर में अपना पहला विदेशी सैन्य अड्न स्थापित किया है। यह पाकिस्तान और चीन के करीब है, इसलिए इसे सामरिक रूप से महत्त्वपूर्ण माना जाता है। भारत के लिए ताजिकिस्तान की रणनीतिक स्थिति का बड़ा महत्व है। भारत के लिए अफगानिस्तान एक रणनीतिक साझेदार, सुरक्षा और संपर्क मार्ग, इन तीनों मोचों पर महत्वपूर्ण है। दक्षिण और पूर्व में अफगानिस्तान की सीमा पाकिस्तान से लगती है। जबकि इसकी उत्तरी सीमा मध्य एशियाई देशों तुर्कमेनिस्तान, उज्बेकिस्तान और ताजिकिस्तान से लगती है। अफगानिस्तान सुदूर उत्तर-पूर्व में चीन से सीमा साझा करता है। तुर्कमेनिस्तान और ईरान, दोनों की सीमाएं अफगानिस्तान से लगती हैं और ये अजरबैजान की सीमा के भी करीब हैं। भारत की सामरिक सुरक्षा के लिए पाकिस्तान, चीन और अजरबैजान की ओर से चुनौतियां बढ़ी हैं।

यह भारत की अफगानिस्तान और मध्य एशिया में

निगरानी, सुरक्षा साझेदारी और सैन्य उपस्थिति का अवसर देता है। ताजिकिस्तान मध्य एशिया के उन गिने-चुने देशों में है, जो भारत के साथ लगातार घनिष्ठ सैन्य और राजनयिक संबंध बनाए हुए है। भारत के लिए यह देश न केवल ऊर्जा और व्यापार का प्रवेशद्वार बन सकता है, बल्कि यह चीन और पाकिस्तान के बढ़ते प्रभाव को संतुलित करने में भी अहम भूमिका निभा सकता है।

> भारत द्वारा निर्मित जगंज दिलाराम उच्चमार्ग अफगानिस्तान को ईरान के चाबहार बंदरगाह से जोड़ता है, जो भारत को मध्य एशिया तक पहुंचने का वैकल्पिक मार्ग प्रदान करता है। एशिया महाद्वीप की दो महाशक्तियों भारत और चीन की सामरिक प्रतिस्पर्धा समुद्री परिवहन एवं पारगमन की रणनीति पर देखी जा सकती है।

भारत द्वारा निर्मित जगंज दिलाराम उच्चमार्ग अफगानिस्तान को ईरान के चाबहार बंदरगाह से जोड़ता है, जो भारत को मध्य एशिया तक पहुंचने का वैकल्पिक मार्ग प्रदान करता है। एशिया महाद्वीप की दो महाशक्तियों भारत और चीन की सामरिक प्रतिस्पर्धा समुद्री परिवहन एवं पारगमन की रणनीति पर देखी जा सकती है। चीन की 'पर्ल आफ स्प्रिंग' के जाल को भेदने के तौर पर भारत ने चावहार बंदरगाह का निर्माण कर एक सामरिक कदम उठाया था। अभी यह अमेरिकी प्रतिबंधों से प्रभावित है, लेकिन परिस्थितियों के बदलते ही चाबहार भारत की सामरिक और आर्थिक क्षमताओं का केंद्र बन सकता है। इस बंदरगाह के पूरी तरह प्रभाव में आते ही अरब सागर से उठती समुद्री हवाओं को ग्वादर के जरिए भारत भेजकर तूफान पैदा करने की पाक-चीन की कोशिशें पस्त पड़ सकती है। चाबहार पत्तन पाकिस्तान चीन के महत्त्वाकांक्षी ग्वादर बंदरगाह से महज बहत्तर किलोमीटर की दूरी पर है। चाबहार के जरिए भारत, अफगानिस्तान और बलूचिस्तान तक सीधी पहुंच बनाने में कामयाब हो रहा है। इसके माध्यम से भारत के लिए पाकिस्तान की सीमा में प्रवेश किए बिना समुद्री मार्ग से अफगानिस्तान पहुंचने का रास्ता प्रशस्त हो जाएगा। चाबहार से भारत की पहुंच अंतसाष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण व्यापार गलियारा के रास्ते यूरोप तक हो सकती है।

भारत के लिए यह केवल एक व्यापार मार्ग नहीं, बल्कि रणनीतिक, आर्थिक और भू-राजनीतिक अवसर है। इससे भारत की ऊर्जा, व्यापार और वैश्विक संपर्क की शक्ति में वृद्धि होगी और यह चीन के प्रभाव को संतुलित करने में सफल होगा। यह गलियारा भविष्य में यूरोप एशिया के बीच एक वैकल्पिक व्यापार घुरी चन सकता है। अब तक भारत के लिए यूरोप, मध्य एशिया या पश्चिम एशिया से समुद्री व्यापार करना बेहद खचौला है। चावहार बंदरगाह बनने से यूरोप तक पहुंचने का मार्ग वर्तमान के समुद्री मार्ग से करीच चालीस फीसद छोटा है और इस मार्ग से परिवहन की लागत में तीस फीसद तक की वामी 33 सकती है। चाचहार पर समझौते से हिंद महासागर, अरच सागर और फारस की खाड़ी में शक्ति संतुलन भी स्थापित होगा, जो चीन के पक्ष में झुका दिख रहा था।

अफगानिस्तान का इतिहास संघर्षपूर्ण रहा है और वह पिछले कई दशकों से पाकिस्तान की नापाक साजिशों का शिकार रहा है। वर्ष 1990 के दशक में जब पहली बार तालिबान ने अफगानिस्तान में सत्ता हासिल की, तो पाकिस्तान उन चुनिंदा देशों में से एक था, जिन्होंने उसे मान्यता दी थी। हालाकि पिछले कुछ वर्षों में तालिबान ने पाकिस्तान का सैन्य संसाधन बनने से इनकार कर अफगानिस्तान के दूरगामी हितों को आगे बढ़ाने की नीति के तहत भारत से मजबूत संबंधों को प्राथमिकता देना शुरू किया है। वहीं, भारत ने अफगान शरणार्थियों, शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्रों में योगदान देकर वहां लोगों के बीच स्थायी संबंध चनाए हैं, जो दीर्घकालिक सहयोग और स्थिरता के लिए अनुकूल वातावरण निर्मित करते हैं। भौगोलिक रूप से अफगानिस्तान की स्थिति चीन, पाकिस्तान और रूस जैसे देशों के बीच संतुलन को प्रभावित करती है। इसलिए वहां भारत की सक्रिय उपस्थिति प्रतिस्पर्धात्मक रूप से दूसरे देशों के प्रभाव को कम करेंगी। बहरहाल, भारत ने व्यावहारिक कूटनीति को अपनाकर अफगानिस्तान से संवाद और मानवीय सहायता के रास्ते खुले रखे हैं, ताकि यह अपने रणनीतिक हितों की रक्षा कर सके और अफगान जनता को समर्थन भी दिया जा सके।

-ब्राम्हदीप अलुने
(विशेषज्ञ)

ब्योरे में छुपा शैतान

भारत निर्वाचन आयोग के एसआईआर का अगला चरण

बिहार के बाद, भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने अब 12 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) शुरू कर दिया है। इसका घोषित लक्ष्य स्पष्ट है - मतदाता सूचियों को अपडेट करना जो बार-बार होने वाले प्रवास, मृत मतदाताओं और अन्य अशुद्धियों से प्रभावित हुई हैं, जिनकी ओर राजनीतिक दलों, खासकर कांग्रेस ने ध्यान दिलाया है। फिर भी, बिहार का अनुभव यह बताता है कि इस प्रक्रिया से, जैसी कि यह परिकल्पित है, काफी संख्या में लोगों के मताधिकार से वंचित होने का जोखिम हो सकता है। इसे बहुत छोटी समयसीमा में पूरा किया गया - मोटामोटी एक महीना गणना के लिए और एक महीना दावों और आपत्तियों के लिए। अब सबसे महत्वपूर्ण बदलाव यह है कि सुनवाई और सत्यापन के लिए लगभग 54 दिनों की 卐नोटिस अवधि卐 का औपचारिक प्रावधान किया गया है। बिहार में अपनाये गये हड़बड़ तरीके से अंतिम सूची में स्पष्ट सांख्यिकीय विसंगतियां देखने को मिलीं। एसआईआर-पूर्व मतदाता सूचियों में लैंगिक अनुपात 1000 पुरुषों पर 907 महिलाओं का था जो गिरकर 892 रह गया - यह बिहार के हालिया सर्वेक्षण आंकड़ों से काफी नीचे है। उन इलाकों में जहां आम चुनाव 2024 में महिला मतदान प्रतिशत पुरुष से ज्यादा था, महिला मतदाताओं के नाम गैर-आनुपातिक ढंग से हटाए गए, खासकर 18-29 आयु समूह में 'स्थायी रूप से स्थानांतरित' श्रेणी के तहत। कम पंजीकरण के सापेक्ष उच्च महिला मतदान प्रतिशत आम तौर पर पुरुष प्रवासन की ओर इशारा करता है, फिर भी ज्यादा महिलाओं को हटाया गया, जबकि एसआईआर का घोषित उद्देश्य प्रवासियों को हटाना है, न कि 'सामान्य रूप से निवासियों' को।

ये विसंगतियां निर्वाचन आयोग के उस प्रक्रियात्मक ढांचे के भीतर ही निर्मित लगती हैं, जहां सत्यापन की प्राथमिक जिम्मेदारी बूथ स्तरीय अधिकारियों के बजाय, नागरिकों और पार्टियों के प्रतिनिधियों - बूथ स्तरीय एजेंटों - पर बहुत ज्यादा थोपी गयी है। सभी पात्र मतदाताओं का समावेशन सुनिश्चित करने की उम्मीद पार्टियों के सदस्यों से करना समस्याजनक है, क्योंकि वे ज्यादा चिंतित राजनीतिक प्रतिस्पर्धा को लेकर रहते हैं। विसंगतियों पर आयोग का कोई जवाब नहीं देना और यह कहना कि जो भी छूटा है बीएलए की मदद से दोबारा पंजीकरण कर सकता है, अपर्याप्त है। सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद, आयोग को बाहर किये गये सभी मतदाताओं की सूचियां कारणों के साथ प्रकाशित करनी पड़ी थीं, जिसके बाद कुछ सुधार हुए। अब एक संशोधित मॉडल को एक बड़े फलक पर दोहराया जा रहा है। बीएलओ के लिए तीन बार घर जाने (हाउस विजिट करने) का आयोग का प्रावधान स्वागतयोग्य है, लेकिन अस्थायी प्रवासी जो कानूनन 'सामान्य रूप से निवासी' रहने के बावजूद गणना अवधि के दौरान गैरहाजिर हो सकते हैं, अब भी मतदाता सूची में शामिल होने की प्रक्रिया से बाहर हो सकते हैं। इसके लिए निर्वाचन आयोग ने निर्वाचकों को गणना फॉर्म ऑनलाइन भरने की अनुमति देकर जो उपाय घोषित किया है, वह अपर्याप्त है। यह प्रावधान डिजिटल प्रक्रिया से अनभिज्ञता और निरक्षरता जैसी चुनौतियों की अनदेखी करता है तथा जो मतदाता बीएलओ से सहायता पाने के लिए शारीरिक रूप से उपस्थित नहीं होते उन पर अवांछित बोझ डालता है। इस कवायद के आगे बढ़ने के साथ, सिविल सोसाइटी, मीडिया और पार्टियों के लिए यह लाजिमी है कि वे कड़ी चौकसी की भूमिका में रहें ताकि इसका असर भारत के चुनावी लोकतंत्र की विश्वसनीयता पर न पड़े।

हिंसा और हास्य के बीच बिहार का चुनाव

बिहार राजनीतिक तौर पर एक जागरूक प्रदेश माना जाता है। इसलिए कोई भी संचार माध्यम बिहार विधानसभा के चुनाव की उपेक्षा कर नहीं सकता। बिहार इस बात में यकीन नहीं करता कि मौन भी अभिव्यंजना है। बल्कि वह खुलकर बोलता है। बहस करता है और अपने बारे में जो कुछ कहा सुना जाता है और विमर्श होता है उसे सुनता, गुनता और पढ़ता है। बल्कि अगर यह कहा जाए कि हिंदी समाज ही नहीं अंग्रेजी समाज के बौद्धिक वातावरण के निर्माण और उसके स्तर को बनाए रखने में बिहार का बड़ा योगदान है तो अतिश्योक्ति नहीं होगी। बिहार के लोगों की बहसें और उनकी बेचैनियों ने पूरे देश में परिवर्तन की लहरें पैदा की हैं और उसके कारण परिवर्तन हुए भी हैं। लेकिन जैसे जैसे बिहार चुनाव रफ्तार पकड़ रहा है वैसे वैसे लग रहा है कि वह एक तरफ डबल इंजन के हिंसक आख्यान और दूसरी ओर चैनलों के हास्य के बीच उलझ कर रह गया है। चुनाव घोषणा से पहले आयोग की ओर से चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण के विरोध में उठी वोट अधिकार यात्रा से जो परिवर्तनकारी माहौल दिख रहा था वह हवा हो चुका लगता है। अब चुनाव में शक्तिशाली मीडिया और लापरवाह राजनीतिक दलों ने इस मुद्दे को पूरी तरह के ओझल कर दिया है।

देश के एक बड़े राजनीतिक विश्लेषक ने पिछले दिनों एक टिप्पणी में इस ओर संकेत किया कि समाज से निश्छलता और सच्चाई समाप्त हो चुकी है। झूठी सूचनाओं और निराधार दृष्टिकोणों का बोलबाला है। इसके बाद संवाद का कोई मतलब नहीं रह जाता है। यह स्थिति मुख्यधारा के चैनलों जिसे गोदी मीडिया भी कहा जाता है से लेकर यू-ट्यूब तक व्याप्त हो चली है। हर कोई अपने को दबंग साबित करते हुए दूसरे पक्ष पर हावी होने में लगा है। एंकर विपक्षी दलों को पछीटने में लगा है तो विपक्षी दलों के नेता एंकरों को रगड़ने में। सत्तापक्ष तो विपक्ष को भ्रष्ट और अपराधी साबित करने का आख्यान चलाए ही रहता है। उस सम्मानित राजनीति शास्त्री का कहना है कि आज के संवाद में सहमति के साझा स्थल तलाशने के बजाय सिर्फ जीत हासिल करने की होड़ है। खबर है कि एक बड़े चैनल की एंकरानी के तेवर और सवालों से परेशान होकर सभी चैनल एंकरों को डांटते रहने वाले पीके ने उसे गोदी मीडिया कह दिया। उसके बाद वे काफी तमतमाईं और पीके कार्यक्रम छोड़कर चले गए। इस घटना को गोदी मीडिया अपने ढंग से भुना रहा है और पीके के समर्थक अपने ढंग से।

यह सब इसलिए हो रहा है कि सारा संवाद सत्ता की ताबेदारी या फिर पैसा कमाने के उद्देश्य से किया जा रहा है। संवाद की सारी कसौटी इन्हीं दो उद्देश्यों तक सीमित होकर रह गई है। ज्ञान और बौद्धिक कौशल, तर्क की शक्ति अब चालाकी और धूर्तता तक पहुंच गई हैं। किसी के पास कोई नया स्वप्न नहीं है। यही वजह है कि राजनेता और पत्रकार या तो अहंकार और लोभ से ग्रसित होकर झूठ और हिंसा की भाषा बोल रहे हैं या फिर कभी पिटते हुए तो कभी पीटते हुए हास्य पैदा कर रहे हैं। यानी अब वही संवाद ध्यान खींचते हैं जो निजी राग द्वेष पर केंद्रित हों और विकास और सरकार की उपलब्धियों के बारे में झूठे आंकड़ों पर आधारित हों। पत्रकारिता और संवाद इस दिशा में जाएंगे इसकी भविष्यवाणी आज के पंद्रह बीस साल पहले होने लगी थी।

समाचारों की दुनिया में इसे खबरों का फॉक्सीकरण कहा जाता था। फॉक्स न्यूज नामक चैनल की स्थापना 1996 में अनुदार विचारों के प्रचार के लिए की गई थी। इसे अमेरिका के तीन रिपब्लिकन राष्ट्रपतियों के मीडिया सलाहकार रहे रोजर ऐलेस ने शुरू किया था और उनका उद्देश्य तथ्य और वस्तुनिष्ठता की जगह पर दक्षिणपंथी विचारों का प्रचार करना था। उस समय उनका मकसद मुनाफा कमाना नहीं था। लेकिन जब इसे रुपर्ट मरडोक के न्यूज कॉरपोरेशन में अधिग्रहण कर लिया तो वह जबरदस्त मुनाफे का कारोबार हो चला। समाचार देने और संवाद करने की पक्षपातपूर्ण शैली पहले अमेरिकी मीडिया का ट्रेंड बनी और बाद में यह चलन पूरी दुनिया में चल निकला।

लेकिन पूंजी और प्रौद्योगिकी के लाभोन्मुखी रुख के कारण प्रकट हुई यह प्रणाली राजनीति में भी ट्रंपीकरण और मोदीकरण के रूप में हावी हो गई। ध्यान देने की बात है कि पहले की राजनीति में विपक्ष आक्रामक रहता था और सत्तापक्ष आलोचना सुनता था। आज की राजनीति में सत्तापक्ष आक्रामक रहता है और विपक्ष के लोकवृत्त को भी हथिया लेता

है। भारत के चुनावों में एक दशक से यही होता आ रहा है और आज बिहार के चुनाव में भी यही हो रहा है-। नीतीश कुमार के 20 साल के शासन के बाद भी अगर कोई कटघरे में है तो वह है लालू और राबड़ी का 15 साल का शासन। उसे ही जंगल राज कह कर लोगों को डराया जा रहा है और अपने शासन को सुशासन, विकास का स्वर्ण काल वगैरह बताकर सत्ताविरोधी वातावरण निर्मित होने ही नहीं दिया जा रहा है। संवाद और विमर्श की इस शैली ने लोकतंत्र को लकवाग्रस्त कर दिया है। अब लोकतंत्र में व्यवस्था परिवर्तन करने की बात तो छोड़ दीजिए सत्तापरिवर्तन की करवट लेने की क्षमता भी बची नहीं लगती है।

आज तेजस्वी यादव भले डॉ राम मनोहर लोहिया के उस मुहावरे को दोहराएं कि लोकतंत्र में सरकारों को उलटते पलटते रहना चाहिए नहीं तो रोटी जल जाती है लेकिन जनता लोकलुभावन कार्यक्रमों की कच्ची और आधी जली रोटी में ही मस्त दिखती है।

विडंबना देखिए कि रोटियां उलटने पलटने की कभी कोशिश करने वाले नीतीश कुमार अपनी सत्ता लोलुपता और दूसरे राज्यों में जनता का रुख देखकर एक हास्यास्पद चरित्र बन चुके हैं। उनकी अब ऐसी साख नहीं है और ही ऐसी शारीरिक और बौद्धिक क्षमता बची है कि वे बिहार में किसी बुनियादी परिवर्तन का आह्वान करें। सन 2022 से 2024 तक उन्होंने सारे देश में एक नई आशा का संचार किया था उसे जाति जनगणना के मुकाम तक लाकर छोड़ दिया और फिर उन्हीं का दामन थाम लिया जो प्रतिक्रांति के अगुआ हैं। शायद कोई भी समाज अटल दल, पटक दल, झटक दल और जंगल राज बनाम सुशासन के जुमलों से ऊब गया होगा। बिना घुसपैठिए के घुसपैठिए जैसा आख्यान कैसे लोग स्वीकार कर रहे होंगे यह सोचने का विषय है। अगर उसका आधार सिर्फ मुस्लिम द्वेष है तो क्या बिहार उत्तर प्रदेश जैसा मुस्लिम द्वेषी राज्य बनने को तैयार है यह अहम सवाल है।

बिहार जैसे सर्जनात्मक राज्य को कम से कम भाषा के स्तर पर कुछ नया नारा ही मिला होता तो अच्छी बात होती। तेजस्वी यादव बिहारी बनाम बाहरी की बहस जरूर चला रहे हैं पर वे बिहार के विकास के किसी मॉडल की बात नहीं कर पा रहे हैं। फिर सवाल यह भी है कि क्या यह नारा ममता बनर्जी के बंगाल की तरह कारगर हो पाएगा? एक ओर सरकारी विज्ञापनों में यह जताया जा रहा है कि छठ के अवसर पर सरकार ने बिहार के लिए 12000 गाड़ियां चला दी हैं तो दूसरी हजार 1200 से ज्यादा गाड़ियों का पता ही नहीं मिल पा रहा है। लोग दो दो किलोमीटर लंबी लाइन लगाकर गाड़ी पकड़ते हैं और मवेशियों की तरह से डिब्बों में भर कर अपने घरों को लौट रहे हैं। बिहार का वह श्रमिक वर्ग धन्य है जो कश्मीर से लेकर तमिलनाडु तक रोजगार के लिए सारे जोखिम और कष्ट उठाता है और देश की सेवा करता है। लेकिन लानत है बिहार के उस शासक वर्ग पर जो बिहार के विकास के किसी वैकल्पिक मॉडल को न तो सामान्य स्थितियों में और न ही चुनाव में गंभीर मुद्दा बना पाता है। दिल्ली और मुंबई में बैठी बिहार की प्रतिभाओं ने उस प्रदेश का लोहा तो हर जगह मनवाया है लेकिन उसी ने अपने तमाम सांस्कृतिक उत्पादों यानी फिल्मों, धारावाहिकों और दूसरे कार्यक्रमों से बिहार को बदनाम भी बहुत किया है। उसने बिहार की छवि को अपराधी, भ्रष्ट और जातिवादी बना रखा है। किशन पटनायक कहते थे कि देश और विशेषकर बिहार को कम से कम एक बार ऐसी राजनीति की जरूरत पड़ेगी जिससे उसकी संस्थाएं सुधर जाएं, उसके भीतर से सच्चे और समर्पित और निष्कलुष लोग पैदा हो जाएं।

तेजस्वी यादव की यह बात सही है कि बिहार को अपमानित करने और बरगलाने के लिए बाहरी लोगों के हवाले नहीं छोड़ा जा सकता लेकिन सवाल यह है कि क्या बिहार के लोग अपने भीतर से राजेंद्र प्रसाद, जयप्रकाश नारायण और कर्पूरी ठाकुर जैसे ईमानदार और कर्मठ लोग पैदा करने को तैयार हैं?

-अरुण कुमार त्रिपाठी
(पत्रकार, प्रोफेसर)

इंदौर बाजार भाव –

इंदौर। कमजोर उठाव के चलते मंगलवार को किराना जिंसों में शक्कर बाजार मंदी पर रहे। कालीमिर्च व जीरे में बाजार मजबूत रहे। खाद्य तेलों में सींगदाना तेल मजबूत रहा। दलहनों में बाजार बने रहे।

व्यापारिक सूत्रों के अनुसार शक्कर में त्यौहारी माँग की सुस्तता के बाद भावों में मंदी आ गयी है। कालीमिर्च व जीरा पूर्वस्तर पर मजबूत बना रहा। खाद्य तेलों में बाजार मजबूती पर रहे। दलहनों में विशेष तेजी मंदी का अभाव रहा। चना 5850-5900 रू. प्रति क्किं?टल पर मजबूत रहा। भाव इस प्रकार रहे –

किराना – शक्कर 4210-4280, खोपरा गोला 320-375, खोपरा बूरा 4000-6100 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 211-215, ऊंझा हल्का 245-228, मीडियम 232-240, बेस्ट 251-265, हल्दी निजामाबाद 170-210, सांगली 265-270, साबूदाना हल्का 4800-4900, मीडियम 5000-5100, बेस्ट 5100-5200, सच्चा मोती 5300, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 101-125, बेस्ट 145-225, एस्ट्रा बेस्ट 275-350, सौंफ बारि?क 95-125, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 751-781, गरबल 715-725, मटरदाना 790-801, खसखस अनक्लीन 750-950, क्लीन 1050-1250, दालचीनी 220-245, जायफल 715-785, वाद्यान फूल 375-565, शाहजीरा 425, तेजपान 90-97, पत्थर फूल 235-260, जावत्री 1650-1975, नाग केसर 885-925, सौंठ 275-450, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 725-750, बेस्ट 780-791, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 100-135, सिंदूर 6600, देशी कपूर 720-770, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची 2850-2925, मीडियम 2975-3175, बेस्ट 3225-3375, एक्ट्रा बोल्ड 3500-3551, पानबार 2700, बड़ी इलायची 1475-1575, बेस्ट1825-2050, तरबूज मगज 521-525, काजू (240) 885-925, काजू (320) 850-861, काजू एस. डब्ल्यू 835-840, काजू एस.एस. डब्ल्यू 850-860, काजू जे.एच. 810-820, टुकड़ी 785-795, बादाम मगज 840-851, कैलिफोर्निया 771-785, अखरोट 575-725, बेस्ट 815-850, अखरोट गिरी 1250-1650, जर्दालु 375-475, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 500-550, बेस्ट 625-725, इंडियन 375-391, बेस्ट 401-425, चारौली 1650-1750, बेस्ट 1850-1950, मुनक्का 350-650, बेस्ट 800-925, अंजीर 851-1075, मखाना 675-875, बेस्ट 975-1115, खारक 75-85, मीडियम 95-125, बेस्ट 175-275, पिस्ता पिशोरी 2850-2900, कंधारी 2350, नमकीन पिस्ता 875-1075, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 3800-3850, (160) 4200-4250, (200) 4500-4750, (250) 5300-5400

तेल – सींगदाना 1400-1420, मुम्बई 1420, राजकोट तेलिया 2205, सोया साल्वेंट 1175-1180, सोया रिफाइंड 1250-1255, कपास्या 1255, धूलिया 1260, कड़ी 1260,

रात की धारणा – गुजरात लुज 1375, मुम्बई पाम 1285, मुम्बई सोया 1285,

खली – कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2400, देवास-उज्जैन 2400, खंडवा-बुरहानपुर 2375, अकोला 3800 (प्रति क्किं?टल)

तिलहन – सरसो 7000-7100, रायडा 6200-6300, सोयाबीन 4200-4300, नया सोयाबीन 3800-4100, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन – चना कांटेवाला बेस्ट 5850-5900, एवरेज 5200-5300, विशाल 5450-5550, काबूली डॉलर 8500-9000, काबुली रशि?यन 5600-5800, बिटकी 5300-5400, मसूर बेस्ट 5950-6000, एवरेज 5850-5900, मूंग देशी 7800-7900, पाला 7900-8000, चमकी 8000-8100, नायलोन 8000-8100, तुअर निमाड़ी बेस्ट 6800-6900, एवरेज 6600-6700, हल्की 6400-6500, तुअर महाराष्ट्र 6800-6900, उड़द बेस्ट 7600-7700, एवरेज 7400-7500, शंकर 7200-7300, हल्की 7000-7100,

दाल – चना दाल एवरेज 7200-7400, मीडियम 7400-7500, बोल्ड 7700-7900, तुअर दाल सवा नं. 7300-7400, तुअर दाल फूल 9000-9100, तुअर दाल बोल्ड 9900-10100, मसूर दाल एवरेज 7700-7800, बेस्ट 7900-8100, मूंग दाल 9100-9200, बोल्ड 9500-9700, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज – गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल – चावल हंसा सफेद 3000-3200, सेला 3600-3800, परमल 3500-3800, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8900, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 4500-6000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा – इन्दौर 380, उज्जैन 280, रतलाम 34.0 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार –

इन्दौर । विश्व बाजार में बनी जोरदार गिरावट से मंगलवार को स्थानीय सराफा बाजार में दोनों कीमती धातुओं में बाजार मंदी के रहे। भाव इस प्रकार रहे – चाँदी (9999) 142500, चाँदी (99) 142000, टंच 141500, सिक्का 1800, सोना 10 ग्राम 119000,

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को रुपया 10 पैसे की गिरावट के साथ ही 88.29 पर बंद हुआ। आयातकों की ओर से माह के अंत में डॉलर की बढ़ती मांग और वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी से रुपया आज सुबह 21 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 88.40 पर आ गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 88.34 प्रति डॉलर पर खुला। फिर डॉलर के मुकाबले 88.40 पर आ गया जो पिछले बंद भाव से 21 पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया सोमवार को 36 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 88.19 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.12 प्रतिशत की गिरावट के साथ 98.66 पर आ गया।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुंबई । भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिलेजुले संकेतों के साथ ही बिकवाली वाली रहने से आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 150.68 अंक नीचे आकर 84,628.16 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 29.85 अंक टूटकर 25,936.20 पर बंद हुआ था। वहीं व्यापक बाजार में भी हल्की गिरावट देखने में आई पर बैंकिंग और मेटल शेयरों में बढ़त रही। । निफ्टी पीएसयू बैंक 1.21 फीसदी और निफ्टी बैंक 0.17 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुए। वहीं निफ्टी मेटल 1.23 फीसदी, निफ्टी इन्फ्रा 0.15 फीसदी और निफ्टी कमोडिटीज 0.14 फीसदी उछलकर बंद हुआ। निफ्टी ऑटो 0.42फीसदी, निफ्टी आईटी 0.74 फीसदी, निफ्टी फार्मा 0.27 फीसदी, निफ्टी एफएमसीजी 0.57 फीसदी, निफ्टी रियल्टी 1.05 फीसदी और निफ्टी एनर्जी 0.34 फीसदी नीचे आकर बंद हुआ।

दूसरी ओर निफ्टी मिडकैप और निफ्टी स्मॉलकैप में भी मिश्रित कारोबार हुआ। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 14 अंक की हल्की गिरावट के साथ 59,765.35 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 4 अंक बढ़कर 18,407.60 पर बंद हुआ। सेंसेक्स पैक में टाटा स्टील, एलएंडटी, एसबीआई, कोटक महिंद्रा बैंक, भारती एयरटेल, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल, इटरनल (जोमैटो) और एचडीएफसी के शेयर ऊपर आये जबकि आईसीआईसीआई बैंक, टेक महिंद्रा, बजाज फिनसर्व, एमएंडएम, पावर ग्रिड, टीसीएस, बजाज फाइनेंस, एनटीपीसी, एचसीएल टेक, एक्सिस बैंक और अल्ट्राटेक के शेयरों को नुकसान हुआ ।

वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। सुबह सेंसेक्स की 84,625.71 अंक पर शुरुआत की, जो पिछले बंद से 153.13 अंक नीचे था। इसी तरह निफ्टी 50 ने 25,939.95 के स्तर पर ओपनिंग की और इसमें 0.1 फीसदी की गिरावट देखी गई। निफ्टी बैंक भी कमजोर शुरुआत के साथ 58,006.55 अंक पर खुला, जो 0.18 फीसदी की गिरावट दिखा रहा है। वहीं एशिया-प्रशांत क्षेत्र के ज्यादातर बाजार मंगलवार को गिरावट में रहे। नवीनतम आंकड़ों के मुताबिक, जापान का निक्केई 0.25 फीसदी गिरा, टॉपिक्स इंडेक्स 0.49 फीसदी नीचे आया, दक्षिण कोरिया का कोस्पी 1.4 फीसदी टूटा, और ऑस्ट्रेलिया का एएसएक्स 200 0.31 फीसदी कमजोर हुआ।

सरकारी बैंकों में एफडीआई सीमा 49 फीसदी तक बढ़ाने की तैयारी में सरकार

- योजना के तहत सरकार बैंकों में कम से कम 51 फीसदी हिस्सेदारी अपने पास रखेगी

नई दिल्ली। सरकार सरकारी बैंकों में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की सीमा बढ़ाने पर गंभीरता से विचार कर रही है। फिलहाल यह सीमा 20 फीसदी है। प्रस्ताव है कि इसे 49 फीसदी तक बढ़ाया जाए। योजना के तहत सरकार बैंकों में कम से कम 51 फीसदी हिस्सेदारी अपने पास रखेगी, जिससे सरकारी नियंत्रण सुरक्षित रहेगा। वर्तमान में निजी बैंकों में एफडीआई सीमा 74 फीसदी है। सरकार का मानना है कि सीमा बढ़ाने से सरकारी बैंकों को अधिक पूंजी जुटाने में मदद मिलेगी और वे वित्तीय रूप से मजबूत बन सकेंगे। यह कदम निजी और सरकारी बैंकों के बीच निवेश संबंधी नियमों में समानता भी लाएगा। विदेशी निवेशकों की रुचि तेजी से बढ़ रही है। दुबई की एमिरेटेस एनबीडी ने हाल ही में आरबीएल बैंक में 60 फीसदी हिस्सेदारी 3 अरब डॉलर में खरीदी, जबकि जापान की एसएमबीसी ने मई 2025 में यश बैंक बैंक में 20 फीसदी हिस्सेदारी हासिल की। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने इस प्रस्ताव पर राय देने के लिए कहा है। आरबीआई अभी भी मामले-दर-मामले मंजूरी देता है ताकि सौदों की गहन जांच हो सके।

सोने का भाव लगभग 1.15 लाख तक आ सकता है-रिपोर्ट

नई दिल्ली। अक्टूबर की शुरुआत में रिकॉर्ड ऊंचाई तक पहुंचने के बाद सोने ने फिलहाल ब्रेक लिया है। एमसीएक्स पर 10 ग्राम के लिए सोना लगभग 1.21 लाख पर कारोबार कर रहा है। पिछले कुछ महीनों में सोने की कीमत 75,000 से 1.30 लाख तक बढ़ चुकी थी। विशेषज्ञों के अनुसार, इस तेज बढ़ोतरी के बाद 10-15 फीसदी की गिरावट स्वाभाविक थी। बाजार के जानकारों का कहना है कि सोने का भाव लगभग 1.15 लाख रुपए तक आ सकता है। गिरावट के बावजूद सोने की मांग मजबूत है। यदि कीमतें दीवाली और शादी के सीजन से पहले थोड़ी और गिरती हैं, तो खरीदारी में और तेजी आने की संभावना है। निवेशक ज्वेलरी, सिक्के और डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से सोने में निवेश कर रहे हैं। अमेरिकी शटडाउन और राजनीतिक अनिश्चितताओं ने निवेशकों के मनोबल पर असर डाला है। इसके कारण अमेरिकी फेडरल रिजर्व पर ब्याज दरें घटाने का दबाव बढ़ सकता है, जिससे सोने की मांग और मजबूत हो सकती है। चांदी ने भी सोने का रुख अपनाया, लेकिन लगभग 9 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। मुनाफा वसूली, अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में वृद्धि और सप्लाई की सहजता इसके मुख्य कारण रहे। इसके बावजूद इलेक्ट्रिक वाहन और सोलर सेक्टर की बढ़ती मांग चांदी के दीर्घकालीन फंडामेंटल को मजबूत बनाए रखती है।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपके लिए बाकी दिनों की तुलना में बेहतर रहने वाला है। आपको किसी नए पद की प्राप्ति होने से आपका मन काफी खुश रहेगा। विद्यार्थियों को पढ़ाई-लिखाई में एकाग्र होकर जुटना होगा, तभी उन्हें कोई अच्छी सफलता हासिल होती दिख रही है। आप किसी विरोधी के बातों में ना आएं। आपको छोटी-छोटी लाभ की योजनाओं से भी बेहतर लाभ मिलेंगे। बिजनेस में आपको अच्छी सफलता मिलेगी, लेकिन प्रॉपर्टी को लेकर कोई बवाल खड़ा हो सकता है।

वृषभ- आज आपके मन में प्रतिस्पर्धा का भाव बना रहेगा। आप अपने वाणी की सौम्यता से लोगों का दिल जीतने में कामयाब रहेंगे। सामाजिक कार्यक्रमों से जुड़कर आप अच्छा नाम कमाएंगे। कोई राजनीतिक मामला आपको समस्या दे सकता है। आप किसी लंबी दूरी पर की यात्रा पर जाने की प्लानिंग कर सकते हैं। विद्यार्थियों के उच्च शिक्षा के मार्ग प्रशस्त होंगे। आप किसी मनोरंजन के कार्यक्रम में सम्मिलित हो सकते हैं।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए धैर्य और संयम से काम लेने के लिए रहेगा। कारोबार में आप कोई बड़ा जोखिम उठाने से बचें। आपको अपने कामों में स्पष्टता बनाए रखनी होगी। सरकारी योजनाओं का आपको पूरा लाभ मिलेगा। आपको काम को लेकर यदि कोई समस्या थी, तो वह भी दूर होती दिख रही है। आपको अपने माता-पिता की सेवा करने से सुकून मिलेगा, जिससे आपके काम भी पूरे होंगे।

कर्क- आज आपकी नेतृत्व क्षमता बढ़ने से खुशी होगी और कार्यक्षेत्र में आपको टीमवर्क के जरिए काम करने का मौका मिलेगा। दांपत्य जीवन आनंदमय रहेगा। छोटे बच्चों के लिए आज आप कोई उपहार लेकर आ सकते हैं। धन-धान्य में वृद्धि होने से आज आपकी खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। आपकी यदि कोई प्रिय वस्तु खो गई थी, तो उसके भी आपको मिलने की पूरी संभावना है। आप अपने घर किसी नए वाहन को लेकर आ सकते हैं।

सिंह राशि- आज का दिन नौकरी में कार्यरत लोगों के लिए बढ़िया रहने वाला है, जिसमें आपको मनपसंद काम मिलेगा और आप मेहनत से काम करके एक अच्छा मुकाम हासिल करेंगे। आज आपकी कुछ नए लोगों से मुलाकात होगी, जो आपके शुभचिंतक हो सकते हैं। आपको अपने कामों में स्पष्टता बनाए रखनी होगी। आप किसी विरोधी की बातों में ना आएं। कोई सरकारी मामला आपको टेंशन दे सकता है, इसलिए उसे समय से निपटाने की पूरी कोशिश करें।

कन्या - आज का दिन आपके कार्यों में सफलता लेकर आएगा। प्रेम और सहयोग की भावना आपके मन में बनी रहेगी। आपका कोई पुराना लेनदेन चुकता करना होगा, लेकिन आप अपने खर्चों को लेकर बजट बनाकर ही आगे बढ़े, नहीं तो आप बेफिजूल के खर्चों को पहले करेंगे।

तुला- आज का दिन आपके लिए करियर के लिहाज से अच्छा रहने वाला है। आपको डूबा हुआ धन मिलने से आज आपको खुशी होगी। आपकी कोई मन की इच्छा की पूर्ति होने से आपकी खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा।

वृश्चिक- आज आपके चारों ओर का वातावरण खुशनुमा रहेगा। आप सबको साथ लेकर चलने की कोशिश में कामयाब रहेंगे। आपको किसी की सलाह पर ना चले और आपका कोई सहयोगी आपकी मदद के लिए आगे आएगा। आपका कोई पुराना रोग उभर सकता है, जो आपकी टेंशनों को बढ़ाएगा।

धनु- आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। आपको कार्यक्षेत्र में भी कोई बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है। आपका पद भी ऊंचा होगा और आपको इंक्रीमेंट भी मिल सकता है। आपका कोई मित्र आपके कामों में बाधा अटकाने की कोशिश करेगा।

मकर- आज का दिन आपके लिए रचनात्मक कार्यों में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेने के लिए रहेगा। आज आपका आत्मविश्वास भी मजबूत रहेगा। आप किसी गरीब की मदद के लिए आगे आएंगे। राजनीति में आपको कोई सम्मान की प्राप्ति हो सकती है।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए बढ़ते खर्चो पर लगाम लगाने के लिए रहेगा और आपको अपने आसपास रह रहे विरोधियों को पहचानने की आवश्यकता है। किसी अजनबी की बातों में आकर कोई इंवेस्टमेंट ना करें। संतान पक्ष की ओर से आपको कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है।

मीन- आज का दिन आपके लिए कोई बड़ी उपलब्धि लेकर आने वाला है। आपकी पद और प्रतिष्ठा बढ़ने से आपको काम को लेकर कोई बेहतर अवसर हाथ लगेगा। आपके सहयोगी कामों में पूरा साथ देंगे, लेकिन आपकी वाणी पर आपको थोड़ा संयम रखने की आवश्यकता है। आप किसी की कही सुनी बातों पर बिल्कुल भरोसा ना करें। परिवार में किसी सदस्य के विवाह में आ रही बाधा भी दूर होगी। वैवाहिक जीवन खुशनुमा रहेगा।

शब्दजाल- 8063

यु	क	दो	यु	ला	प	र	तू	ग	झ	क
ज	ग	ल	प	ह	रिं	पू	ना	दि	शा	को
अं	इ	पु	म	सं	दा	ल	श	र	ला	ल
क	कु	दा	रु	धा	ब	क	प	रि	श	र
क	ति	श	न्न	ष	क	र	री	ग	वी	ता
द	रं	ल	प	व	गा	र्त	ऐ	ती	प	रु
ती	गा	ल	श	अं	प	म	क्रां	कौ	ला	व
क	बा	अ	ब	त	क	छ	प्प	न	श	जू
क	स	थो	तें	व	न	ज	द	शा	जू	द
द	र	ल	प	ति	रं	र्त	ऐ	बें	प	रु
थो	ड़	सा	रु	मा	नी	हो	जा	एं	प	क

शब्द जाल में नाना पाटेकर की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

अंकुश, अब तक छप्पन, अंगार, तिरंगा, दिशा, वजूद, क्रांतीवीर, परिंदा,युगपुरुष, थोड़ा सा रुमानी हो जाएं.

शब्दजाल - 8062 का हल

या	ज	गा	र	ग	ब	ज	क	प	ल	क
दें	वा	ज	क	या	ज	का	मौ	स	जि	ड़
क	ह	या	य	र्म	छ	स	या	ता	य	क
क	र	ल	र	दे	वी	स	न	ल	श	क
ज	इ	ल	म	सं	व	ज	श	र	ला	ल
क	ज	दा	ई	र	ब	ज	फ	लो	श	ज
क	ज	चे	दा	ई	क	स	री	ग	प	न
द	र	मी	प	व	ज	ना	र्द	न	ज	स
क	जि	ल	ज	न	व	री	ऐ	नी	प	ह
क	मी	ल	प	द	या	स	मा	ज	स	यो
का	न	चे	ल्न	ई	क	ज	री	ग	प	ग

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7007

बायें से दायें:-

१. नाना, सलमान, सीमा, मनीषा की 'आज मैं ऊपर' गीत वाली फिल्म-३
३. 'जै जै शिवशंकर' गीत वाली संजीव कुमार, राजेश, मुमताज की फिल्म-३,३
७. धर्मेन्द्र, मनोजकुमार, सायराबानो की 'आज की रात नया चांद' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'एक तेरा साथ हमको' गीत वाली अजय, मा.सत्यजीत, अलका की फिल्म-३
११. मनोजकुमार, बबीता की 'वो परी कहां से लाऊं' गीत वाली फिल्म-४
१२. 'राम हो क्या तुम' गीत वाली राजेश खन्ना, श्रीदेवी की फिल्म-२,३
१४. फिल्म 'बावरे नैन' में राजकुमार के साथ नायिका कौन थी?-२
१६. अमिताभ, नीतूसिंह की 'छूकर मेरे मन को' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'रंग चला बहार चली' गीत वाली राजेश खन्ना, ऋषि कपूर, पूनम ढिल्लों की फिल्म-३
१९. नसीरूद्दीनशाह, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की 'ये उजली चांदनी जब' गीत वाली फिल्म-२
२०. 'दिल ने चाहा है क्या' गीत वाली सनी देओल, फरहा की फिल्म-३
२१. फिल्म 'चोरी चोरी' में अजय देवगन के साथ नायिका कौन है. ?-२
२२. संजयदत्त, फरहा की 'ओ गुड़िया ओ बहना' गीत वाली फिल्म-३
२४. 'तूने जिंदगी में आके' गीत वाली बॉबी देओल, अक्षय खन्ना, अमीषा पटेल की फिल्म-४
२७. अमिताभ, वहीदा, नीतू सिंह की 'हमको ऐसा वैसा ना' गीत वाली फिल्म-४
२८. फिल्म 'मासूम' का नायक था-२,३

ऊपर से नीचे:-

१. 'वादा रहा' गीत वाली अमिताभ, अजय, अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२. मिथुन चक्रवर्ती, मुनमुन सेन की १९८६ की एक फिल्म-२
४. 'एक चतुर नार' गीत वाली सुनीलदत्त, किशोरकुमार, सायराबानो की फिल्म-४
५. अनिल, जैकी, पूजा भट्ट की 'जो मांगा था ख्वाब में' गीत वाली फिल्म-२,१,२
६. 'रूकी रूकी सी जिंदगी' गीत वाली आफताब, उर्मिला की फिल्म-२
८. अजय देवगन, अक्षय, उर्मिला की 'ये ताजगी ये सादगी' गीत वाली फिल्म-४
९. 'राजा की आयेगी बरात' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
११. राकेश रोशन, हेमा की 'आज उनसे पहली' गीत वाली फिल्म-३,२
१३. 'जाना तेरे प्यार में' गीत वाली अश्मित पटेल, इमरान हाशमी, मल्लिका की फिल्म-३
१५. प्रदीपकुमार, बीना राय की 'पाँव छू लेने दो' गीत वाली फिल्म-५
१७. 'रूखी सूखी रोटी' गीत वाली अनिलकपूर, रानी मुखर्जी की फिल्म-३
१९. फिल्म 'प्यार कोई खेल नहीं' में महिमा के साथ नायक कौन था-२
२१. 'अकेले हैं चले आओं' गीत वाली राजेशखन्ना, बबीता की फिल्म-२
२३. राजकुमार, राजेश खन्ना, माला की 'चुपके से दिल देदे' गीत वाली फिल्म-३
२५. फिल्म 'गाँवार' में नायक कौन था-३
२६. 'मैं प्यासा तुम सावन' गीतवाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 7006

दे	व		प्रे	म	क	हा	नी		जी
व		तु	म		सू		तू	फा	न
ता	ल		पु	का	र		सिं		त
	क्ष्य		जा			तो	ह	फा	
नी		मे	री	जं	ग			गु	स्त
क	बी	ला		ग		प्या		न	
री			सो	ल	वां	सा	ल		दा
	जु	ग	नू		टे		व	ही	दा
ध	र्मा				ड		स्ये		गि
	ना	जा	य	ज		चो	री	चो	री

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

29 अक्टूबर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

बुधवार 2025 वर्ष का 302 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** शरद।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास कार्तिक **पक्ष** शुक्ल
तिथि सप्तमी 09.24 बजे को समाप्त।
नक्षत्र उत्तराषाढ़ा 17.30 बजे को समाप्त।
योग धृति 07.51 बजे को समाप्त।
करण वणिज 09.24 बजे तदनन्तर विष्टि 21.51 बजे को समाप्त।

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	तुला में	वृश्चिक	07.30 ब.से
चंद्र	मकर में	धनु	09.46 बजे से
मंगल	वृश्चिक में	मकर	11.51 बजे से
बुध	वृश्चिक में	कुंभ	13.38 बजे से
गुरु	कर्क में	मीन	15.11 बजे से
शुक्र	कन्या में	मेष	16.41 बजे से
शनि	मीन में	वृष	18.21 बजे से
राहु	कुंभ में	मिथुन	20.20 बजे से
केतु	सिंह में	कर्क	22.33 बजे से
राहुकाल		सिंह	00.49 बजे से
12.00 से 1.30		कन्या	03.01 बजे से
बजे तक		तुला	05.12 बजे से

चन्द्रायु 07.5 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 13° 28'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872512
जूलियन दिन 2460977.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जमादि उल्लावल
तारीख 06
विशेष जलाराम बापा जयंती।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	05.54 से	07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से	07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से	08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से	08.44 बजे तक
काल	08.15 से	10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से	10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से	11.47 बजे तक	चर	10.16 से	11.47 बजे तक
रोग	11.47 से	01.16 बजे तक	रोग	11.47 से	01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से	02.44 बजे तक	काल	01.19 से	02.51 बजे तक
चर	02.44 से	04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से	04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से	05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: बुद्धिमान कौन

वजीर के अवकाश लेने के बाद बादशाह ने वजीर के रिक्त पद पर नियुक्ति के लिए उम्मीदवार बुलवाए। कठिन परीक्षा से गुजर कर 3 उम्मीदवार योग्य पाए गए। तीनों उम्मीदवारों से बादशाह ने एक-एक कर एक ही सवाल किया, 'मान लो मेरी और तुम्हारी दाढ़ी में एकसाथ आग लग जाए तो तुम क्या करोगे?' 'जहाँपनाह, पहले मैं आप की दाढ़ी की आग बुझाऊँगा,' पहले ने उत्तर दिया। दूसरा बोला, 'जहाँपनाह पहले मैं अपनी दाढ़ी की आग बुझाऊँगा।' तीसरे उम्मीदवार ने सहज भाव से कहा, 'जहाँपनाह, मैं एक हाथ से आपकी दाढ़ी की आग बुझाऊँगा और दूसरे हाथ से अपनी दाढ़ी की।' इस पर बादशाह ने फरमाया, 'अपनी जरूरत नजरंदाज करने वाला नादान है। सिर्फ अपनी भलाई चाहने वाला स्वार्थी है। जो व्यक्तिगत जिम्मेदारी निभाते हुए दूसरे की भलाई करता है। यही बुद्धिमान है।' इस तरह बादशाह ने वजीर के पद पर तीसरे उम्मीदवार की नियुक्ति कर दी।

सूडोकु नवताल- 7316

★☆☆☆☆ सरल

5	9			3			8	7
8	7		1		5			
		2			9			4
	6				2		3	5
3	8		4	1	7		2	9
2	4		6				1	
7			3			8		
			5		8		7	3
9	3			2			6	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7315 का हल

7	4	8	3	9	2	1	5	6
2	6	9	5	7	1	8	4	3
3	1	5	4	8	6	7	2	9
5	7	4	8	6	9	3	1	2
8	9	1	2	3	4	6	7	5
6	3	2	1	5	7	4	9	8
4	8	7	6	2	5	9	3	1
9	2	6	7	1	3	5	8	4
1	5	3	9	4	8	2	6	7

शब्द पहेली - 8531

बाएँ से दाएँ

1. सिंह, शेर-3
6. कृषि पैदावार-3
7. कमल सरोवर-5
8. बारीक-3
10. जरा, थोड़ा-2
12. वाराणसी-4
15. टूटना, तड़कना-4
17. शराब, मदिरा-2
19. बुद्धि, मति-3
21. सेवा,, चाकरी, देखभाल-5
23. कर्म, भाग्य-3
24. यज्ञ, होम-3

ऊपर से नीचे

2. आक्रमणकारी-5
3. समा, माहौल-3
4. आर्द्रता, नमी-3
5. चट्टान (अंग्रेजी-2)
6. अंतर, फर्क-3
9. षष्ठीपूर्ति, 60 वर्ष पूरे होना-3
11. नशा, खुमार-2
13. नरम, मुलायम-3
14. एक जैसा, समान-2
16. सार-संभाल-2,3
18. अनाथ, बेसहारा-3
19. खालिस, शुद्ध-3
20. फालिज, पक्षाघात-3
22. क्रोध, खीज, गुस्सा-2

शब्द पहेली -8530 का हल

	बे	चा	रा		जी	व	न	
कि	ला		ई		न		भ	ला
ता		क	स	र	त			य
ब	द	ला		थ		ह	ल	क
		का	ष्ठ		म	नु		
म	क्का	र		रा		मा	म	ला
ही			अ	न	ब	न		न
ना	ग		द		हा		भा	त
	म	ल	ना		व	च	न	

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

लांजी पुलिस ने लूट के मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर निकाला जुलूस

पद्मेश न्यूज। लांजी। थाना लांजी पुलिस ने लूट की वारदात में शामिल मुख्य आरोपी को गिरफ्तार करने के बाद मंगलवार को नगर में उसका जुलूस निकालकर अपराध के खिलाफ सख्त संदेश दिया। पुलिस ने थाने से आरोपी को पैदल नगर भ्रमण कराया और इस दौरान पुलिस हमारी बाप है, अपराध करना पाप है जैसे नारे लगवाए गए, जिससे जनता में कानून और व्यवस्था के प्रति विश्वास बढ़ाया जा सके।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, थाना लांजी में अपराध क्रमांक 261/2025 धारा 331(6), 309(4) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया था। जांच के दौरान पुलिस ने आरोपी निकेश कबीरे पिता चेतनलाल कबीरे (उम्र 27 वर्ष), निवासी ग्राम बेनेगांव, थाना लांजी को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपी ने अपना जुर्म कबूल करते हुए बताया कि उसने अपने एक परिचित साथी के साथ मिलकर लूट की योजना बनाई थी।

पुलिस ने आरोपी निकेश कबीरे के कब्जे से घटना में प्रयुक्त गमछा एवं लूटी गई राशि बरामद कर ली है। वहीं उसके अन्य साथियों की तलाश जारी है, जिनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है।

थाना प्रभारी ने बताया कि लांजी पुलिस अपराधियों पर सख्त कार्रवाई कर रही है और किसी भी प्रकार की आपराधिक गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जनता को भी जागरूक रहकर पुलिस का सहयोग करना चाहिए, ताकि क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनी रहे।

पुलिस द्वारा आरोपी का जुलूस निकालने की इस कार्रवाई ने नगर में चर्चा का विषय बना दिया। कई लोगों ने पुलिस की तत्परता और सख्त कदम की सराहना की, वहीं अन्य लोगों ने कहा कि ऐसी कार्यवाही से अपराधियों में भय और आम नागरिकों में विश्वास दोनों बढ़ेगा।

लांजी पुलिस की यह पहल न केवल अपराधियों के लिए चेतावनी है बल्कि समाज के लिए भी यह स्पष्ट संदेश देती है कि —अपराध का अंजाम केवल सजा है, और कानून से बड़ा कोई नहीं।

देवलगांव में पारंपरिक मड़ई-मेला 30 को

पद्मेश न्यूज। लांजी। क्षेत्र के ग्राम देवलगांव में आगामी 30 अक्टूबर 2025, गुरुवार को पारंपरिक मड़ई मेला का भव्य आयोजन किया जा रहा है। यह मेला गांव की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और धार्मिक परंपराओं का प्रतीक है, जो हर साल ग्रामीणों में उत्साह और एकता का संचार करता है। आयोजन स्थल श्री कृष्ण मंदिर बाजार चौक, देवलगांव को चुना गया है, जहां पूरे दिन विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान, सामाजिक गतिविधियां और रात्रि में मनोरंजक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला दर्शकों को आकर्षित करेगी।

मड़ई मेला सुबह से ही शुरू हो जाएगा, जिसमें भगवान श्री कृष्ण की विशेष पूजा-अर्चना, भजन-कीर्तन और धार्मिक प्रवचन शामिल होंगे। ग्रामीण महिलाएं और बच्चे पारंपरिक वेशभूषा में भाग लेकर माहौल को और जीवंत बनाएंगे। दोपहर में सामाजिक कार्यक्रमों के तहत ग्रामवासियों के बीच आपसी सद्भाव, स्वच्छता अभियान और स्थानीय मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। इसके अलावा, मेले में छोटे-छोटे स्टॉल लगाए जाएंगे, जहां स्थानीय हस्तशिल्प, मिठाइयां और ग्रामीण उत्पाद बिक्री के लिए उपलब्ध होंगे, जो गांव की अर्थव्यवस्था को भी बढ़ावा देंगे।

रात्रि में मनोरंजन का मुख्य आकर्षण छत्तीसगढ़ी लोक कला और सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। रात्रि 10 बजे से छत्तीसगढ़ी लोकनाट्य मंच खैरागढ़ (जिला राजनांदगांव, छत्तीसगढ़) द्वारा गोरी तोर सुरता नामक आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुति दी जाएगी। यह नाट्य प्रस्तुति छत्तीसगढ़ की लोक कथाओं, नृत्य और संगीत पर आधारित होगी, जो दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर देगी। इसमें लोकप्रिय गायक करण वर्मा (नगपुरे) अपनी मधुर आवाज से छत्तीसगढ़ी गीतों की झड़ी लगा देंगे, जबकि प्रसिद्ध गायिका सोनी जी अपनी सुरमई प्रस्तुति से समां बांधेंगी। दोनों कलाकारों की जोड़ी मेले को यादगार बना देगी और दूर-दराज से आने वाले दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करेगी।

यह आयोजन सार्वजनिक मड़ई मेला उत्सव समिति एवं समस्त ग्रामवासी देवलगांव के संयुक्त तत्वावधान में हो रहा है। समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि मेला न केवल धार्मिक और सांस्कृतिक एकता को मजबूत करेगा, बल्कि गांव के युवाओं को अपनी परंपराओं से जोड़े रखने में भी सहायक होगा। ग्रामवासियों ने सभी क्षेत्रवासियों से परिवार सहित पधारकर कार्यक्रम में शामिल होने और आयोजन को सफल बनाने का अनुरोध किया है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय कार्यकारी मण्डल की तीन दिवसीय बैठक 30 से जबलपुर में

पद्मेश न्यूज। लांजी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की प्रतिवर्ष होने वाली 'अखिल भारतीय कार्यकारी मण्डल' की बैठक इस संघ शताब्दी वर्ष में मध्य प्रदेश के महाकौशल प्रांत के जबलपुर शहर में आगामी युगाब्द 5127, विक्रमी संवत 2082, कार्तिक शुक्ल अष्टमी, नवमी एवं दशमी अर्थात दिनांक 30-31 अक्टूबर एवं 1 नवम्बर 2025 को होने जा रही है।

अखिल भारतीय कार्यकारी मण्डल में संघ रचना के सभी 46 प्रांतों के प्रांत संघचालक, कार्यवाह तथा प्रचारक एवं सह प्रांत संघचालक, कार्यवाह तथा प्रचारक अपेक्षित रहते हैं। इस बैठक में संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत, सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले तथा सभी छह सह सरकार्यवाह एवं अन्य अखिल भारतीय कार्य विभाग प्रमुखों सहित कार्यकारिणी के सदस्य भी उपस्थित रहेंगे।

संघ के शताब्दी वर्ष का शुभारंभ हाल ही में संपन्न विजयादशमी के पावन पर्व पर नागपुर सहित देश भर में आयोजित विशेष उत्सवों से हुआ है। इस अवसर पर सरसंघचालक जी के उद्बोधन में प्रस्तुत महत्वपूर्ण मुद्दों के अनुवर्तन पर इस बैठक में चर्चा होगी। बैठक में शताब्दी वर्ष के सभी कार्यक्रमों की अभी तक तैयारियों की समीक्षा भी होगी। बैठक में सभी प्रांत अपनी शताब्दी योजनाओं के संदर्भ में विस्तृत वृत्त एवं विवरण प्रस्तुत करेंगे। वर्तमान समय के समसामयिक विषयों पर उपस्थित कार्यकर्ताओं द्वारा व्यापक विचार-विमर्श भी बैठक का महत्वपूर्ण हिस्सा रहेगा।

हमेशा की भांति वर्ष 2025-26 की निर्धारित वार्षिक योजना की समीक्षा तथा संघ कार्य के विस्तार का वृत्तांत भी लिया जाएगा। बैठक में विशेष कर संघ शताब्दी निमित्त सुनिश्चित संगठनात्मक लक्ष्यों को विजयादशमी 2026 तक पूर्ण करने के संबंध में विचार-विमर्श होगा।

संवेदनशील वनांचल ग्राम बोदरा व खुर्सीटोला में बाल विवाह निषेध पर विशेष जागरूकता शिविर लगा

पद्मेश न्यूज। लांजी। मध्य प्रदेश शासन के महिला एवं बाल विकास विभाग के दिशा-निर्देशों जिला कलेक्टर मृणाल मीणा एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग बालाघाट श्रीमती दीपमाला सोलंकी व मिशन शक्ति के डिस्ट्रिक्ट हब फॉर एंपावरमेंट ऑफ वूमेन के मिशन समन्वयक रचना चौधरी, केस वर्कर श्रीमती यनिता राहंगडाले के मार्गदर्शन एवं दिशा-निर्देशन में लांजी विकासखंड के अति संवेदनशील एवं वनांचल क्षेत्र बोदरा व खुर्सीटोला में बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ व देवउठनी ग्यारस 2025 के अवसर पर बाल विवाह के विरुद्ध विशेष जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में ग्राम पंचायत देवरबेली के ग्राम बोदरा तथा ग्राम पंचायत खुर्सीटोला के पंचायत भवन में मिशन शक्ति योजना के अंतर्गत बाल विवाह निषेध पर विशेष जागरूकता एवं साक्षरता शिविर का सफल आयोजन किया गया।

शिविर में वन स्टॉप सेंटर बालाघाट की श्रीमती गायत्री स्वामी ने बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ योजना, देवउठनी ग्यारस 2025 के अवसर पर बाल विवाह के विरुद्ध विशेष जागरूकता अभियान व बाल विवाह निषेध अधिनियम 2006, पास्को एक्ट, महिला हेल्पलाइन 181 तथा चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बाल विवाह के दुष्परिणामों, कानूनी दंड, महिला एवं बच्चों के अपराधों तथा घरेलू हिंसा जैसे गंभीर मुद्दों पर प्रकाश डाला। श्रीमती स्वामी ने ग्रामीणों को सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध मामले में तत्काल हेल्पलाइन पर संपर्क करने की सलाह दी।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सिविल न्यायालय लांजी से पैनल लॉयर धीरज वाहने ने बालकों के लैंगिक अपराधों से संरक्षण, गुड टच-बेड टच, महिला एवं बच्चों की तस्करी, बच्चों की शिक्षा, पीड़ित प्रतिकर योजना 2015 तथा एसिड अटैक पीड़ितों के लिए प्रतिकार राशि पर गहन चर्चा की। उन्होंने मोटर व्हीकल एक्ट, हिट एंड रन, राहबीर योजना, टोल फ्री नंबर 15100, निःशुल्क अधिवक्ता सुविधा तथा भरण-पोषण धारा 125 जैसे कानूनी प्रावधानों की विस्तार से व्याख्या की, जिससे उपस्थित ग्रामीणों को अपने अधिकारों की गहरी समझ प्राप्त हुई।

खुशबू महिला मंडल की अध्यक्ष सुश्री हाफिजा मिर्जा ने महिला एवं बच्चों के अपराधों तथा बाल विवाह के दुष्परिणामों पर जोर देते हुए कहा कि बाल विवाह न केवल कानूनी अपराध है, बल्कि यह समाज की प्रगति में बाधक भी है। स्वास्थ्य विभाग से आरिफ हुसैन ने चेतावनी दी कि बाल विवाह से बच्चों का शारीरिक, मानसिक एवं बौद्धिक विकास रुक जाता है, जिसके दूरगामी परिणाम समाज पर पड़ते हैं। उन्होंने ग्रामीणों से बाल विवाह रोकने में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में वन स्टॉप सेंटर से श्रीमती गायत्री स्वामी, खुशबू महिला मंडल अध्यक्ष सुश्री हाफिजा मिर्जा, धीरज वाहने (पी.एल.वी.), स्वास्थ्य विभाग से आरिफ हुसैन, सेक्टर पर्यवेक्षक श्रीमती रेखा सोनवाने एवं श्रीमती वसुंधरा घरडे, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाएं, किशोरी बालिकाएं, महिलाएं तथा बच्चे बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। शिविर के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता का संदेश घर-घर तक पहुंचाया गया।

बेमौसम बारिश व कीट प्रकोप से फसलों को भारी क्षति

एसडीओ राजस्व ने सर्वे के सख्त निर्देश जारी किए, पटवारी व कृषि विभाग की टीम मैदान में उतरीं

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी अनुभाग में विगत दिनों हुई बेमौसम बारिश तथा माहू व अन्य कीटों के प्रकोप से खरीफ फसलों को भारी नुकसान पहुंचा है। इससे क्षेत्र के हजारों किसान गहरे संकट में फंस गए हैं। किसानों की इस विकट स्थिति को देखते हुए कमलचंद सिंहसार अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं उपखंड मजिस्ट्रेट लांजी ने तत्काल प्रभाव से फसल क्षति सर्वे के विस्तृत निर्देश जारी किए हैं। आदेश के तहत संबंधित अधिकारियों को आपसी समन्वय स्थापित कर खेतों में पहुंचकर क्षति का आकलन करने और राहत प्रक्रिया शुरू करने को कहा गया है।

अनुविभागीय अधिकारी ने अपने आदेश में स्पष्ट किया है कि बेमौसम बारिश और कीट प्रकोप से धान सहित अन्य खरीफ फसलों को व्यापक क्षति हुई है। पूरे अनुभाग के ग्रामीण क्षेत्रों में किसान वर्ग बुरी तरह प्रभावित हुआ है। कई गांवों में फसलें पूरी तरह बर्बाद हो चुकी हैं, जिससे किसानों की आर्थिक स्थिति डांवाडोल हो गई है। इस संकट को ध्यान में रखते हुए एसडीओ ने तहसीलदार, नायब तहसीलदार, कृषि विकास अधिकारी तथा सभी पटवारियों को सक्रिय करने के निर्देश दिए हैं।

एसडीओ ने चेतावनी दी है कि सर्वे कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी रिपोर्ट्स को समयबद्ध तरीके से जमा करना अनिवार्य होगा, ताकि किसानों को त्वरित राहत मिल सके।

मैदान में उतरी टीमें

आदेश जारी होने के तत्काल बाद लांजी अनुभाग के ग्रामीण अंचलों में हलचल तेज हो गई है। पटवारी, राजस्व निरीक्षक (आरआई) तथा कृषि विभाग की टीमें गांव-गांव पहुंचकर सर्वे शुरू कर चुकी हैं। सुबह से ही खेतों में अधिकारियों की टीमें किसानों के साथ चर्चा कर रही हैं, फोटोग्राफ्स ले रही हैं और ड्रोन का उपयोग कर बड़े क्षेत्रों का आकलन कर रही हैं।

क्षेत्र के कुछ प्रभावित किसानों ने बताया कि बारिश से धान की फसल पानी में डूब गई, जबकि माहू कीट ने भी धान फसल को चट कर दिया। एक किसान रामकिशन पटले ने कहा, इस बार फसल अच्छी थी, लेकिन प्रकृति ने सब कुछ छीन लिया। सरकार से उम्मीद है कि सर्वे सही हो और मुआवजा जल्द मिले।

आगे की कार्रवाई

अनुविभागीय अधिकारी ने कहा कि सर्वे पूरा होने के बाद रिपोर्ट जिला कलेक्टर को भेजी जाएगी, जहां से राहत राशि का वितरण होगा। कृषि विभाग ने किसानों को सलाह दी है कि वे क्षतिग्रस्त फसलों के नमूने संरक्षित रखें और सर्वे टीम को सहयोग करें।

एआईएमआईएम पार्टी की जिला कार्यकारिणी का हुआ पुनर्गठन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। एआईएमआईएम पार्टी मप्र अध्यक्ष मोहशीन अली खान साहब के मार्गदर्शन मे एआईएमआईएम पार्टी की जिला कार्यकारिणी का पुनर्गठन किया गया ।इसमे जिलाध्यक्ष सैयद लियाकत अली. उपाध्यक्ष नवाब शेख. अनवर खान. सचिव. सरीफ शेख. सह सचिव रफीक खान. मीडिया प्रभारी हकीम जब्बार खान. कोषा अध्यक्ष जैनुल खान. बने जिलाध्यक्ष लियाकत अली ने कहा पूरी जुम्मेदारी और पूरी ईमानदारी से बालाघाट जिले मे पार्टी को आगे बढ़ाया जायेगा। किसी कारण से 2 वर्ष से पार्टी मे बैन लगाया गया था, जो अब खत्म हुआ ।जिसके चलते हम कोई भी चुनाव नहीं लड़ पाए ,मगर आगामी जो भी चुनाव है हम अपने उमीदवार पूरी ताकत के साथ उतरेंगे.और सभी धर्म और सभी वर्ग को हम साथ लेकर चलेंगे।उन्होंने बताया कि हमारी पार्टी सविधान पे चलती है और चलती रहेगी।उक्त जानकारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से एआईएमआईएम के जिला उपाध्यक्ष नवाब शेख द्वारा दी गई है।

समारोह का आयोजन कर तहसीलदार सुरेश उपाध्याय को दी गई बिदाई

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। तहसील कार्यालय लामता में मंगलवार को तहसीलदार सुरेश उपाध्याय के सम्मान में भावपूर्ण विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान रोहित मिश्रा ने सुरेश उपाध्याय के कार्यकाल की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने अपने कार्यकाल में जनता के प्रति समर्पण और प्रशासनिक कुशलता की मिसाल कायम की। उनके सहज और सहयोगी स्वभाव ने सभी के दिलों में विशेष स्थान बनाया।इस अवसर पर नवागत तहसीलदार कन्हैया लाल टेकाम ने पूर्व तहसीलदार सुरेश उपाध्याय को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि सुरेश उपाध्याय जैसे अधिकारी प्रशासन की सच्ची पहचान हैं, जिनसे प्रेरणा लेकर जनसेवा के कार्य को आगे बढ़ाया जाएगा। कार्यक्रम के अंत में पुष्पगुच्छ, शॉल और श्रीफल भेंट कर विदाई दी गई। इस अवसर पर तहसील के आयुषी ठाकरे रोहित मिश्रा, कन्हैया लाल टेकाम, नरेश पटेल ,ईश्वर दयालराणा, दिनेश गजभिये एवं जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता और गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय राजनीतिक दल बीएलए की अनिवार्य रूप से करें नियुक्ति - मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी

भोपाल। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी संजीव कुमार झा ने मंगलवार को मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ निर्वाचन सदन भोपाल में बैठक की। इस दौरान मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी झा ने मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण 2025 की प्रक्रिया के बारे में अवगत कराया।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री झा ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग ने दूसरे चरण की एसआईआर की तारीखों की घोषणा कर दी है इसमें मध्यप्रदेश भी शामिल हैं। प्रदेश में एसआईआर की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से उन्होंने आग्रह किया है कि वे अनिवार्य रूप से बीएलए की नियुक्त कर दें। उन्होंने कहा कि प्रदेश में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण शुरू होते ही मतदाता सूची फ्रीज कर दी गई है। भारत निर्वाचन आयोग की वेबसाइट वोटर्स.डॉट.ईसीआई.इन पर जाकर 2003 की मतदाता सूची को देखा जा सकता है। इसके अलावा मतदाता सूची मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी की वेबसाइट पर भी उपलब्ध है। विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान तीन बार बीएलओ घर घर जाकर सर्वे करेगा। उन्होंने कहा कि मतदाता

सूची में नाम जुड़वाने के लिए फॉर्म 6, हटवाने के लिए फॉर्म 7 और सुधार या संशोधन के लिए मतदाता को फॉर्म 8 भरना होगा। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री झा ने बताया कि एन्यूमरेशन फार्म भरने में यदि कोई व्यक्ति मिथ्या घोषणा करता है तो जुर्माने या कारावास के लिए दंडनीय होगा।

बैठक के दौरान संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी राम प्रताप सिंह जादौन, उप मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी संजय श्रीवास्तव, श्रीमती सुरभि तिवारी और राजेश यादव सहित कांग्रेस पार्टी से जेपी धनोपिया, भाजपा से भगवानदास सबनानी एवं एसएस उप्पल, आम आदमी पार्टी से सुमित चौहान उपस्थित रहे।

28 अक्टूबर से 7 फरवरी 2026 तक चलेगी प्रक्रिया

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी संजीव कुमार झा ने बताया कि एसआईआर की प्रक्रिया 28 अक्टूबर से शुरू होकर 8 फरवरी 2026 तक चलेगी। इस बीच 28 से 3 नवंबर तक बीएलओ को ट्रेनिंग दी जाएगी। बीएलओ द्वारा 4 नवंबर से 4 दिसंबर तक घर घर जाकर सर्वे किया जाएगा। मतदाता सूची के प्रारूप का प्रकाशन 9 दिसंबर को किया जाएगा। दावा आपत्तियों के आवेदन 9 दिसंबर से 9 जनवरी 2026 तक लिए जाएंगे। दस्तावेजों का सत्यापन 9 दिसंबर से 31 जनवरी 2026 तक किया जाएगा। इसके बाद 7 फरवरी 2026 को फाइनल मतदाता सूची का प्रकाशन होगा।

एसआईआर के दौरान लगने वाले सांकेतिक दस्तावेज

केंद्रीय / राज्य सरकार / सार्वजनिक उपक्रम द्वारा नियमित कर्मचारी / पेंशनर को जारी पहचान पत्र / पेंशन भुगतान आदेश

भारत में किसी सरकारी / स्थानीय निकाय / बैंक / डाकघर / एलआईसी / सार्वजनिक उपक्रम द्वारा 01.07.1987 से पूर्व जारी कोई पहचान पत्र / प्रमाण-पत्र / दस्तावेज़

सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी जन्म प्रमाण-पत्र

पासपोर्ट

किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड / विश्वविद्यालय द्वारा जारी मैट्रिक/शैक्षणिक प्रमाण-पत्र

सक्षम राज्य प्राधिकारी द्वारा जारी स्थायी निवास प्रमाण-पत्र

-वन अधिकार प्रमाण-पत्र

सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी ओबीसी/एससी/एसटी या अन्य जाति प्रमाण-पत्र।

राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (जहाँ उपलब्ध हो)

राज्य/स्थानीय निकाय द्वारा तैयार पारिवारिक रजिस्टर

सरकार द्वारा जारी भूमि / मकान आवंटन प्रमाण-पत्र

आधार के लिए, आयोग के पत्र संख्या 23/2025-ERS/Vol.II दिनांक 09.09.2025 (अनुलग्नक II) द्वारा जारी निर्देश लागू होंगे।

एमपी से आर्मी भर्ती के लिये खुद को भोपाल का बताने वाले यूपी के सात युवको सहित 9 को 7-7 साल की जेल

- भोपाल का मूलनिवासी बताया और यहीं की होटल में ठहरने पर आये थे पुलिस की राडार पर

- फिजिकल टेस्ट पास करने के बाद लिखित परीक्षा के लिये आये थे राजधानी

भोपाल। एमपी से आर्मी में भर्ती के लिये खुद को भोपाल का बताने वाले यूपी के सात युवको सहित 9 आरोपियो को सुनवाई पूरी होने के बाद जिला अदालत ने 7-7 साल की जेल की सजा से दण्डित किये जाने का फैसला सुनाया है। यह फैसला अपर सत्र न्यायधीश जयंत शर्मा की कोर्ट ने सुनाया है। प्रकरण में शासन की और से अपर लोक अभियोजकअनिल शुक्ला ने पैरवी की। आरोपियों ने खुद को एमपी का रहवासी बताने के लिये भोपाल के फर्जी मूलनिवासी तैयार करवाये और उनके आधार पर 7 नवंबर 2016 को फिजिकल टेस्ट दिया और पास हो गए। इसके बाद 27 नवंबर 2016 को भोपाल में लिखित परीक्षा के लिये वह राजधानी आये और तलैया इलाके में स्थित सम्राट होटल के रूम-101 औररूम-102 में ठहरे। यहॉ 23 नवंबर 2016 को रुटीन चैंकिग पर पहुंची पुलिस ने जब रजिस्टर देखा तो दस्तावेज में उन सभी के पते भोपाल के थे, पुलिस को शक हुआ की भोपाल में रहने के बाद वह सब होटल में क्यो ठहरे है। शक के आधार पर पुलिस ने होटल स्टाफ के साथ दोनों कमरों में जाकर उनसे पूछताछ की उन्होंने भोपाल का आईडी दिखाया लेकिन उनकी भाषा भोपाल की न होने पर पुलिस क संदेह गहरा गया इसके बाद उन्हें उनको हिरासत में लेकर पूछताछ की गई तो सारा फर्जीवाड़ा सामने आ गया। जॉच में सामने आया की आरोपी युवक यूपी के रहने वाले है, और आरोपी किरन ने उनके आधार कार्ड उत्तरप्रदेश के बुलंदशहर से बनवाए थे। आरोपियों ने फर्जी दस्तावेज के आधार पर खुद को भोपाल का निवासी बताया और इनके आधार पर मध्य प्रदेश में आर्मी में भर्ती के लिए फिजिकल टेस्ट देते हुए उसे पास कर लिया था। पुलिस ने इस मामले में चमन सिंह, वीरेंद्र कुमार, मोहित कुमार, तुषार सिरोही, सचिन देहरान, अभय शर्मा, राहुल शर्मा, किरन पाल और धरमवीर सिंह कोआरोपी बनाया था। इन सभी आरोपियो को 7-7 साल की सजा से दण्डित किया गया है।

मॉयल में सतर्कता जागरूकता सप्ताह का किया गया आयोजन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भारत सरकार की मिनी रत्न कंपनी मॉयल लिमिटेड के उकवा खान में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी केन्द्रीय सतर्कता आयोग के निर्देषानुसार एवं मॉयल लिमिटेड, मुख्यालय, नागपुर के बी. डी. गजगाते, मुख्य सतर्कता अधिकारी एवं डी. के. रैना, उप-मुख्य सतर्कता अधिकारी के दिशानिर्देश पर सतर्कता जागरूकता सप्ताह 27 अक्टूबर से 02 नवंबर 2025 तक आयोजन किया गया है। जिसमें उकवा खान के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं ठेकेदारों ने अपने कार्यों में ईमानदारी, जवाबदेही एवं पारदर्शिता अपनाकर दायित्वों का निर्वाहन करने की शपथ ली। यू. एस. भाटी, अभिकर्ता एवं संयुक्त महाप्रबंधक (खान), समूह-1, मॉयल लिमिटेड, बालाघाट खान, पवन कुमार वर्मा, सतर्कता अधिकारी, बालाघाट खान, निषाद निकोसे, खान प्रबंधक, समीर बेनर्जी, प्रमुख प्रबंधक (कार्मिक) व नंदलाल टेकन के सहयोग से सतर्कता जागरूकता के संबंध में विक्रता एवं ठेकेदारों के लिए एक दिवसी संगोष्ठी का आयोजन भी किया गया।

नारा और कविता स्पर्धा में शामिल प्रतिभागियों को वितरित किए इनाम

आयोजित कार्यक्रम में उकवा खान के विक्रेता एवं ठेकेदारों ने उक्त बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। इस तारातम्य में उकवा खान के कर्मचारियों के लिए नारा और कविता स्पर्धा आयोजित किया गया एवं उत्कृष्ठ नारा एवं कविता लेखन में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले कर्मचारियों को पुरस्कृत कर उनका उत्साह वर्धन किया गया।इस अवसर पर अपने सम्बोधन में सतर्कता अधिकारी पवन कुमार वर्मा, ने कहा कि हमें सामूहिक रूप से भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई लड़ने, रिश्वतखोरी व असंवैधानिक क्रियाकलापों के खिलाफ कानूनी कार्यवाही पर जोर देने की आवष्यकता है। उन्होंने कहा की इस प्रकार के आयोजन भ्रष्टाचार, नैतिकता, सुशासन इत्यादि के प्रति जागरूकता पैदा करने में महत्ववूर्ण भूमिका अदा करते हैं तथा भ्रष्टाचार को समाप्त करने के लिए अपने दैनिक व कार्यालयिन कार्यों में सतर्कता, ईमानदारी, जवाबदेही एवं पारदर्शिता पर बल दिया है।

सरकार की सफलता कर्मचारियों के सहयोग के बिना संभव नहीं - मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सरकार की सफलता कर्मचारियों के सहयोग के बिना संभव नहीं है। प्रदेश के विकास में अधिकारियों-कर्मचारियों की भूमिका सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। शासकीय कर्मचारियों के चेहरे की खुशी ही हमारे विकास का आधार है। कर्मचारी प्रदेश के सच्चे कर्मयोगी हैं जो प्रत्येक जनकल्याणकारी योजना को जमीन पर उतारने में अहम भूमिका निभाते हैं। राज्य सरकार कर्मचारियों के हितों के लिए हर कदम पर साथ खड़ी है। कर्मचारियों के कल्याण के कार्यों के लिए राज्य सरकार सदैव तत्पर है। राज्य शासन ने 1 जनवरी 2005 को या उसके बाद नियुक्त कर्मचारियों के लिए एकीकृत पेंशन योजना लागू करने के लिए समिति गठित करने का निर्णय लिया है, इससे पेंशन की विसंगतियों को दूर करने में मदद मिलेगी। राज्य सरकार सभी वर्गों का समान रूप से ध्यान रख रही है। विभिन्न कर्मचारी संवर्गों की वेतन विसंगति, ग्रेड पे, पदनाम परिवर्तन के लिए सेवानिवृत्त वरिष्ठ अधिकारियों को सम्मलित कर नया आयोग बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि जन सामान्य के कार्यो का त्वरित रूप से निराकरण और अपने कर्त्तव्यों के प्रति प्रतिबद्धता, शासकीय अधिकारियों, कर्मचारियों का दायित्व है। शासन-प्रशासन परस्पर सहयोग से प्रदेश को तेज गति से सभी क्षेत्रों में आगे बढ़ाने के लिए सक्रिय है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव राज्य कर्मचारी संघ द्वारा मंत्रालय स्थित सरदार वल्लभ भाई पटेल पार्क में आयोजित दीपावली मिलन समारोह को संबोधित कर रहे थे।

भारिया, बैगा एवं सहरिया समुदाय के घरों के विद्युतीकरण के लिए 78 करोड़ 94 लाख रुपये का अनुमोदन

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक मंगलवार को मंत्रालय में सम्पन्न हुई। मंत्रि-परिषद द्वारा प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महा अभियान (PM-JANMAN) अंतर्गत प्रदेश में क्क्ङ्खज्ञ्त समूहों यथा भारिया, बैगा एवं सहरिया समुदाय के घरों के विद्युतीकरण के लिए विद्युत वितरण कंपनियों की अतिरिक्त कार्ययोजना द्वितीय चरण का अनुमोदन प्रदान किया गया है।

स्वीकृति अनुसार प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महा अभियान (PM-JANMAN) के अंतर्गत अतिरिक्त 18 हजार 338 अविद्युतीकृत PVTG घरों के विद्युतीकरण के लिए विद् ?युत अधोसंरचना विस्तार के लिए लगभग 78 करोड़ 94 लाख रुपये की द्वितीय चरण की कार्ययोजना की स्वीकृति प्रदान की गई है। इस के लिए 60 प्रतिशत राशि 47 करोड़ 36 लाख रूपये केन्द्र शासन से अनुदान प्राप्त होगा व शेष 40 प्रतिशत राशि 31 करोड़ 58 लाख रुपये राज्य शासन द्वारा वितरण कंपनियों को अंशपूंजी के रूप में उपलब्ध कराई जायेगी।

पीएम जनमन अन्तर्गत प्रदेश के 24 जिलों में निवासरत भारिया, बैगा एवं सहरिया समुदाय के अविद्युतीकृत घरों के विद्युतीकरण के लिये बसाहट वार पूर्व स्वीकृत सीमा एक लाख रूपये प्रति हाउसहोल्ड को बढ़ाकर 2 लाख रुपये प्रति हाउसहोल्ड किये जाने की स्वीकृति दी गई। विद्युत कंपनियों द्वारा 2 लाख रूपये प्रति हाउसहोल्ड तक आकलित लागत से विद्युतीकरण किया जायेगा। लागत अधिक होने की स्थिति में ऊर्जा विकास निगम द्वारा एक किलोवाट क्षमता का आफ ग्रिड सोलर पैनल और बैटरी लगाकर विद्युतीकरण किया जायेगा। 211 घरों का विद्युतीकरण आफ ग्रिड प्रणाली से किया जायेगा।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महा अभियान (क्क्रू-छ्ह-स्र्ह) के अंतर्गत प्रदेश में 3 क्क्ङ्खज्ञ्त जनजाति, यथा भारिया, बैगा एवं सहरिया समूहों के अविद् ?युतीकृत घरों का विद्युतीकरण किया जा रहा है। 11 मार्च, 2024 को संपन्न मंत्रि-परिषद बैठक में योजनांतर्गत प्रथम चरण में 10 हजार 952 घरों के विद्युतीकरण के लिए लगभग 65 करोड़ रुपये की कार्ययोजना को स्वीकृति प्रदान की गई थी, जिसमें से 8 हजार 752 घरों को विद्युत कनेक्शन प्रदाय किये जा चुके हैं।

132 K.V. और उससे बड़ी लाईन बिछाने के कारण क्षतिपूर्ति राशि और क्षतिपूर्ति क्षेत्रफल में वृद्धि की स्वीकृति

मंत्रि-परिषद द्वारा अति उच्च दाब पारेषण 132 K.V. और उससे बड़ी लाईन बिछाने के लिए किसानों को दी जाने वाली मुआवजा/क्षतिपूर्ति राशि में वृद्धि करने की स्वीकृति प्रदान की गयी है। स्वीकृति अनुसार टॉवर लगाने पर दी जाने वाली क्षतिपूर्ति राशि को 85 प्रतिशत से बढ़ाकर 200 प्रतिशत किया गया है साथ ही लाइन ट्रान्समिशन लाइन के ऋृह्लङ्ख (ऋद्गद्धह्ल श्द्ध 2ड्ड4) में आने वाली भूमि की क्षतिपूर्ति राशि को 15 प्रतिशत से बढ़ाकर 30 प्रतिशत किया गया है। क्षतिपूर्ण क्षेत्रफल में टॉवर के चार पाए के अलावा सब तरफ 1-1 मीटर की अतिरिक्त वृद्धि की गयी है। भूमि का स्वामित्व किसान का ही रहेगा। टॉवर के बीच में और लाइन के नीचे की फसल किसान ले सकेगा।

केवल तार के नीचे की जमीन 132 च.ङ्क. लाईन में 7 मीटर क्षतिपूर्ण क्षेत्रफल को बढाकर कारिडोर अनुसार 28 मीटर किया गया है। उसी तरह 220 च.ङ्क. लाईन 14 मीटर में वृद्धि कर कॉरीडोर अनुसार 35 मीटर किया गया है। इसके अतिरिक्त 400 च.ङ्क. लाईन के नीचे की जमीन का क्षतिपूर्ति क्षेत्रफल 52 मीटर निर्धारित किया गया है।

मंत्रि-परिषद द्वारा बक्स्वाहा जिला छतरपुर में व्यवहार न्यायाधीश, कनिष्ठ खण्ड में व्यवहार न्यायाधीश, कनिष्ठ खण्ड स्तर का एक नवीन पद व उनके अमले अंतर्गत तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के 06 पद, इस प्रकार कुल 07 नवीन पदों का सृजन के लिए 52 लाख 46 हजार रूपये प्रति वर्ष की स्वीकृति प्रदान की गयी है।

भोपाल स्थित शासकीय आवास आवंटन नियम 2000 के नियम 17 एवं नियम 37 में संशोधन की स्वीकृति

मंत्रि-परिषद द्वारा भोपाल स्थित शासकीय आवास आवंटन नियम 2000 के नियम 17 एवं नियम 37 में संशोधन की स्वीकृति प्रदान की गयी है। स्वीकृति अनुसार भोपाल से बाहर स्थानांतरण होने की स्थिति में अधिकतम 06 माह तक की अवधि के लिए शासकीय सेवक सामान्य दर पर आवास धारित कर सकेगा। सेवानिवृत्त होने की स्थिति में शासकीय सेवक 06 माह तक आवास धारण कर सकेगा। सेवानिवृत्त शासकीय सेवक प्रथम 03 माह की अवधि के लिए आवंटित आवास सामान्य दर पर धारण कर सकेगा। उक्त अवधि के अवसान उपरांत पुन: आगामी 03 माह की अवधि के लिए किराया सामान्य दर से 10 गुना दर पर आवास धारण कर सकेगा। इसके उपरांत दाण्डिक दर से किराया वसूल किया जाएगा एवं बेदखली की कार्यवाही की जायेगी। पहले केवल 3 माह तक ही शासकीय आवास धारण करने की अनुमति थी।

इसी तरह त्यागपत्र देने, सेवा से पृथक होने अथवा अन्य किन्ही कारणों से आवास रखने के लिए अनधिकृत होने पर 03 माह तक की अवधि के लिए शासकीय सेवक द्वारा सामान्य दर पर आवास धारित किया जा सकेगा। 03 माह की अवधि के अवसान पर नियमानुसार दाण्डिक किराया वसूल किया जाएगा एवं बेदखली की कार्यवाही की जायेगी।

अनधिकृत आधिपत्य के लिये नियम 37 के तहत वेतनमान के आधार पर आवास की पात्रता और लायसेंस शुल्क की दरों का निर्धारण भी संशोधित किया गया है। दाण्डिक मासिक किराया 10 गुना से बढ़कर 30 गुना किया गया है। प्रति माह 10 प्रतिशत की उत्तरोत्तर वृद्धि की जायेगी।

डहरवाल कलार समाज ने खैरी में मनाई भगवान सहस्त्राबाहु जयंती

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। राज राजेश्वर भगवान सहस्त्राबाहु अर्जुन की जयंती मंगलवार को बालाघाट शहर से लगे ग्राम खैरी में भक्ति भाव के साथ डहरवाल कलार समाज ने मनाई। इस अवसर समाज बंधुओं ने भगवान की पूजा अर्चना कर आरती की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों की मौजूदगी रहीं।बताया गया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी कलार समाज संगठन की पहल पर जिले भर के लगभग ऐसे 200 से अधिक गांव में कलार समाज के लोग निवासरत हैं। भगवान सहस्त्रबाहु की जयंती आज अर्थात कार्तिक मास की शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि को सभी वर्गों के कलार बहुओं ने साथ मिलकर सहस्त्रबाहु जयंती का सामूहिक कार्यक्रम पूजा-अर्चना के साथ मनाया गया। ऐसे ही संपूर्ण जिले में प्रत्येक तहसील के वे प्रत्येक गांव जहां पर कलार समाज निवासरत है भगवान सहस्त्रबाहु की जयंती का कार्यक्रम धूमधाम से मनाया गया। इस कार्यक्रम में समाज संगठन के सभी पदाधिकारियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।इसी क्रम में ग्राम खैरी में सहस्त्रबाहु जयंती कार्यक्रम सामूहिक रूप से पूजा-अर्चना के साथ मनाया गया, ग्राम खैरी की समिति द्वारा आने वाली अगली जंयती तक भगवान सहस्त्राबाहु का मंदिर का निर्माण करने का संकल्प लिया गया है। कलार समाज के अलावा अन्य समाज के लोगों ने भी मंदिर में सहयोग का अश्वासन दिया है।

200 से अधिक गांवो में मनाई गई जयंती-साकरे

डहरवाल कलार समाज जिलाध्यक्ष राजेन्द्र साकरे ने बताया कि डहरवाल कलार समाज द्वारा आराध्य देव भगवान सहस्त्रबाहु जी की जयंती बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। जिले के 156 गांव में डहरवाल कलार समाज निवासरत हैं। इस वर्ष सभी कलार समाज के वर्गों के द्वारा एक साथ 28 अक्टूबर को करीब 200 से अधिक गांवों में जयंती कार्यक्रम मनाया गया है। वहीं गायखुरी में भी भगवान सहस्त्रबाहु मंदिर में जयंती मनाई गई। हमारे संगठन के तहसील स्तरीय और ग्राम स्तरीय समिति ने भी भगवान सहस्त्रबाहु जयंती मनाई गई हैं।इस अवसर पर शिवाजी बाविसताले (संगठन मंत्री), राजेन्द्र साकरे (अध्यक्ष), डी. पी. बाविसताले (सचिव), परदेशी राठौर (कोषाध्यक्ष), प्रयागराज सोहागपुरे (तह संगठन मंत्री), मुन्नालाल दह्ले, आशीष गंढपांडे (युवा अध्यक्ष), ज्ञानचंद भौरगडे (तह0 अध्यक्ष), भूपेन्द्र सोहागपुरे (तह उपाध्यक्ष), दिनेश नागरगडे (तह सचिव), सेवकराम डहरवाल (जि-उपाध्यक्ष), किशोरीलाल डहरवाल, महेन्द्र डहरवाल, गौरीशंकर मोहारे (खैरी सरपंच), गोकुल प्रसाद मोहारे (ग्राम पटेल, अध्यक्ष सर्वसमाज खैरी), शंकरलाल राठौर, श्यामलाल बाविसताले, संतोष बाविसताले, हेमन्त नगपुरे, भीकम मोहारे, हिरालाल ताराम, हरिचरण बाविसताले, ज्ञानचन्द राठौर, शंकर लाल राठौर, श्रीमति केशर बाविसताले, जानना बाविसताले, अंजू बाविसताले, मीराबाई बाविसताले, राकेश बाविसताले, श्रीमति सवीता बाविसताले, श्रीमती उषा बाविसताले, गीता बाई दहले, अखलेश डहरवाल, जितेन्द्र बाविसातले , सुहाकचन्द बाविसताले, सिद्धार्थ बाविसताले, सुरेन्द्र बाविसताले, मधु बाविसताले, जगन्नाथ बाविसताले, फागुलाल खाण्डवागे, राकेश बाविसताले सहित अन्य लोगों की मौजूदगी रहीं।

संवैधानिक दायित्वों से बेपरवाह है सरकार प्रदेश की प्रशासन व्यवस्था चौपट-भूपेन्द्र गुप्ता

भोपाल। रीवा जैसे महत्वपूर्ण संभाग के पुलिस महानिरीक्षक कि यह स्वीकृति कि उन्हें मालूम है कौन-कौन पुलिस अधिकारी कोरेक्स सीरप की तस्करी में शामिल हैं अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है और शर्मनाक है।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता भूपेंद्र गुप्ता ने इसे संवैधानिक दायित्वों के प्रति बे-परवाह सरकार निरूपित करते हुए कहा कि इसके पूर्व प्रदेश के शिक्षा मंत्री भी कह चुके हैं कि वे 500 ऐसे शिक्षकों को जानते हैं जो अपनी नौकरी किराए पर चला रहे हैं।लेकिन किसी पर कोई कार्यवाही नहीं है।

प्रदेश का एक और मंत्री जो ग्वालियर संभाग का प्रभारी भी है ग्वालियर में सार्वजनिक रूप से कहता है कि ग्वालियर नरक बन गया है जबकि वही मंत्री महोदय वहां के डेढ़ साल से प्रभारी मंत्री हैं।

25 से ज्यादा बच्चों की मौत के बावजूद प्रदेश का स्वास्थ्य मंत्री जहरीले सीरप को बिना जांच के क्लीन चिट दे देता है। और अब तो हद हो गई कि प्रदेश का एक वरिष्ठतम मंत्री विदेशी खिलाड़ियों के छेड़े जाने पर कहता है कि खिलाड़ियों को जिला प्रशासन को सूचना देकर घूमना चाहिए जबकि दिनदहाड़े उनके साथ छेड़खानी की गई है।

गुप्ता ने कहां की ये सारे उदाहरण एक स्वेक्षाचारी सरकार के हैं जिसमें किसी की कोई जिम्मेवारी तय करने का रिवाज ही नहीं है।जिसके प्रभार में जिला नरक बन गया है वह भी मस्त है जिसकी सरपरस्ती में पुलिस नशीले सीरप की तस्करी कर रही है वह भी असहाय है। और जिस मंत्री की सदारत में शिक्षक अपनी नौकरी किराए पर चला रहे हैं वे भी मौज में है ,ना किसी पर कार्रवाई ना किसी की जिम्मेदारी यह कैसा शासन है। केवल संविधान की कसम खाकर संविधान के दायित्वों के प्रति यह सरकार बेपरवाह बनी हुई है ।

गुप्ता ने कहा देश के महमहिम राष्ट्रपति को स्वयं संज्ञान लेकर इन अराजक परिस्थितियों से प्रदेश को बचाना चाहिए।

जीत से शुरुआत करने उतरेगी भारतीय टीम

कैनबरा। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारतीय क्रिकेट टीम बुधवार को यहां ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले पहले टी20 मैच में जीत के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम ने हाल में एशिया कप जीता है जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं । वहीं मेजबान टीम को घरेलू मैदान का लाभ मिलेगा। भारतीय टीम की बल्लेबाजी सूर्यकुमार के अलावा अभिषेक शर्मा , शुभमन गिल, तिलक वर्मा जैसे खिलाड़ियों पर आधारित रहेगी। अभिषेक और शुभमन की सलामी जोड़ी इस सीरीज में भारतीय टीम को आक्रामक शुरुआत देना चाहेगी। अभिषेक की तूफानी बल्लेबाजी से भारतीय टीम के पास बड़े स्कोर बनाने का अवसर रहेगा। वहीं गेंदबाजी की कमान जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह के पास रहेगी। स्पिनर के तौर पर टीम के पास कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती और अक्षर पटेल जैसे खिलाड़ी हैं जिनका सामना करना कंगारुओं के लिए आसान नहीं रहेगा। बांए हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप ने हाल के महीनों में नई गेंद और डेथ ओवरों में शानदार नियंत्रण दिखाया है। अगर वह और बुमराह दोनों तेज गेंदबाज अपनी लय पा लें, तो ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज़ों के लिए रन बनाना कठिन हो पाएगा।

वहीं दूसरी ओर मिचेल मार्श की कप्तानी में उतर रही मेजबान टीम की बल्लेबाजी ट्रैविस हेड, मार्कस स्टोइनिस, और टिम डेविड पर आधारित रहेगी। वहीं स्पिन की जिम्मेदारी अनुभवी एडम जम्पा की अनुपस्थिति में तनवीर सांगा। संभालेंगे। तेज गेंदबाजी की कमान जोश हेजलवुड संभालेंगे । उनका साथ सीन सीन एबॉट व नाथन एलिस देंगे। आंकड़ों पर नजर डालें तो भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच अब तक कुल 32 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले गए हैं, जिसमें भारतीय टीम का पलड़ा भारी है। उसे 20 मुकाबले में जीत मिली है, जबकि ऑस्ट्रेलिया केवल 11 मैच ही जीत पाई है और एक मैच का परिणाम नहीं निकला है। ऑस्ट्रेलिया की धरती पर भारत ने कुल 12 मैच खेले हैं, जिसमें उसे 7 में जीत मिली है जबकि ऑस्ट्रेलिया को 5 मैच में जीत मिली है। वहीं दोनो टीमों के बीच पिछले छह में से पांच मैचों में भारतीय टी जीती है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं –

भारत- सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल (उपकप्तान), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, शिवम दुबे, नीतीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), रिंकू सिंह और वाशिंगटन सुंदर।

ऑस्ट्रेलिया- मिचेल मार्श (कप्तान), सीन एबॉट, जेवियर बार्टलेट, टिम डेविड, बेन द्वारशुइस, नाथन एलिस, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, जोश इंगलिस, मैथ्यू कुहनेमन, मिचेल ओवेन, मैथ्यू शॉर्ट, मार्कस स्टोइनिस, एडम जम्पा, ग्लेन मैक्सवेल और तनवीर सांगा।

पहले टी20 में नीतीश, कुलदीप और हर्षित को मिल सकती है अंतिम ग्यारह में जगह

कैनबरा । भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच यहां बुधवार को होने वाले पहले टी20 में भारतीय टीम कई बदलावों के साथ उतर सकती है। अनुभवी ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या के इस सीरीज में नहीं होने से नीतीश कुमार रेड्डी को अवसर मिलना तय है। कैनबरा की पिच में उछाल और गति होती है। इसलिए इस बार टीम में तेज़ गेंदबाज़ों को अधिक अवसर मिल वहीं वहीं स्पिनर के तौर पर कुलदीप यादव, अक्षर पटेल और वरुण चक्रवर्ती में से किसी एक को जगह मिल सकती है। अक्षर पटेल को ऑलराउंडर होने का लाभ मिल सकता है क्योंकि वह बल्लेबाजी भी कर सकते है। वहीं दूसरे स्पिनर की जगह को लेकर कुलदीप और वरुण में मुकाबला है। तेज गेंदबाज के तौर पर जसप्रीत बुमराह के साथ हर्षित राणा को उतारा जा सकता है।

वहीं अर्शदीप सिंह का इस मैच में खेलना तय है। अर्शदीप ने ऑस्ट्रेलिया में खेले गए 2022 टी20 विश्वकप कप में सबसे अधिक विकेट लिए थे।

वहीं पिच को देखते हुए, टीम के तेज़ गेंदबाज़ को भी शामिल करना चाहेगी। ऐसे में हर्षित के सबसे अधिक अवसर रहेंगे। उसने तीसरे एकदिवसीय में जबरदस्त गेंदबाजी की थी।

कुलदीप ने साल 2018 के बाद से ऑस्ट्रेलिया में कोई टी20 नहीं खेला है, लेकिन उनका रिकॉर्ड अच्छा रहा है जबकि वरुण ने अभी तक नहीं खेला है। जिससे कुलदीप का पलड़ा भारी है।

ये हो सकती है अंतिम ग्यारह -

अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल (उपकप्तान), सूर्यकुमार यादव (कप्तान), तिलक वर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), शिवम दुबे, अक्षर पटेल, हर्षित राणा, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह।

अभिषेक और हेजलवुड में होगी करारी टक्कर - नायर

केनबरा। यहां भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच होने वाले पहले टी20 मैच में रोमांचक मुकाबला होने के आसार हैं। भारतीय टीम के पूर्व सहायक कोच अभिषेक नायर के अनुसार इस मैच में भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड के बीच कड़ा मुकाबला होगा। नायर ने कहा, अगर अभिषेक लय में रहे तो हेजलवुड की मुश्किलें बढ़ जाएंगी। वह जिस प्रकार आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करता है, वह नई गेंद को चौके या छक्के मारने के लिए, जाना जाता है। अगर आप पावरप्ले में ही डर बैठा देंगे तो ये पूरी पारी के दौरान बना रहता है। साथ ही कहा , अगर अभिषेक 6 ओवर तक भी बल्लेबाजी कर लेता है तो भारतीय टीम इसमें 60 से 80 रन बना देगी। इससे विरोधी टीम पर दबाव बन जाएगा।

आईपीएल में बेहतर प्रदर्शन से मिलती है भारतीय टीम में जगह

नई दिल्ली। युवा तेज गेंदबाज नवदीप सैनी ने कहा है कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में बेहतर प्रदर्शन से काफी लाभ होता है। यहां तक कि इससे भारतीय टीम में भी जगह मिलती है। इसलिए जिस किसी खिलाड़ी को राष्ट्रीय टीम में खेलना है उसे आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन करना ही होगा। कई लोगों को लगता है कि सैनी की गेंदबाजी अब पहले जैसी नहीं रही और इसी कारण वह टीम में वापसी नहीं कर पा रहे हैं पर ऐसा नहीं है। सैनी अब भी घरेलू क्रिकेट में काफी अच्छा कर रहे हैं। रणजी ट्रॉफी में भी उनकी गेंदबाजी का सामना करना बल्लेबाजों के लिए आसान नहीं रहता। हिमाचल के खिलाफ मैच में सैनी ने जबरदस्त गेंदबाजी की है। सैनी ने साल 2019 में भारतीय टीम की ओर से पदार्पण करते हुए दो टेस्ट, आठ एकदिवसीय और 11 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं1 32 साल के सैनी का मानना ?है कि राष्ट्रीय टीम में वापसी का सपना उन्होंने छोड़ा नहीं है। साथ ही कहा कि अगर वह लगातार पांच से छह

विकेट लेते रहे तो चर्चाओं में आयेंगे जिससे टीम में वापसी का रास्ता खुलेगा

सैनी ने कहा, "मैं जब आया था मेरे पास खोने को कुछ नहीं था और इतने साल बाद आज भी खोने को कुछ नहीं है। मैं अगर भारतीय टीम में वापसी का सपना ना देखूं तो मुझे दिल्ली की टीम में खेलने का भी अधिकार नहीं है।" इस तेज गेंदबाज ने अंतिम बार साल 2021 में भारतीय टीम की ओर से खेला था। इस तेज गेंदबाज ने कहा, "चाहे किसी को यह बात पसंद आए या नहीं, भारत के लिए खेलने के लिए आपको आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन करना ही होगा। यह एक सच्चाई है। एक साल पहले मुझे कंधे में चोट लगी थी जिससे मेरी रफ्तार कम हो गई थी। इसकी वजह से मुझे आईपीएल अनुबंध नहीं मिला।"वहीं विजय हजारे ट्रॉफी और सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी जैसे सीमित ओवरों के प्रारूपों में ही खेलने के लिए भी तैयार है।

उम्र नहीं खेल देखें चयनकर्ता – रहाणे

मुम्बई। पिछले काफी समय से भारतीय टेस्ट टीम में वापसी का प्रयास कर रहे अजिंक्य रहाणे के सत्र का बांध रणजी ट्रॉफी 2025-26 में छत्तीसगढ़ के खिलाफ शतक लगाने से बाद टूट गया। रहाणे ने चयनकर्ताओं पर निशान साधते हुए कहा है कि चयन के लिए खेल देखें उम्र नहीं। रहाणे ने कहा कि आजकल चयनकर्ता उम्र का बहाना बनाकर कई अनुभवी खिलाड़ियों को अवसर नहीं देते। रहाणे ने अवसरों की कमी और संवादहीनता पर भी सवाल उठाए है। उन्होंने यह भी कहा कि चयनकर्ता आम तौर पर घरेलू क्रिकेट को महत्व देते हैं पर चयन के समय उसे भूल जाते हैं। रहाणे ने कहा है कि वह पिछले चार-पांच सत्र से घरेलू क्रिकेट में पूरी गंभीरता से हिस्सा लेते रहे हैं पर चयनकर्ताओं ने उसपर ध्यान नहीं दिया।

रहाणे ने कहा, उम्र तो बस एक संख्या है। एक खिलाड़ी के तौर पर, अगर आपके पास अनुभव है, अगर आप अभी भी घरेलू क्रिकेट में अच्छा खेल रहे हैं, अगर आप अभी भी अपना सर्वश्रेष्ठ दे रहे हैं, तो मुझे लगता है कि चयनकर्ताओं को आप पर विचार करना चाहिए। बात उम्र की नहीं है। बात जुनून और इच्छा शक्ति की है। बात लाल गेंद के प्रति जुनून की है। उन्होंने कहा कि भारतीय टीम को बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 की टीम में अनुभव की कमी महसूस हुई है।

रहाणे ने कहा, ऽइतना क्रिकेट खेलने के बाद, जब मेरे जैसे अनुभवी खिलाड़ियों को टीम से बाहर किया गया, तो मुझे लगा कि कुछ तो अलग है। मुझे लगता है कि मेरे जैसे अनुभवी खिलाड़ी को वापसी के बाद और अवसर मिलने चाहिए, लेकिन इस बारे में कोई बातचीत नहीं हुई, लेकिन मैं अब भी अपने खेल का आनंद लेता हूं। मैं उन्हीं बातों पर ध्यान दे रहा हूं जो मेरे बस में है। वे मुझे चुनें या नहीं, यह उनका फैसला है, पर मुझे व्यक्तिगत रूप से लगता है कि भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया में मेरी जरूरत थी और मैं इसके लिए पूरी तरह तैयार था।ऽ भारत के लिए 85 टेस्ट मैच खेल चुके रहाणे ने आखिरी बार 2023 में वेस्टइंडीज के खिलाफ पोर्ट ऑफ स्पेन में टेस्ट मैच खेला था। उन्होंने आईपीएल के शानदार सीजन के बाद टीम में वापसी की थी। वह ऑस्ट्रेलिया से विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल हारने वाली टीम में भी शामिल थे। अपना 42वां प्रथम श्रेणी शतक लगाने वाले रहाणे का मानना ?है कि उम्र सिर्फ एक संख्या है, जिसके आगे भी चयनकर्ताओं को देखना होगा।

रहाणे ने कहा, देखिए, माइकल हसी ने 30 की उम्र के बाद डेब्यू किया था। उन्होंने फिर भी रन बनाए। इसलिए, लाल गेंद वाले क्रिकेट में अनुभव मायने रखता है और मुझे लगता है, व्यक्तिगत रूप से, भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया में मेरी जरूरत थी। बात उस अनुभव की होती है जो आपको ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड या दक्षिण अफ्रीका में खेलने से मिलता है। रहाणे ने रोहित और विराट की भी बात की और कहा, उच्चतम स्तर पर, जब आपके पास रोहित और विराट जैसे खिलाड़ी हों, जिन्होंने भारत के लिए बहुत सारे मैच जीते हैं, खासकर सफेद गेंद वाले क्रिकेट में, तो आपको टीम में उस अनुभव की जरूरत होती है। आप टीम में सभी नए खिलाड़ियों को नहीं रख सकते।

रोहित और विराट को 2027 के लिए टीम में जगह मिलना तय – गावस्कर

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हुई सीरीज में जिस प्रकार से विराट कोहली और रोहित शर्मा ने खेला है। उसको देखते हुए इन दोनो को ही 2027 एकदिवसीय विश्वकप के लिए टीम में जगह मिलना तय है। गावस्कर के अनुसार इस दोनो के अनुभव और क्षमताओं को देखते हुए ही इन्हें विश्वकप के लिए जगह दी जाएगी। वहीं रोहित और विराट पहले ही ये संकेत दे चुके हैं कि इन्हें 2027 विश्वकप खेलना है।

गावस्कर ने कहा कि दोनों खिलाड़ियों के फैसले और दबाव में फैसले लेने की उनकी क्लास ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय में देखने में आई। इस पूर्व कप्तान का मानना है

कि इन दोनो को 2027 विश्व कप में खेलना चाहिये। गावस्कर ने कहा, ऽजिस समय इन दोनो ने इस दौरे के लिए अपने को उपलब्ध कराया, उससे यह साफ हो गया कि वे 2027 विश्व कप में रहना चाहते हैं। अब से तब तक चाहे कुछ भी हो, चाहे वे रन बनाएं या नहीं। उनकी काबिलियत और अनुभव के साथ अगर वे उपलब्ध रहते हैं तो निश्चित रूप से टीम में होंगे। जिस प्रकार की लय इन दोनो ने ऑस्ट्रेलिया सीरीज में दिखायी है। उससे आज इन्हें दक्षिण अफ्रीका में होने वाले 2027 विश्व कप के लिए की टीम में जगह दे सकत हैं।ऽ ऑस्ट्रेलिया दौरे में रोहित ने एक शतक और एक अर्धशतक लगाया। वहीं कोहली पहले दो एकदिवसीय में खाता नहीं खोल पाये पर तीसरे एकदिवसीय में उन्होंने नाबाद अर्धशतक लगाया। इन दोनो की 168 रनों की नाबाद साझेदारी से भारतीय टीम ने आसानी से तीसरा एकदिवसीय जीत लिया।

डिविलियर्स की तरह ही धूम मचाना चाहता है उनका बेटा

जाहांसबर्ग । दक्षिण अफ्रीका के स्टार बल्लेबाज एबी डिविलियर्स अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के लिए जाने जाते हैं। वहीं अब डिविलियर्स की तरह ही उनका बेटा भी अपनी धमाकेदार बल्लेबाजी के कारण छाया हुआ है। विलियर्स का बेटा हालांकि अभी केवल 10 साल को है पर अपने पिता के ही नक्शे कदम पर चलता दिख रहा है। अब सोशल मीडिया में इस क्रिकेटर ने अपने बेटे की अर्धशतकीय पारी की जानकारी साझा की है। डिविलियर्स के दो बेटे हैं, जिनका अब्राहम और जॉन रिचर्ड है और एक बेटी येंते है। बड़ा बेटा अब्राहम उनकी तरह ही खेल में जाना चाहता है। डिविलियर्स अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास के बाद अपना अधिकतर समय परिवार के साथ बिता रहे हैं। डिविलियर्स ने अपने बेटे को लेकर एकक स्टोरी सोशल मीडिया में साझा की है। इसमें उन्होंने अपने बेटे के पहले अर्धशतक की जानकारी साझा की है। ये पोस्ट हालांकि उनकी पत्नी डेनियल ने साझा की थी, जिसे उन्होंने री-शेयर किया है। इसमें उनकी पत्नी बता रही है कि उन्हें अपने बेटे के पहले अर्धशतक पर गर्व है।

संन्यास के बाद से ही डिविलियर्स ने फ्रेंचाइजी लीग में भी खेलना छोड़ दिया है पर वह अपने क्रिकेट विशेषज्ञ के तौर पर अपने बयानबाजी के कारण भी खबरों में बने रहते हैं। हाल ही में उन्होंने भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाजों रोहित शर्मा और विराट कोहली को लेकर अपनी बात रखी. डिविलियर्स ने कहा कि ये दोनों दिग्गज खिलाड़ी आईसीसी एकदिवसीय विश्व कप 2027 तक खेल सकते हैं। साथ ही कहा था कि अगर ऐसा होता है तो उन्हें भी काफी अच्छा लगेगा।

श्रीकांत और कैफ ने सीमित ओवरों में शुभमन के असफल होने का कारण बताया

मुम्बई। भारतीय एकदिवसीय क्रिकेट टीम के नये कप्तान शुभमन गिल के लिए अपना पहला दौरा बल्लेबाजी के लिहाज से अच्छा नहीं रहा और वह तीन मैचों में कुल मिलाकर 43 रन ही बना पाये। वहीं इससे पहले इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट टीम की कप्तान करते हुए, शुभमन ने 700 से अधिक रन बनाये। वहीं एशिया कप टी20 टूर्नामेंट में भी उपकप्तानी करते हुए उनकी बल्लेबाजी कुछ खास नहीं रही और वह सात पारियों में 127 रन ही बना सके। इससे साफ है कि वह सीमित ओवरों के क्रिकेट में रनों के लिए संघर्ष कर रहे हैं। शुभमन के सीमित ओवरों में रन नहीं बना पाने का कारण टीम के पूर्व कप्तान कृष्णमाचारी श्रीकांत और पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने सभी प्रारूपों के लगातार खेलने का बोझ और दो प्रारूपों में कप्तानी का दबाव बताया है। कैफ ने कहा कि एक युवा खिलाड़ी के लिए इतनी कम उम्र में लगातार तीन प्रारूपों में खेलना और साथ ही कप्तानी की जिम्मेदारी संभालना शारीरिक और मानसिक रूप से थकाने वाला अनुभव है।

कैफ ने कहा, उन्होंने काफी मैच खेले हैं। उन्हें अलग-अलग प्रारूपों में पारी की शुरुआत करनी होती है और कप्तानी भी। फिर आईपीएल की कप्तानी भी है। नीलामी होने वाली है और इसके लिए गुजरात टाइटंस के साथ उनकी बात चल रही होगी। उनके पास काफी काम है और ऐसा लग रहा है कि इससे उनकी बल्लेबाजी पर प्रभावह पड़ा है। वह मानसिक रूप से थका हुआ लग रहा था।ऽ

श्रीकांत ने कहा, इंग्लैंड में अच्छा प्रदर्शन करने के बाद वह अपने पर और बेहतर प्रदर्शन के लिए दबाव डाल रहे हैं। उन्हें ऐसा नहीं करते हुए अपने खेल पर ध्यान देना चाहिए। तीसरे एकदिवसीय में उनके आउट होने का कारण हेजलवुड की अच्छी गेंदबाजी रही। उनकी बॉडी लैंग्वेज देखकर लगता है कि वह दबाव में हैं, क्योंकि उन्होंने रोहित शर्मा की जगह कप्तानी संभाली हैं। शुभमन गिल सितंबर 2024 से लगातार भारतीय टीम के साथ जुड़े हुए हैं औ इससे भी उनपर थकान हावी है।

प्रतिका की जगह शैफाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम में शामिल

मुम्बई। आक्रामक सलामी बल्लेबाज शैफाली वर्मा को महिला विश्वकप क्रिकेट सेमीफाइनल से पहले भारतीय टीम में शामिल किया गया है। शैफाली को सलामी बल्लेबाज प्रतिका रावल के विकल्प के तौर पर टीम में जगह दी गयी है क्योंकि प्रतिका टखने की चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गयी हैं। प्रतिका को बांग्लादेश के खिलाफ अंतिम लीग मैच में क्षेत्ररक्षण के दौरान ये चोट लगी थी। अब सेमीफाइनल में शेफाली स्मृति मंधाना के साथ पारी शुरु करेंगी। शेफाली ने एक साल से अधिक समय के बाद टीम में वापसी की है, पिछले एक साल के दौरान लय हासिल नहीं कर पाने के कारण वह टीम से बाहर थीं। उसने इससे पहले अपना अंतिम मैच जुलाई 2024 में खेला था। शेफाली ने 29 एकदिवसीय, पांच टेस्ट और 90 टी20 अंतराष्ट्रीय मैच खेले हैं। वहीं अंतराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अपने एक बयान में कहा, बांग्लादेश के खिलाफ लीग मैच में फील्डिंग करते समय प्रतिका के दाहिने टखने में चोट लगने के बाद शेफाली को उनकी जगह टीम में शामिल किया गया है। प्रतिका ने इस पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए छह पारियों में 51.33 के औसत से 308 रन बनाए हैं। उनकी जगह शामिल शैफाली ने अब तक के अपने करियर के दौरान 29 मैचों में 23 के औसत से 644 रन बनाए हैं। प्रदर्शन में निरंतरता की कमी के कारण ही शेफाली एकदिवसीय टीम में अपनी जगह नहीं बना पाई।

ड्रेसिंग रूम में बेहोश को गये थे श्रेयस – बीसीसीआई

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अनुसार ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय क्रिकेट मैच में बल्लेबाज श्रेयस अय्यर की चोट गंभीर थी और उन्हें प्राथमिक उपचार से राहत नहीं मिली थी। इसके बाद उनको ड्रेसिंग रूम ले जाया गया, लेकिन वहां भी उनकी हालत में सुधार नहीं था और वह बेहोश हो गये थे। ऐसे में उन्हें बीसीसीआई की मेडिकल टीम ने तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया था। वहां जांच के दौरान स्कैन की रिपोर्ट से पता चला कि उनकी स्पलीन (तिल्ली) में गंभीर चोट लगी है।

बीसीसीआई की ओर से आये बयान में कहा गया अय्यर को बाईं निचली पसली में चोट लगी है। उन्हें आगे की जांच के लिए अस्पताल ले जाया गया। जांच से पता चला है कि उनकी तिल्ली हल्की सी कट गयी है जिसके कारण रक्तस्राव हो रहा है। ऐसे में उन्हें आईसीयू में भर्ती कर इलाज किया गया। उनकी हालत अब स्थिर है और वह अच्छी तरह से उबर रहे हैं। बीसीसीआई की मेडिकल टीम के प्रमुख और आईसीसी के मेडिकल पैनल के सदस्य डॉक्टर दिनशॉ पारदीवाला ने मेडिकल टीम की तारीफ की है, जिन्होंने इस गंभीर चोट में तेज दिखाते हुए समय पर श्रेयस को अस्पताल में भर्ती कराया।

रोहित का मुम्बई पहुंचने पर भव्य स्वागत

मुंबई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा का ऑस्ट्रेलिया दौरे से वापसी के बाद मुम्बई पहुंचने पर भव्य स्वागत हुआ। रोहित ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में एक अर्धशतक और एक शतक लगाया था जिसके कारण उन्हें मैन ऑफ द सीरीज का अवार्ड मिला था। रोहित ने सीरीज में सबसे अधिक 202 रन बनाए थे। वहीं ये भी माना जा रहा है कि यह रोहित का अंतिम ऑस्ट्रेलिया दौरा था। उनके स्वागत का वीडियो भी आया है। इसमें रोहित शर्मा मुंबई एयरपोर्ट से बाहर निकलते दिख रहे हैं।

श्रेयस की हालत अब पहले से बेहतर – सूर्यकुमार

नई दिल्ली । भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा है कि श्रेयस अय्यर की हालत में सुधार आया है और वह पहले से ठीक हैं और बात भी कर रहे हैं। श्रेयस को ऑस्ट्रेलिया दौरे पर तीसरे और अंतिम एकदिवसीय मैच में क्षेत्ररक्षण के दौरान पसलियों में चोट लग गयी थी। जिसके बाद से ही वह आईसीयू में भर्ती थे। उन्हें अंतिम मैच में कैच पकड़ते समय पसलियों में चोट लगी थी। इसके बाद उनको अस्पताल ले जाया गया था, क्योंकि ड्रेसिंग रूम में वह दर्द से परेशान थे। सूर्यकुमार ने कहा, हमने उससे बात की है। जब हमें पहले दिन पता चला कि उसको चोट लगी है। तो मैंने पहले उसको ही फोन किया पर तब उसे पास फोन नहीं था। ऐसे में मैंने अपने फिजियो को फोन किया। तो उन्होंने बताया कि वो अब ठीक है। पहले दिन उनकी हालत खराब भी पर अब ठीक है। अभी दो दिन से वह बात कर रहा है। वह फोन पर जवाब दे रहा है। इसका मतलब है कि वह स्थिर है। डॉक्टर भी साथ ही में हैं जिससे साफ है कि सब ठीक है।

सूर्या ने साथ ही कहा, डॉक्टरों के अनुसार अभी वह कुछ और दिन निगरानी में रहेगा। है। दूसरी बात ये कि देखिए हम लोग तो डॉक्टर नहीं है तो इस बारे में अधिक कुछ कह नहीं सकते। पहले हमें लगा था कि उसे सामान्य चोट लगी है पर बार में वह गंभीर निकली। डॉक्टर और फिजियो के अनुसार जो कुछ हुआ वह आम तौर पर नहीं होता। ऐसा कभी-कभार ही होता है। श्रेयस जैसी प्रतिभा भी तो हमेशा नहीं मिलती हालांकि भगवान की कृपा से अब वह ठीक हो रहे हैं। डॉक्टर उनके स्वास्थ्य पर नजर बनाये हुए हैं।

गांव में जगह-जगह बिक रही अवैध शराब, बिक्री पर तत्काल रोक लगाने की गुहार लगायी

पाथरवाड़ा में अवैध शराब से परेशान महिलाओं ने जनसुनवाई में अफसरों को घेरा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्रदेश शासन के निर्देशन पर जिले में अवैध शराब निर्माण और उसकी बिक्री रोकने के लिए जिम्मेदारो द्वारा बड़ी संख्या में रोजाना ही कार्यवाही की जा रही है। बावजूद इसके भी पुलिस, अवैध शराब की बिक्री पर पूर्णत: रोक लगाने में नाकाम साबित हो रही है।शायद यही वजह है कि संपूर्ण जिले में अवैध शराब की बिक्री धड़ल्ले से चल रही है।अवैध शराब की बिक्री का ताजा मामला भरवेली थाना क्षेत्र के अंर्तगत आने वाले ग्राम पाथरवाड़ा में सामने आया है।जहां की करीब दो दर्जन से अधिक महिलाओ ने जनसुनवाई में ज्ञापन सौपकर गांव में तत्काल शराब बंदी किए जाने की मांग की है। जहां उन्होंने गाव में शराब बिक्री होने से बच्चों और युवाओं में नशे की लत लगने और गांव का माहौल खराब होने की बात कहते हुए शिकायत करने पर भी पुलिस द्वारा आरोपियों पर वैधानिक कार्यवाही ना किए जाने का आरोप लगाया है

गांव में लगा रहता है शराबियों का जमघट

उक्त मांग को लेकर ज्ञापन सौंपने पहुंची ग्रामीण महिलाओ ने बताया कि उनके गांव में कच्ची एवं पक्की शराब का अवैध कारोबार तेज गति से चल रहा है। गांव में कई जगह शराब बेची जा रही है। रोजाना शाम को शराबियों का जमघट गांव के चौक, चराहो पर लग जाता हैं जिसके चलते गाँव मे लड़ाई झगडे होते रहते है और ग्राम की शांति व्यवस्था भंग होती है।शराब पीने के बाद पुरुष वर्ग द्वारा महिलाओ को प्रताडित भी किया जाता है।

समिति बनाकर जुर्माने का भी किया गया प्रावधान, पर नहीं हो रही शराबबंदी

ग्रामीणों ने बताया कि गांव में कुछ लोग खुलेआम अवैध तरीके से शराब, धडल्ले से बेच रहे है जिससे गांव का माहौल ख़राब हो रहा है।आये दिन गावं में जुआ, लड़ाई झगड़ा, मारपीट गंदी-गंदी गाली गलौच का माहौल बना हुआ है। जिससे स्कूली बच्चे एवं लडकियाँ एवं माताएं बहनों पर विपरित प्रभाव पड़ने की वजह बहुत परेशान है । जिसकी सूचना पुलिस को लिखित में दी जा चुकी है। उसके बाद भी शराब बंदी नही हुई। ग्रामीणों के द्वारा नशा मुक्ति समिति बनाई गई।जिसमें निर्णय लिया गया है कि शराब बेचने वालो पर जुर्माना एवं पता बताने वालो को इनाम रखा गया है। जिसके बाद भी गांव में शराबबंदी नहीं हो पा रही है इसीलिए हम पुलिस सहयोग की मांग को लेकर कलेक्ट्रेट कार्यालय आए हैं।

खुलेआम कर रहे नशे का सेवन

उक्त मांग को लेकर मंगलवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय में सौपे गए ज्ञापन में ग्रामीण महिलाओं ने बताया कि उनके गाँव में करीब 6 से 07 घरों में अवैध शराब निर्माण और बिक्री का कार्य किया जाता है जिससे गाँव का माहौल खराब हो रहा है थाना में शिकायत कि गई है, लेकिन आज दिनांक तक कोई कार्यवाही पुलिस के द्वारा नही कि गई है।जिससे परेशान होकर आज हम ज्ञापन लेकर कलेक्ट्रेट आए है।ताकि कच्ची शराब बिक्री करने वालो के खिलाफ जल्द से जल्द कार्यवाही की जाए।उन्होंने बताया कि गांव के कुछ लोग अवैध शराब की बिक्री करते हैं। जिससे गांव में छोटे-छोटे बच्चे नशे का शिकार हो रहे हैं कई बार शिकायत करने पर भी अवैध शराब बेचने वालो पर कोई कार्यवाही नहीं की जा रही है।

पूरे गाँव को किया जाए नशा मुक्त

ग्रामीणों ने गांव में भी पूर्णत- शराबबंदी किए जाने की मांग की है।जिन्होंने गांव के कुछ लोगों पर चोरी छिपे शराब बनाने और उस शराब को अवैध तौर पर बेचने का आरोप लगाते हुए, उनकी शिकायत पर अब तक कोई कार्यवाही ना होने की बात कही है। जिन्होंने अवैध शराब बनाने और उसकी बिक्री करने वालों के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं किए जाने का आरोप लगाया है तो वही उन्होंने सम्पूर्ण गाँव में शराबबंदी और नशा मुक्ति की मांग को जल्द से जल्द पूरा किए जाने की गुहार लगाई है।

प्रशासन शराब बंदी में करे सहयोग- महिलाए

ज्ञापन को लेकर की गई चर्चा के दौरान ग्राम पाथरवाड़ा सरपंच श्रीमती शत्रुता धामडे, ग्रामीण श्रीमती राजवंती धामडे और श्रीमती छाया गाते ने संयुक्त रूप से बताया कि उनके गांव में 6 से 7 लोग अवैध तौर पर शराब बनाकर उसकी बिक्री का काम कर रहे हैं,जिससे गांव का माहौल खराब हो रहा है। पुरुष वर्ग शराब पीकर घर आते हैं लड़ाई झगड़ा करते हैं पैसों की मांग करते हैं, घर की औरतों को प्रताड़ित किया जा रहा है। वही चौक चौराहो में शराबी लोगों का अक्सर झुंड बना रहता है जो गाली गुप्तार करते रहते हैं, बच्चों और महिलाओं पर इसका विपरित प्रभाव पड़ रहा है। इसके पूर्व भी इसकी शिकायत भरवेली पुलिस से की गई थी ,भरवेली पुलिस आई शराब बेचने वालों को पकड़ी, लेकिन उन पर कोई वैधानिक कार्रवाई नहीं की गई,और उन्हें छोड़ दिया। इसलिए आज हम कलेक्ट कार्यालय आए हैं हम चाहते हैं कि शराब बंदी में पुलिस, और जिला प्रशासन हमारा सहयोग करें।

गिरफ्तार चालक और स्वास्थ्यकर्मी जेल भेजे गए

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मरीज को उपचार के लिए बिरसा से बालाघाट लाने के दौरान 108 एंबुलेंस के चालक ललित पवार और स्वास्थ्य कर्मी अनिल राहंगडाले द्वारा रुपए मांगे जाने वाले मामले में विभाग द्वारा दोनों ही कर्मचारियों पर विभागीय कार्रवाई के साथ बिरसा और बालाघाट कोतवाली थाने में शिकायत की गई थी। जिसके बाद दोनों आरोपियों को बिरसा पुलिस ने गिरफ्तार करने के बाद 28 अक्टूबर को न्यायालय में पेश किया, जिसके बाद दोनों ही आरोपितों को न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया है।

प्राप्त जानकारी अनुसार बैहर विकासखंड के ग्राम जत्ता निवासी 20 वर्षीय मृतका युवती गायत्री उईके पिता सालिकराम उईके को मलेरिया से पीड़ित होने पर 26 अक्टूबर को रात्रि लगभग 8 बजे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिरसा से जिला चिकित्सालय बालाघाट के लिए रेफर करने 108 एम्बुलेंस को कॉल किया गया था। जिस पर 108 एम्बुलेंस क्रमांक सीजी-04-एनएस-2464 रात्रि लगभग 10 बजे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिरसा पहुंची थी और रात्रि लगभग 10-15 बजे मरीज एवं उसके परिजनों को लेकर जिला चिकित्सालय बालाघाट के लिए रवाना हुई थी। वाहन चालक द्वारा लौगूर घाटी के घने जंगलों वाले ऊँचे पहाड़ी रास्ते पर रात्रि लगभग 11.30 बजे एम्बुलेंस रोककर वाहन चालक ललित पवार एवं ईएमटी अनिल राहंगडाले द्वारा पीडिता के परिजन से 700 रुपए की मांग की गई थी और कहा गया कि हम केवल पीडिता के साथ परिवार के 2 सदस्यों को ही ले जाते है, आप 4 लोग हो इसलिए आपको 700 रुपए देना होगा नही तो हम आगे नही ले जाएंगे। पीड़ित परिवार के

पास मात्र 600 रुपए ही उपलब्ध थे, जो उन्होंने वाहन चालक को दे दिये, तभी वाहन आगे बढ़ाया गया। रास्ते में वाहन चालक एवं ईएमटी मरीज को बालाघाट के प्राईवेट अस्पताल में ले जाने के लिए प्रेरित कर रहे थे, जबकि बिरसा अस्पताल से मरीज को स्पष्ट रूप से जिला चिकित्सालय बालाघाट ले जाने के लिए कहा गया था। 108 एम्बुलेंस द्वारा रात्रि लगभग 12.10 बजे पीडिता एवं उसके परिजनों को जिला चिकित्सालय बालाघाट में छोड़ा गया। पीडिता के उपचार में विलंब होने के कारण उपचार के दौरान उसकी मृत्यु हो गई थी ।

इन धाराओं के तहत हुई कार्यवाही

मृतिका युवती के परिजनों द्वारा पैसे मांगे जाने और अभद्र व्यवहार सहित समय पर जिला चिकित्सालय नहीं पहुचाने को लेकर संबंधित विभाग और पुलिस में शिकायत की गई थी। जिस पर बिरसा पुलिस ने 108 एंबुलेंस के वाहन चालक ललित पवार और स्वास्थ्य कर्मी अनिल राहंगडाले पर बीएनएस की धारा 308(2),105, 3(5) के साथ ही एससी एसटी एक्ट की धारा 3(2) वी, के तहत मामला पंजीबद्ध करते हुए मामला कायम किया गया है।

पीएमश्री केन्द्रीय विद्यालय बालाघाट में वार्षिक खेल महोत्सव का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी पीएमश्री केन्द्रीय विद्यालय बालाघाट में 28 अक्टूबर को वार्षिक क्री महोत्सव आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती फिरोजा खान मानव अधिकार आयोग कार्यकर्त्ता, समाजसेवी, यूनेस्को सदस्य तथा विशेष अतिथि के रूप में श्री नरेश धुवारे, अध्यक्ष, जिला एथलेटिक संघ ने अपनी उपस्थिति प्रदाय की। अतिथियों के आगमन उपरांत विद्यालय का खेलध्वज फहराया गया तत्पश्चात विद्यालय के प्राचार्य श्री अरुण कुमार तुमसरे द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया और स्वागत उद्बोधन प्रस्तुत किया गया।

इस दौरान विद्यालय के बच्चों ने मधुर स्वरों में स्वागत गीत प्रस्तुत किया तदुपरांत मार्च पास्ट हुआ जिसमे एनसीसी, स्काउट और चारों सदनों अर्थात शिवाजी, टैगोर, अशोक और रमन सदनों के विद्यार्थियों ने सहभागिता दर्ज की। विद्यालय के खेल शिक्षक श्री अर्जुन कुमार आर्य द्वारा वार्षिक खेल

प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। अतिथियों द्वारा मशाल प्रज्वलित कर, आसमान में रंग बिरंगे गुब्बारों को उाकर खेल महोत्सव का शुभारम्भ किया गया। इस दौरान विभिन्न खेल गतिविधियां संपन्न हुई जिनमे स्पून मार्बल दौ,100 मीटर दौ, रिले रेस, टग ऑ वार, स्लो साइकिल रेस आदि अनेक प्रतियोगिताओं ने दर्शकों का भी उत्साह बढाया और सबका मन मोह लिया।

आयोजन के मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथि ने अपने उद्बोधनों में कहा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का निवास होता है, खेल का हमारे जीवन में का विशेष महत्व है और हमें स्वस्थ रहने के लिए हमेशा खेलते रहना चाहिए। मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि तथा वरिष्ठ शिक्षक-शिक्षिकाओ द्वारा विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को मैडल और प्रमाण पत्र प्रदाय किये गए एवं उत्साहवर्धन किया गया।

1500 से अधिक ग्रामीण युवाओं का कंपनियों में हुआ चयन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के शिक्षित एवं तकनीकि रूप से कुशल युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए बालाघाट जिला प्रशासन द्वारा विशेष प्रयास किये जा रहे है। जिले के दुरस्थ आदिवासी बाहुल्य, नक्सल प्रभावित क्षेत्र एवं ग्रामीण युवाओं को रोजगार के अवसर सुलभ कराने के लिए कलेक्टर मृणाल मीना के मार्गदर्शन में देश की प्रतिष्ठित कम्पनियों से समन्वय कर रोजगार मेलों का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में 28 अक्टूबर को सांदीपनी विद्यालय बालाघाट में वृहद स्तर पर रोजगार मेले का आयोजन किया गया। इस मेले में जिले के 2072 युवाओं ने रोजगार के लिए अपना पंजीयन कराया है। मेले में आयी कम्पनियों द्वारा 1500 से अधिक युवाओं का चयन कर लिया गया है।

कलेक्टर श्री मीना ने रोजगार मेले में आए युवाओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि बालाघाट जिला प्रशासन युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयास कर रहा है और उनकी हर संभव मदद कर रहा है। अप्रैल 2025 से अक्टूबर माह तक पूर्व में 3700 से अधिक युवाओं को रोजगार दिलाया जा चुका है। जिला प्रशासन ने प्रयास किया है कि रोजगार मेले में इंटरव्यू के दौरान युवाओं से कम से कम दस्तावेज लिये जाए और इंटरव्यू की प्रक्रिया को सरल किया गया है। इस रोजगार मेले के माध्यम से देश की नामी एवं प्रतिष्ठित कम्पनियॉ टाटा मोटर्स व टाटा

इलेक्ट्रानिक्स में युवाओं को रोजगार मिलने जा रहा है। इन कम्पनियों में रोजगार के साथ युवा अपनी पढ़ाई भी कर सकते है और कम्पनी द्वारा उन्हें इसका सर्टिफिकेट भी दिया जाएगा, जो उनके भविष्य में काम आएगा। जिन युवतियों एवं उनके परिजनों को बैंगलोर, अहमदाबाद जैसे बड़े शहरों में भेजने में संकोच हो रहा है ऐसी युवतियों एवं उनके परिजनों के लिए काउंसलिंग भी की जा रही है।

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ ने इस अवसर पर युवाओ से कहा कि हर किसी क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए पहला कदम उठाना बहुत महत्वपूर्ण होता है। किसी भी चीज की शुरुआत शून्य से होती है और आगे बढ़ती है। हर किसी व्यक्ति को आगे बढ़ने के लिए शून्य से शुरुआत करनी होती है। आज जिले के युवाओं के लिए भी एक नई शुरुआत करने का अवसर है, इसका लाभ उठाएं और आगे बढ़ें। जिला प्रशासन ऐसे युवाओं को पूरी मदद करेगा।

रोजगार मेले में जिले के दुरस्थ एवं विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों से आए 2072 युवाओं ने रोजगार के लिए अपना पंजीयन कराया है। इसमें अधिकांश युवा जिले के नक्सल प्रभावित क्षेत्र के ग्राम डाबरी, पाथरी, पितकोना जैसे ग्रामों से आए थे। इनमें बड़ी संख्या युवतियों की भी थी। मेले में टाटा मोटर्स एवं टाटा इलेक्ट्रानिक्स कम्पनियों द्वारा युवाओं का इंटरव्यू लिया गया और इन्हें आफर लेटर प्रदान किया गया है। जिन युवाओं ने 12वीं पास कर ली है उन युवाओं को इन कम्पनियों में जॉब के दौरान तकनीकी कोर्स भी कराया जाएगा और पालीटेक्निक का सर्टिफिकेट दिया जाएगा। चयनित युवाओं को कम्पनी में 20 हजार रुपए तक का प्रतिमाह भुगतान किया जाएगा। जॉब के दौरान इन युवाओं के रहने एवं भोजन के लिए कम्पनी द्वारा छात्रावास एवं मेस की व्यवस्था भी की गई है।

इस रोजगार मेले के आयोजन में जिले की स्वयं सेवी एवं सामाजिक संस्थाओं द्वारा भी सहयोग किया जा रहा है। इस मेले के आयोजन में सहयोग कर रहे श्री आशीष मिश्रा ने बताया कि टाटा मोटर्स एवं टाटा इलेक्ट्रानिक्स में बालाघाट जिले के लगभग 04 हजार वेकेंसी है। रोजगार मेले का आयोजन कर इंटरव्यू के माध्यम से युवाओं का चयन आगे भी किया जाएगा। युवाओं को प्रोत्साहित करने में तपेश असाटी द्वारा भी सहयोग किया जा रहा है। रोजगार के लिए पंजीयन कराने वाले युवाओं के इंटरव्यू की अलग अलग कक्षो में व्यवस्था की गई थी।

बालाघाट जिले के ग्रामीण एवं नक्सल प्रभावित क्षेत्र के युवाओं को रोजगार मिलने से जिले की अर्थव्यवस्था को भी गति मिलेगी। इन कम्पनियों में जॉब करने वाले युवाओ की आय बढेगी तो उनके परिवार का जीवन स्तर भी ऊपर उठेगा।

उगते सूर्य को नदी तटों, सरोवरों में अर्घ्य देकर संपन्न हुआ छठ महापर्व

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मंगलवार की सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ चार दिवसीय छठ पर्व का विधिवत समापन हुआ। वैनगंगा नदी और मोती गार्डन स्थित तालाब सहित जिले के विभिन्न घाटों पर सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। श्रद्धालुओं ने नदी तट पर पहुँचकर सूर्य देव की पूजा-अर्चना की और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। महिला श्रद्धालुओं ने परंपरा के अनुसार 36 घंटे का निर्जला उपवास रखकर अर्घ्य अर्पित किया। व्रतधारी महिलाओं ने भगवान सूर्य से जीवन में स्वास्थ्य, समृद्धि और संतानों के कल्याण की प्रार्थना की। घाटों पर पूजा-अर्चना के दौरान भक्तिमय माहौल रहा और छठ गीतों की गूंज से वातावरण पावन बन गया। छठ पर्व के समापन के साथ ही श्रद्धालुओं ने एक-दूसरे को शुभकामनाएं दीं और प्रसाद का वितरण किया। साथ ही कुछ श्रद्धालु और व्रतधारी महिलाओं ने मोती गार्डन स्थित मोती तालाब में व्यवस्थाओं को लेकर नगर पालिका पर नाराजगी जाहिर की , उन्होंने कहा कि यहां पर पहले पायरिया बनी हुई थी , जिससे कि यहां पूजा अर्चना करने में परेशानी नहीं होती थी, किंतु यहां पर वोट आदि रखे जाने के कारण अव्यवस्था हो रही है जिस पर नगर पालिका को ध्यान देना चाहिए।

28 अक्टूबर को नगर के मोती तालाब और वैनगंगा नदी के किनारे छठ व्रत करने वाली महिलाओं ने उगते सूर्य को आस्था का अर्ध्य देकर पूजन किया। महिलाओं ने छठ माता से घर, परिवार की सुख समृद्धि के लिये प्रार्थना की। महापर्व के दौरान पूजन करने वाला परिवार, भगवान सूर्य देव को जल

अर्पित कर आराधना करते हैं। बिहार में इस पर्व का खास महत्व है। मान्यता है कि छठ देवी सूर्य देव की बहन हैं और उन्हीं को प्रसन्न करने के लिए भगवान सूर्य की अराधना की जाती है। लोक आस्था के महापर्व छठ का हिंदू धर्म में अलग महत्व है। यह एकमात्र ऐसा पर्व है जिसमें ना केवल उदयाचल सूर्य की पूजा की जाती है बल्कि अस्ताचलगामी सूर्य को भी पूजा जाता है। सूर्य उपासना का यह पर्व कार्तिक महीने के शुक्ल पक्ष के चतुर्थी से सप्तमी तिथि तक मनाया जाता है। इस वर्ष छठ पर्व की शुरुआत स्नान यानी नहाय-खाय के साथ हुई। इसके बाद व्रतियों ने 'खरना' का प्रसाद ग्रहण किया और पिछले 36 घंटे से निर्जला व्रत करके, मंगलवार सुबह की पहली किरण पर सूर्य देव को अर्ध्य देकर और पति के हाथो से जल ग्रहण कर अपना व्रत तोड़ा। व्रतधारी कर रही महिला सुनीता जंघेला ने बताया कि छठ महापर्व के आज चौथे दिन मंगलवार को सूर्योदय की पहली किरण पर उगते सूर्य को अर्घ्य देकर, सुख-समृद्धि की कामना की गई। पर्व को लेकर छठी माता का व्रत कर रहे महिलाओं और परिवारो में भक्ति का उत्साह देखा गया ।

इस प्रकार हैं मान्यताऐं

छठपूजा को लेकर अनेक कथाएं विद्यमान है लेकिन लोक परंपरा के अनुसार कहा जाता है कि सूर्यदेव और छटी मैया का भाई-बहन का संबंध है एवं इसी के चलते सूर्य की आराधना की जाती है तथा पवित्रता के साथ व्रत करने वालों को मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है। यह पर्व बिहार ही नहीं, देश-विदेश में उन सभी जगहों पर भी मनाया जाता है, जहां इस व्रत को मानने वाले निवास करते है। छठ पर्व अकेला ऐसा पर्व है, जिसमें डूबते सूर्य की पूजा की जाती है। यह पर्व कहता है कि फिर सुबह होगी और नया दिन आएगा। अस्त होते सूर्य को अर्घ्य देने के बाद अगली सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य दिया जायेगा। जिसमें व्रतधारी पानी में खड़े होकर सूर्य को अर्ध्य देती है, प्रथम अर्घ्य और द्वितीय अर्घ्य के बीच का समय तप का होता है। यह समय प्रकृति को प्रसन्न करने का तथा उससे वर प्राप्त करने का माना जाता है। पौराणिक मान्यतानुसार छटपूजा आदिकाल से चली आ रही है और सर्वप्रथम सूर्यपुत्र कर्ण ने ही सूर्यदेव की पूजा कर छटपर्व का आरंभ किया था।

मोती तालाब की अव्यवस्था पर महिलाओं ने जतायी नाराजगी

मोती तालाब में अव्यवस्था पर महिलाओं ने नाराजगी जाहिर की। महिला विमला सिंग ने बताया कि सालों से वह बालाघाट में यह व्रत कर रही है लेकिन अन्य धार्मिक त्यौहारो में नगरपालिका और प्रशासन, जिस तरह से व्यवस्था करता है, वह छठ पर्व पर दिखाई नहीं दी। आज महिलाओ को तालाब के जल में अर्ध्य देना जाना था लेकिन यहां बोट रैंप होने से वह कठिन हालातो में पूजा की। उन्होंने कहा कि यह हमारी आस्था पर चोट है।

जानलेवा गढ्ढों से हर दिन हो रहे सड़क हादसे

पद्मेश न्यूज। कटंगी। तिरोड़ी से पिपरवानी मुख्य सड़क मार्ग पर ग्राम सीतापठोर के पास स्थित राजीव सागर बांध की नहर में बनी पुलिया के बड़े-बड़े गड्ढे अब जानलेवा साबित होने लगे है. गड्ढों की वजह से आए दिन यहां सड़क हादसे हो रहे है जिसमें किसी को मामूली चोट तो कोई जीवन भर के लिए अपाहिज हो रहा है. ग्रामीणों ने बताया कि किस तरह से पुलिया में बने गड्ढों के कारण सड़क हादसे हो रहे है. सड़क हादसों को रोकने के लिए स्थानीय ग्रामीणों ने पुलिया के ऊपर एक लाल झंडा लगा दिया है ताकि राहगीर दूर से ही पुलिया के गड्ढे से होने वाले खतरे को भांप सकें और अपने वाहन को अधिक सर्तकता के साथ चलाएं. बीते एक माह में करीब दर्जन भर से भी अधिक सड़क दुर्घटनाएं पुलिया के गड्ढों के कारण से हुई है. गनीमत की बात यह रही कि सभी को मामूली चोट आई. पुलिया की हालत के खराब होने का अंदाजा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि सरिया बाहर दिखाई देने लगी है. ग्रामीणों ने कई बार शासन-प्रशासन का ध्यानाकर्षण कराते हुए मरम्मत कराने की मांग की है किंतु अब तक पुलिया की हालत पर किसी का ध्यान नहीं गया है ऐसा लग रहा है मानो कोई बड़े हादसे का इंतजार किया जा रहा है। स्थानीय ग्रामीण राजीव सागर बांध की नहर में बने पुलिया को अब मौत का पुलिया के नाम से पुकारने लगे है. गांव में अब अगर सड़क हादसे की सूचना मिलती है तो ग्रामीण पहले ही अंजादा लगा लेते है कि हादसा पुलिया के पास या पुलिया के ऊपर हुआ होगा. दरअसल, नागपुर, खवासा, पिपरवानी से आने वाले राहगीर जो इस रास्ते पर सीतापठोर पुलिया की हालत से अनजान है. वह सड़क हादसे का शिकार होते है, सड़क हादसों में घायल होने वाले राहगीरों को कई बार संजीवनी 108, डॉयल 112 तो कभी ग्रामीण ही मानवता दिखाते हुए अस्पताल ले जाकर भर्ती करवाते है. पुलिया के एक छोर से दूसरे छोर तक बड़े-बड़े गड्ढे हो गए है और यही गड्ढे राहगीरों के लिए जानलेवा बन सकते है. पुलिया की हालत खराब है लेकिन एमपीआरडीसी

और राजीव सागर बांध ने पुलिया की शुरूआत में किसी तरह का सूचना बोर्ड या लोगों को पुल के ऊपर जाने से रोकने के लिए स्टापर नहीं लगे हैं. ऐसे में रात्रि के वक्त कोई कार या अन्य कोई वाहन पुलिया के ऊपर से जरा भी तेज गुजरे तो सड़क हादसा होना लगभग तय माना जाता है. ग्रामीण लगातार पुलिया की हालत को लेकर आवाज उठा रहे है मगर, जिम्मेदार अधिकारियों की नींद नहीं खुली हैं. इससे यही लगता है कि प्रशासन को हादसे का इंतजार हैं। इसके बाद ही उनकी बंद आंखें खुलेगी।

न्यूज गैलरी

कोदो-कुटकी उपार्जन के पंजीयन की तिथि 31 अक्टूबर तक बाई गई

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग ने किसानों के हित में कोदो-कुटकी उपार्जन के लिए पंजीयन की तिथि 31 अक्टूबर 2025 तक बा दी है। उल्लेखनीय है कि रानी दुर्गावती श्री अन्न प्रोत्साहन योजना अंतर्गत श्रीअन्न प्रोत्साहन कंसोर्टियम ऑफ फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड द्वारा 16 जिलों जबलपुर, कटनी, मंडला, डिंडोरी, छिंदवाा, शहडोल, अनूपपुर, उमरिया, रीवा, सीधी, सिंगरौली, मैहर, सतना, मऊगंज, बालाघाट एवं सिवनी में कोदो एवं कुटकी उपार्जन किया जाना है। खरीफ वर्ष 2025 में ई-उपार्जन पोर्टल पर 10 से 24 अक्टूबर 2025 तक पंजीयन किए जाने का निर्णय लिया गया था। अब तिथि को बाकर 31 अक्टूबर तक किया गया है।

अधीक्षण अभियंता ने वितरण केंद्र की राजस्व वसूली की समीक्षा की

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड बालाघाट के अधीक्षण अभियंता श्री अमित कुमार द्वारा 27 अक्टूबर को बालाघाट शहर वितरण केन्द्र में बैठक ली गई, जिसमें वितरण केन्द्र की राजस्व वसूली की समीक्षा की गई एवं आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। बैठक में निर्देशित किया गया कि 100 यूनिट से कम उपयोग वाले उपभोक्ताओं का विश्लेषण करते हुए उन उपभोक्ताओं को टारगेट कर विजलेंस चेकिंग की जाए एवं कम उपयोग के कारण का पता लगाया जाए। 5000 रुपए से अधिक के बकाएदारों पर कार्यवाही करने एवं शतप्रतिशत बिल भुगतान कराने के निर्देश दिए गए। सोलर कनेक्शन की संख्या में वृद्धि कर कनेक्शन लक्ष्य प्राप्त करने कहा गया। शासकीय कनेक्शन के बिल वसूली के लिए सतत पत्राचार एवं विभाग प्रमुख से संपर्क करने के लिए निर्देशित किया गया। मासिक डिमांड के कम होने के कारणों का विश्लेषण कर डिमांड बढ़ाने के लिए निर्देशित किया गया।

अमानक खाद पाऐ जाने पर बिक्री और भण्डारण पर प्रतिबंध लगाया गया

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। उपसंचालक कृषि एवं अधिसूचित प्राधिकारी फूलसिंह मालवीय ने खैरलांजी तहसील के अंतर्गत सेवा सहकारी समिति सालेटेका एवं वारासिवनी तहसील के अंतर्गत गुरूजी कृषि केंद्र रामपायली से लिये गए जैविक उर्वरक के नमूने प्रयोगशाला जांच में अमानक पाए जाने पर जिले में संबंधित लॉट (स्कंध) के जैविक उर्वरक के क्रय विक्रय एवं भण्डारण पर प्रतिबंध लगा दिया है। खैरलांजी तहसील के अंतर्गत सेवा सहकारी समिति सालेटेका से दिव्यज्योति एग्रीटेक प्रा.लि. इंदौर द्वारा निर्मित बैच क्रमांक बी-एनओ-सी-29 प्रोम (PROM) जैविक उर्वरक के नमूने अमानक पाए गए है। इसी प्रकार वारासिवनी तहसील के अंतर्गत गुरूजी कृषि केंद्र रामपायली से लिये गए ग्रीन प्लेनेट बायो प्रोडक्ट जालंधर द्वारा निर्मित बैच क्रमांक जीपी-2406/केयू प्रोम जैविक उर्वरक के नमूने अमानक पाए गए है। जिसके कारण संबंधित लॉट के जैविक उर्वरक के जिले में क्रय विक्रय एवं भण्डारण पर तत्काल प्रतिबंध लगा दिया गया है। इसके साथ ही उर्वरक निर्माता ग्रीन प्लेनेट बायो प्रोडक्ट्स जालंधर एवं दिव्यज्योति एग्रीटेक प्रा.लि.इंदौर के संचालक को कारण बताओ नोटिस जारी कर 07 दिनों के भीतर अपना जवाब प्रस्तुत करने कहा गया है। समय सीमा में संतोषजनक जवाब नही मिलने पर उर्वरक नियंत्रण आदेश एवं आवश्यक वस्तु अधिनियम के अंतर्गत कार्यवाही की जाएगी।

एक बाईक सवार को कहा 'महापुरुष', पुलिस कर्मियों को भी दी नसीहत

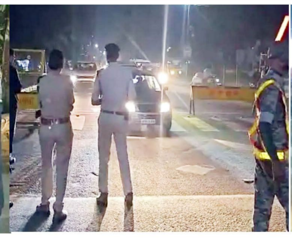

'हेलमेट बेहद जरूरी है' माइक लेकर समझाने सड़क पर स्वयं उतरे पुलिस अधीक्षक

सिटी रिपोर्टर
पदमेश न्यूज। बालाघाट।

बीती देर रात बालाघाट शहर की सड़कों पर खुद एसपी मोर्चा संभाले हुए थे.वे हेलमेट की अनिवार्यता को लेकर बीते दो दिनों से चल रही पुलिस की बेरीकेडिंग और हेलमेट और सीट बेल्ट चेकिंग अभियान को देखने सड़कों पर उतरे थे. इस दौरान वे खुद माइक लेकर वाहन चालकों से अपील कर रहे थे, उन्हें समझाइश दे रहे थे। इस तरह बालाघाट शहर में पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा ने सड़क पर उतरकर दोपहियाऔर चार पहिया वाहन चालकों को हेलमेट लगाने की अनिवार्यता के बारे में समझाई।

उल्लेखनीय हैं कि आगामी माह 1 नवंबर से हेलमेट को शहर तथा जिले भर में अनिवार्य करने के अभियान का यह हिस्सा है। श्री मिश्रा ने इस दौरान पुलिसकर्मियों को भी जगह जगह पर यातायात व्यवस्था सुधारने के निर्देश देते दिखाई दिए ।

सड़क पर आदित्य मिश्रा मिश्रा ने विभिन्न व्यवसायों के लोगों जैसे दूधवाले और छठ पर्व मनाने जा रहे लोगों कि भीड़ को भी बिना हेलमेट वाले चालकों से सीधे बातचीत किया और समझाइश भी दिया कि यह सब आपके जीवन के लिए ही हैं ।

इस दौरान उन्होंने एक वाहन चालक को 'महापुरुष' कहकर हेलमेट के महत्व पर जोर दिया। एसपी ने कहा कि बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चलाना बर्दाश्त अब किसी भी कीमत पर बर्दास्त नहीं किया जाएगा।

यह एस पी मिश्रा का एक तरह से नवाचार ही हैं कि शहर में अव्यवस्थित यातायात और हेलमेट के प्रति लापरवाही को देखते हुए उन्होंने इसे एक नए रूप में रखकर यह कदम उठाया है।

देखा गया है कि पिछले तीन दिनों से वे लगातार पुलिसकर्मियों को यातायात व्यवस्थित करने की समझाइश दे रहे हैं और स्वयं कभी भी सड़क पर उतरकर लोगों को हेलमेट पहनने के लिए प्रेरित कर रहे हैं।

बीती सोमवार रात को एसपी मिश्रा ने आंबेडकर चौक पर बिना हेलमेट वाहन चला रहे अनेक लोगों को रोका और उन्हें हेलमेट लगाकर वाहन चलाने की हिदायत दी। उन्होंने कार्यालयों या सड़क किनारे बैठकर यातायात व्यवस्था संचालित कर रहे पुलिसकर्मियों को भी सड़कों पर तैनात किया है, ताकि वे यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित कर सकें।

एसपी आदित्य मिश्रा ने स्पष्ट किया है कि 1 नवंबर से बिना हेलमेट वाहन चलाने वालों के खिलाफ न केवल चालान काटा जाएगा, बल्कि बार-बार नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई भी की जाएगी।

झालीवाड़ा, खैरी, जानवा, कारंजा, आमगांव, तिरोड़ी, लिंगा में जनसुनवाई

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देशों के परिपालन में 28 अक्टूबर को आमजन की समस्याओं का निराकरण करने के लिए अनुविभागवार जनसुनवाई का आयोजन किया गया। जनसुनवाई में संबंधित अनुभाग के एसडीएम द्वारा क्षेत्र के अधिकारियों के साथ मिलकर आवेदकों की समस्याओं को सुना

गया एवं त्वरित समस्या के निराकरण के निर्देश दिए गए। सभी अनुभागों को मिलाकर जनसुनवाई में कुल 249 आवेदन प्राप्त हुए। 27 अक्टूबर को आयोजित समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक के दौरान कलेक्टर मृणाल मीना द्वारा सभी एसडीएम को अपने क्षेत्र में जनसुनवाई आयोजित करने के लिए निर्देशित किया गया था। जिसके परिपालन में 28 अक्टूबर को अनुविभाग वारासिवनी के ग्राम झालीवाडा, किरनापुर के ग्राम जानवा, लांजी के ग्राम कारंजा, बैहर के ग्राम आमगांव, कटंगी के ग्राम तिरोडी एवं अनुविभाग परसवाडा के ग्राम लिंगा में जनसुनवाई शिविर का आयोजन अपर कलेक्टर, समस्त अनुविभागीय अधिकारी (रा.) एवं प्रभारी तहसीलदार की उपस्थित में किया गया। अपर कलेक्टर जीएस धुर्वे खैरलांजी तहसील के ग्राम खैरी में जनसुनवाई के लिए पहुंचे थे। इन सभी स्थानों पर आयोजित जनसुवनाई शिविर में कुल 249 आवेदन प्राप्त हुये, जिसे संबंधित अधिकारियों/विभागों को समाधानकारक निराकरण किये जाने के लिए कहा गया है।

कनिया में घर से एक लाख से ज्यादा मूल्य की देशी और अंग्रेजी शराब जब्त

प्रकरण में एक आरोपी गिरफ्तार, एक फरार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।
बिरसा थाने की सालेटेकरी पुलिस ने प्रीति रात ग्राम कनिया में छापा मार कर एक घर से 1 लाख15हजार रुपये की देशी विदेशी शराब के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार व्यक्ति रामकुमार पिता संपत यादव 35 वर्ष ग्राम कनिया निवासी है। मामले में दमोह शराब भट्टी का ठेकेदार ललित सिंह राजपूत, मुरारी यादव का ग्राम लोरमी निवासी फरार है। जिनकी तलाश की जा रही है। सालेटेकरी पुलिस ने इस शराब के परिवहन में प्रयुक्त एक मोटरसाइकिल भी जप्त की है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 27 एवं 28 अक्टूबर की दरमियानी रात सालेटेकरी पुलिस चौकी प्रभारी निरीक्षक धन सिंह धुर्वे को सूचना मिली कि ग्राम कनिया में रामकुमार यादव अपने रोड किनारे वाले मकान में अंग्रेजी शराब रखकर बिक्री करता है और वह शराब लेने के लिए दमोह गया हुआ है।मुखबिर की इस सूचना पर सालेटेकरी पुलिस चौकी प्रभारी धनसिंह धुर्वे ने बिरसा थाना प्रभारी रेवल सिह बरडे के मार्गदर्शन में अपनी टीम के उप निरीक्षक शिवलाल परते, आरक्षक विक्रम जर्मन, आरक्षक गजेंद्र यादव, आरक्षक अजय तोमर, आरक्षक सूरज गुर्जर के साथ ग्राम कनिया में घेराबंदी की थी। इस दौरान एक मोटरसाइकिल में दो लोग दमोह तरफ से आए और घर के सामने मोटरसाइकिल रोककर समान उतार रहे थे। तभी पुलिस की भनक मिलते ही एक व्यक्ति वहा से फरार हो गया। एक व्यक्ति को मोटरसाइकिल सहित पकड़े जिसने अपना नाम रामकुमार यादव कनिया निवासी बताया और भागने वाले व्यक्ति का नाम दमोह शराब भट्टी का ठेकेदार ललित सिंह राजपूत बताया। इसी दौरान दमोह तरफ से एक मोटरसाइकिल आ रही थी। जिसमें दो लोग बैठे थे। दोनों के बीच में कुछ सामान रखा हुआ था। जिन्हें पुलिस टीम ने रोकने का प्रयास किया किंतु पुलिस टीम द्वारा पीछा करने पर झाड़ियां और अंधेरे का फायदा उठाकर भाग गए। मौके पर दो कार्टून चेक किए गए । जिनमे एक कार्टून में शराब इंपिरियल ब्लू के 23 पाव, दूसरे कार्टून में टैंगो बॉम्बे अंग्रेजी शराब के 14 पाव, रामकुमार यादव से अवैध शराब रखने के संबंध में पूछा गया तो उसने लोरमी के मुरारी यादव के माध्यम से हाथ भट्टी की कच्ची शराब अपने घर में रखना बताया। रामकुमार यादव के घर की तलाशी लेने पर मेकडॉल नंब 1 के85 पाव,, मेकडॉल रम के 18 पाव, देसी प्लेन मदिरा के 162पाव, 37 केन अंग्रेजी बियर, 54 केन दबंग बियर, 2 जरीकेन में रखी 22 लीटर हाथ भट्टी की कच्ची शराब जप्त की गई। इस प्रकार कुल 113 लीटर 85 एम एल देसी विदेशी शराब जप्त की गई और इस शराब की परिवहन में प्रयुक्त मोटरसाइकिल क्रमाक सी जी 09 जे एन 9920 जप्त गई है। भारी मात्रा में देसी विदेशी शराब रखने के आरोप में रामकुमार यादव को गिरफ्तार किया। इस मामले में दमोह शराब भट्टी का ठेकेदार ललित सिंह यादव और हाथ भट्टी की शराब रखने वाले मुरारी यादव ग्राम लोरमी निवासी फरार है। जिनके विरुद्ध 34(2) आबकारी अधिनियम के तहत अपराध दर्ज किया गया है। गिरफ्तार आरोपी रामकुमार यादव को बैहर की अदालत में पेश कर दिया गया। जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में जेल भिजवा दिया गया है। जप्त की गई देसी विदेशी शराब और मोटरसाइकिल की कीमत 1 लाख 15हजार रुपये बताई गई है।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, नि:संतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित, **प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा**, मो.नं. :9425138710,
स्थानीय संपादक : डॉ. विपिन बिहारी शांडिल्य, ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. M P /HIN/2009/32311 , न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट